{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 14 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 168
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स - 74,563.92
निफ्टी - 23,151.10
सोना - 1,60,690
चांदी - 2,79,900
डॉलर - 92.48

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सोनिया गांधी से जुड़े मामले में सुनवाई टली

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची में कथित जालसाजी को लेकर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन मामले में दायर रिवीजन पिटीशन पर शुक्रवार दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली ये सुनवाई टल गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 30 मार्च को होगी। शुक्रवार की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से सुनवाई टालने की मांग की गई थी। इसके बाद अदालत ने नई तारीख दी। ये याचिका वकील विकास त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई है। सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली याचिका को सितंबर में खारिज किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इसी फैसले को त्रिपाठी ने चुनौती दी है। दरअसल सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका में नागरिकता और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिका में दावा किया गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी। आरोप है कि नागरिकता मिलने से 3 साल पहले, यानी 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में शामिल था।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

पटना। बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद एहतियातन परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस के साथ बम स्क्वायड डॉग स्क्वायड की टीम कैंपस में पहुंचकर तलाशी ले रही है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि, मेल के जरिए धमकी आई है। फिलहाल, इसकी छानबीन हो रही है। बिहार विधान सभा सचिवालय की ओर से बताया गया कि, आज बिहार विधान सभा को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ई मेल प्राप्त हुआ। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने तुरंत इस पर संज्ञान लेते हुए सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की। अध्यक्ष ने ख्याति सिंह, प्रभारी सचिव को निर्देश दिया कि वो मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को इस बात की जानकारी देकर विधान सभा परिसर की सुरक्षा दृष्टिकोण से शीघ्र जांच कराएं।

बादशाह की गिरफ्तारी के आदेश

पानीपत। टटीरी सॉन्ग विवाद को लेकर हरियाणा महिला आयोग ने बॉलीवुड सिंगर-रैपर बादशाह को गिरफ्तार करने का आदेश दिए। बादशाह शुक्रवार को समन पर पानीपत में पेश नहीं हुए। उनके वकीलों ने दलील दी कि किसी प्रोफेशनल कमिटमेंट में व्यस्त होने की वजह से बादशाह नहीं आ सके। आयोग से आगे का टाइम मांगा गया। इस पर महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया नाराज हो गईं।

कुछ ना कहना

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग

अमेरिका पर ईरान का प्रचंड प्रहार, तीन नाटो ठिकानों को बनाया निशाना

तुर्किये में न्यूक्लियर बेस पर दागी मिसाइल, विध्वंसक जंग की तैयारी कर रहा नाटो

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के 14वें दिन तीनों तरफ से ताबड़तोड़ हमले हो रहे हैं। ईरान लगातार अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है। अब उसने तुर्किये के इंसर्लिक एयरबेस पर मिसाइल दागी, जो एक अमेरिकी न्यूक्लियर बेस के करीब है। इस हमले से क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। इतना ही नहीं अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर पर भी हमला हुआ है। आईआरजीसी का दावा है कि उसने यूएसए अब्राहम लिंकन पर हमला किया है। ओमान सागर में मिसाइल से निशाना बनाया है। आईआरजीसी का कहना है कि हमले के बाद अब्राहम लिंकन पीछे हट गया है। हालांकि, अमेरिका ने इस हमले से इनकार किया है। उधर, ईरान ने एक साथ तीन नाटो ठिकानों को निशाना बनाया है। दुबई पर बड़ा हमला किया है। ईरान के हमलों को देखते हुए अमेरिका के एयर डिफेंस यूरोप से मिडिल ईस्ट पहुंचे हैं। जवाबी हमले में ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल मेडिटेरेनियन में तबाह हो गया है। नाटो एयर डिफेंस सिस्टम ने मिसाइल को नष्ट कर दिया है। अब नाटो विध्वंसक जंग की तैयारी कर रहा है। जर्मनी ने बड़ी सैन्य ड्रिल शुरू की है।

अमेरिकी प्लेन क्रैश 4 क्रू मेंबर्स की मौत, 2 लापता

पश्चिमी इराक में अमेरिकी एयरफोर्स का केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर रिफ्यूलिंग विमान क्रैश हो गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक विमान में सवार 6 क्रू मेंबर्स में से 4 की मौत हो गई है, जबकि 2 अभी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। अधिकारियों के मुताबिक यह विमान एक ऑपरेशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। उस समय मिशन में दूसरा अमेरिकी टैंकर विमान भी शामिल था। हालांकि दूसरा विमान सुरक्षित रहा। अमेरिकी सेना ने साफ किया है कि यह हादसा किसी दुश्मन के हमले या फ्रेंडली फायर की वजह से नहीं हुआ। हादसे के बाद ईरान युद्ध में मारे गए अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। इससे पहले 1 मार्च को कुवैत के शुआइबा पोर्ट पर हुए हमले में 6 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे, जबकि इस महीने सऊदी अरब में हुए हमले में घायल एक सैनिक की बाद में मौत हो गई थी।

वैश्विक संकट से निपटने में भारत कोई कसर नहीं छोड़ रहा, कुछ लोग इसे पैनिक बना रहे

-पीएम मोदी ने ईरान के खिलाफ इजराइल-अमेरिका जंग से तेल-गैस संकट पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान के खिलाफ इजराइल-अमेरिका की संयुक्त लड़ाई के बाद आए वैश्विक संकट को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। जिसमें लिखा- आज युद्ध के चलते जो वैश्विक संकट बना है, उससे निपटने में भारत कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। आजकल बहुत चर्चा एलपीजी को लेकर हो रही है। कुछ लोग हैं जो पैनिक क्रिएट करने की कोशिश कर रहे हैं, अपना एजेंडा चलाना चाहते हैं। मैं इस समय उन पर राजनीतिक टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि ऐसा करके वह जनता के सामने खुद तो एक्सपोज ही कर रहे हैं और देश का भी बड़ा नुकसान कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आज युद्ध से जो ये वैश्विक संकट आया है, उसके प्रभाव से कोई देश अछूता नहीं है। कम या अधिक मात्रा में हर कोई शिकार है। भारत सरकार भी इस संकट से निपटने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही है। हम अलग-अलग स्तरों पर कोशिश कर रहे हैं। बीते दिनों दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेताओं से मेरी बातचीत हुई है। सप्लाई चेन में जो बाधाएं आई हैं, उनसे हम कैसे पार पाएं, इसके लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इस वैश्विक संकट ने एक बार फिर दिखाया है कि किसी भी देश का आत्मनिर्भर होना इतना ज्यादा जरूरी क्यों है। इसलिए ही बीते सालों में हमने भारत को एनर्जी सेक्टर्स में आत्मनिर्भर बनाने के लिए होलिस्टिक तरीके से काम किया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हम इस वैश्विक संकट को भी पार कर लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि मैं फिर दोहराउंगा जहां तक सरकार का प्रश्न है, हम किसी भी प्रकार के प्रयत्न या प्रयास में कोई कमी नहीं आने देंगे। हमारे हर फैसले में जनता का हित सर्वोपरि रहेगा।

विपक्ष की नारेबाजी के बीच वित्त मंत्री का जवाब– हंगामा करना दुर्भाग्यपूर्ण, सरकार अपनी प्रतिबद्धता निभाएगी

एलपीजी संकट और 8 सांसदों के निलंबन पर लोकसभा में हंगामा

'अरे मोदी जी, एलपीजी' के लगे नारे

नई दिल्ली। एलपीजी संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष और सरकार के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दोपहर 2 बजे जब सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए 'अरे मोदी जी, एलपीजी' के नारे लगाए और एलपीजी किल्लत तथा अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव पर चर्चा की मांग की। सदन में हंगामें के बीच ही वित्त मंत्री ने अनुपूरक अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब दिया और कहा कि हंगामा करना दुर्भाग्यपूर्ण है, फिर भी सरकार अपनी प्रतिबद्धता को निभाएगी।

सदन में शोर-शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अनुपूरक अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और जोरदार नारेबाजी करने लगे। विपक्ष के इस विरोध पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं, लेकिन विपक्ष केवल हंगामा करने में लगा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विपक्ष उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन सरकार अपनी जिम्मेदारियों और वादों को पूरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

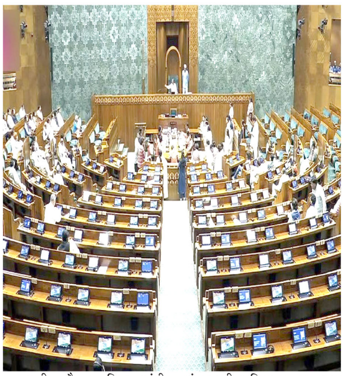

इसी दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने यह भी कहा, कि अनुपूरक अनुदान मांगें आपात परिस्थितियों में आवश्यक खर्च के लिए लाई जाती हैं। उन्होंने बताया कि उर्वरकों के लिए भी अतिरिक्त फंड का प्रावधान किया गया है ताकि आने वाली रबी फसल के लिए किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो।

इससे पहले भी प्रश्नकाल शुरु होने के समय विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया था। विपक्षी सांसदों ने निलंबित आठ सदस्यों की बहाली की मांग भी उठाई थी। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा था कि संसद की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है और यदि कोई सदस्य सदन की मेजों पर चढ़कर विरोध करेगा तो कार्रवाई होना स्वाभाविक है। लगातार हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और उसके बाद 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। दोपहर 2 बजे विपक्ष के हंगामें के बीच ही सदन की कार्यवाही एक बार फिर शुरु हुई।

मंदिरों में पशुओं की बलि पर रोक लगाने याचिका दायर, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मंदिरों में पशुओं की बलि पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में कोर्ट से धार्मिक परंपराओं के नाम पर जानवरों की बलि पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने पशुपालन मंत्रालय को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट में यह पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन एडवोकेट श्रुति बिष्ट की ओर से दाखिल की गई है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक याचिका में आरोप लगाया गया है कि मंदिरों में पशु बलि के मामलों में सरकार की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। याचिका के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई मामलों में कह चुका है कि हर तरह के 'जीव' को जीवन का अधिकार है। संविधान में भी जीवन के अधिकार की बात कही गई है। याचिका में कहा गया है कि 'जीवन' सिर्फ इंसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि जानवरों का जीवन भी इसी अधिकार के दायरे में आता है। इसलिए न्याय के हित में जानवरों को भी संरक्षण दिया जाना चाहिए। अदालत से आग्रह किया गया है कि धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान होने वाली पशु बलि को रोकने के लिए नए और सख्त कानून बनाए जाएं। याचिका में कहा गया है कि शुरुआती समय में मंदिरों में पशु बलि की परंपरा में कमी आई थी, लेकिन बाद के दौर में स्थानीय संस्कृतियों के प्रभाव से यह प्रथा फिर से हिंदू धर्म के कुछ हिस्सों में लौट आई है। वहीं याचिका में यह भी कहा गया है कि आज भी इंडोनेशिया के बाली, नेपाल और भारत के कुछ इलाकों जैसे हिमालयी क्षेत्र, पूर्वोत्तर भारत, ओडिशा और बंगाल के कुछ हिस्सों, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में पशु बलि की परंपरा जारी है।

बतादें आम तौर पर बलि के लिए जवान और स्वस्थ नर पशुओं को चुना जाता है। कुछ दुर्लभ मामलों में लोग अपने बच्चों या खुद को भी देवी-देवताओं को समर्पित करने की बात करते हैं। याचिका में कहा गया है कि इस प्रथा को रोकने के लिए व्यापक कदम उठाने की जरूरत है। इसमें कड़े कानून बनाने, लोगों में जागरूकता बढ़ाने और गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर अभियान चलाने की बात कही गई है।

छतरपुर में छापेमारी में कुल 38 सिलेंडर जब्त, यूपी के हापुड़ में निजी मकान से 32 सिलेंडर जब्त

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर में घरेलू गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। बुंदेलखंड क्षेत्र के जिले में दो दिनों तक चली छापेमारी में कुल 38 सिलेंडर जब्त किए। अधिकारियों को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग संकट का लाभ उठाकर गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण और व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। नौगांव के बिलहरी गांव में पानी प्लांट पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 13 खाली सिलेंडर जब्त किए। इसके एक दिन पहले, छतरपुर शहर की विश्वनाथ कॉलोनी में एक सेवानिवृत्त शिक्षक श्यामलाल अहिरवार के घर से 25 सिलेंडर बरामद किए, जिसमें से 22 खाली थे। अधिकारियों ने पेट्रोलियम अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मध्यप्रदेश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के हापुड़ में भी जमाखोरी के खिलाफ कार्रवाई हुई। वहां एक निजी घर से 32 सिलेंडर जब्त किए गए, जिसमें 18 भरे और 14 खाली थे। ज़िलाधिकारी द्वारा तहसील स्तर पर गश्त करने वाली टीमों को गठित किया गया था, और सूचना मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने कहा कि घरेलू गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पर्याप्त है और लोग ऑनलाइन बुकिंग कर आसानी से डिलीवरी ले सकते हैं।

मशहूर गायक कुमार सानू को कोर्ट ने मानहानि मामले में दी राहत

वकील ने कहा- यह राहत प्रतिष्ठा और गरिमा की रक्षा की दिशा में अहम कदम

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर गायक कुमार सानू को मानहानि मामले में अंतरिम राहत मिल गई है। कुमार सानू ने पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर एक याचिका दायर की थी। कोर्ट ने कुमार सानू की पूर्व पत्नी के साथ-साथ गूगल और मेटा जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और अज्ञात पक्षों के खिलाफ अंतरिम सुरक्षा का आदेश दिया है। इस मामले पर कुमार सानू की वकील सना खान ने कहा कि यह राहत डिजिटल युग में किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा और गरिमा की रक्षा की दिशा में एक अहम कदम है।

सानू की वकील ने कहा कि यह ऑर्डर सोशल मीडिया और सर्च प्लेटफॉर्म्स पर जब मानहानिकारक सामग्री सामने आती है, तब जवाबदेही की अहमियत को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा की रक्षा करना एक बुनियादी कानूनी सिद्धांत है, चाहे वह व्यक्ति सार्वजनिक जीवन से जुड़ा हो या नहीं। उन्होंने कहा कि यह अंतरिम राहत सुनिश्चित करती है कि जब तक मामला कोर्ट में विचाराधीन है, कुमार सानू की प्रतिष्ठा सुरक्षित रहे। कोर्ट के आदेश के मुताबिक कुमार सानू से जुड़ी मानहानिकारक सामग्री के प्रसार और प्रकाशन पर रोक लगाई गई है, साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। वकील के मुताबिक यह मामला ऑनलाइन मानहानि और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए सेलिब्रिटीज की इमेज को नुकसान पहुंचाने के मामलों में न्यायपालिका की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

विपक्षी गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए दोनों सदनों में सौंपे नोटिस, 193 सांसदों के हस्ताक्षर

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग!

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का नोटिस संसद के दोनों सदनों में सौंप दिया है। इस नोटिस पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक लोकसभा में नोटिस के लिए कम से कम 100 और राज्यसभा में 50 सांसदों के समर्थन की जरूरत होती है। विपक्ष ने अब तक कुल 193 हस्ताक्षर जुटाकर यह जरूरी आंकड़ा आसानी से पार कर लिया है।

लोकसभा सचिवालय को सीईसी के खिलाफ टीएमसी का नोटिस मिल चुका है। नोटिस की जांच-पड़ताल की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। सीईसी के खिलाफ कई आरोप भी लगाए गए हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया गया है। यह नोटिस आधिकारिक रूप से शनिवार को पेश किया जाएगा। इसके लिए नोटिस के दो अलग-अलग सेट तैयार किए गए हैं। विपक्षी सांसदों का यह कदम बजट सत्र के दौरान चुनाव आयोग के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह पहली बार है, जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए नोटिस दिया गया है। एक उच्च पदस्थ सूत्र के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं। इनमें पद पर रहते हुए पक्षपाती और भेदभावपूर्ण आचरण से लेकर चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालने और बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार से वंचित करने जैसे आरोप शामिल हैं। विपक्ष दल कई बार मुख्य चुनाव आयुक्त पर आरोप लगा चुके हैं कि वह सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करते हैं, खासकर जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में। इसके बारे में उनका आरोप है कि इसका मकसद भाजपा की मदद करना है।

दोनों सदनों में जुटाया भारी समर्थन

विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए बड़ी संख्या में सांसदों का समर्थन जुटाया है। लोकसभा से जहां 130 सांसदों ने नोटिस पर दस्तखत किए हैं, वहीं राज्यसभा से 63 सांसदों ने अपनी सहमति दी है। यह संख्या बल संवैधानिक रूप से नोटिस देने के लिए जरूरी न्यूनतम सीमा से काफी ज्यादा है। विपक्षी दल इस मुद्दे पर पूरी तरह एकजुट नजर आ रहे हैं। संसदीय प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए विपक्ष ने दो अलग-अलग सेटों में नोटिस तैयार किए हैं। पहला सेट लोकसभा के लिए है, जिसमें 100 सांसदों की जरूरत के मुकाबले 130 हस्ताक्षर हैं। दूसरा सेट राज्यसभा के लिए तैयार किया गया है, जिसमें 50 सांसदों की जरूरत के मुकाबले 63 सांसदों ने साथ दिया है। अब यह मामला संसद की कार्यवाही का हिस्सा बनने की ओर तैयार है। विपक्ष कल यह नोटिस सर्व करने की तैयारी में है।

मोबाइल डेटा पर सरकार लगा सकती है नया टैक्स

हर जीबी डेटा पर देने होंगे अतिरिक्त कर

नई दिल्ली। भारत में आने वाले समय में मोबाइल इंटरनेट इस्तेमाल करना महंगा हो सकता है। सरकार मोबाइल डेटा के इस्तेमाल पर नया टैक्स लगाने के विकल्प को देख रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले में डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन से कहा गया है कि वह इस पर स्टडी करे और बताए कि क्या डेटा यूज पर टैक्स लगाना संभव है या नहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में टेलीकॉम सेक्टर की एक रिव्यू मीटिंग में यह मुद्दा सामने आया। इसके बाद डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन को कहा गया कि वह यह जांच करे कि मोबाइल डेटा के इस्तेमाल पर टैक्स लगाया जा सकता है या नहीं और अगर लगाया जाए तो उसका मॉडल क्या होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार जिस विकल्प को देख रही है उसमें 1 प्रति जीबी डेटा पर टैक्स लगाया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो हर बार जब कोई यूजर मोबाइल डेटा इस्तेमाल करेगा तो उस पर यह अतिरिक्त चार्ज जुड़ सकता है। बताया जा रहा है कि अगर प्रति जीबी का टैक्स लागू होता है तो इससे सरकार को हर साल लगभग 22,900 करोड़ तक की कमाई हो सकती है।

जनपद पंचायत बिरसा के ग्राम दुल्हापुर के बटरंगा का मामला

आजादी के 79 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं से वंचित

ग्रामीण बोले -सप्ताह में सिर्फ एक दिन आती है आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : 3 बजे स्कूल बंद कर चले जाते हैं शिक्षक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की विशेष बैगा जनजाति के उत्थान के लिए शासन प्रशासन द्वारा कई वर्षों से अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है जिसके माध्यम से शासन प्रशासन के जिम्मेदार लोग बैगाओ के उत्थान करने और उनके जनजीवन को ऊपर उठाने का जहां-तहां ढिंढोरा पीटते नजर आते हैं लेकिन शासन प्रशासन द्वारा बैगों के उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जमीनी हकीकत कुछ और ही है ।आज भी ऐसे कई बैगा बाहुल्य क्षेत्र है जहां की विशेष जनजाती के लोगों का जीवन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में बीत रहा है।जहा आज भी सड़क बिजली पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से वे मेंहरूम हैं। जी हां हम बात कर रहे है बैहर विधानसभा क्षेत्र के बिरसा जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले बैगा बाहुल्य गाँव दुल्हापुर के बटरंगा की जहां के आदिवासी बैगा जहां एक ओर मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर आजादी के 79 वर्ष बीत जाने के बाद भी गांव के लोगों को सड़क बिजली

पानी,की उचित सुविधाएं नही मिल पा रही है इसके अलावा गांव में स्थित आंगनबाड़ी और स्कूल का लाभ भी उनके बच्चों को नही मिल पा रहा है।जिसपर एतराज जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने व्यवस्था में सुधार किए जाने सहित ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाए दिए जाने की मांग की है।

शिक्षा के लिए भी करनी पड़ रही जद्दोजहद

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा बैगा जनजाति के नाम से अनेकों योजनाएं चलाई जा रही है, लेकिन जवाबदारों की उदासीनता कहें या उनकी लापरवाही से आज भी बैगा जनजातियों के गांवों में योजना पहुंच नहीं पाई है, जिसकी एक झलक बालाघाट जिले के जनपद पंचायत बिरसा के ग्राम पंचायत दुल्हापुर के बटरंगा गांव में देखने को मिल रही है, जहां निवासरत लोग आज भी सड़क पानी और शिक्षा जैसे मुलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। कहने को तो आजादी के 79 वर्ष गुजर गए लेकिन बटरंगा गांव के लोग सड़क, पानी, और शिक्षा के लिए जद्दोजहद करते नजर आ रहे हैं,

इन सुविधाओं की दरकार

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में प्राथमिक विद्यालय और एक आंगनबाड़ी केंद्र है, लेकिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सप्ताह में एक दिन आतीं हैं और शिक्षक स्कूल तो आंतें है लेकिन 3 बजे ही स्कूल बंद कर चले जाते हैं। गांव तक पक्की सड़क नहीं होने से बारिश के दिनों में मुख्य मार्ग तक आने जाने में परेशानी होती है,जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाएं दिए जाने की मांग की है।

कई बार लगा चुके है गुहार ,नही होती सुनवाई

ग्रामीणों ने बताया की मूलभूत सुविधाओं को लेकर ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, जनपद पंचायत, यहां तक कि विधायक के पास कई बार गुहार लगा चुके है लेकिन हमारी कही कोई सुनवाई नही हो रही है।यहां तक कि विधायक ने गांव आकर व्यवस्था बनाने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन वह आश्वासन आज तक पूरा नही हो पाया है।

माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट में कक्षा 7 से 11 तक प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनजातीय कार्य विभाग (म.प्र. स्पेशल एंड रेसीडेंसियल एकेडमिक सोसायटी) द्वारा संचालित विशिष्ट आवासीय विद्यालय माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट में सत्र 2026-27 के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम (हिंदी माध्यम) अंतर्गत कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है।

इस प्रवेश प्रक्रिया में अनुसूचित जनजाति वर्ग की छात्राएं, विशिष्ट पिछड़ी जनजाति, विमुक्त जनजाति, घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ समुदाय की छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। इसके अलावा वे छात्राएं भी आवेदन के लिए पात्र होंगी जिन्होंने अपने माता-पिता को वामपंथी उग्रवाद या कोविड जैसी परिस्थितियों के कारण खो दिया है। साथ ही विधवा की संतान, दिव्यांग माता-पिता की संतान, अनाथ वर्ग की छात्राएं तथा अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में शासकीय सेवा में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों की संताने भी आवेदन कर सकती हैं।

माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट प्राचार्य ने बताया कि आवेदन पत्र और आवश्यक निर्देश विद्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर संस्था स्तर पर परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके बाद वरीयता सूची जारी की जाएगी। इसी वरीयता सूची के अनुसार रिक्त सीटों पर छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा। आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, समग्र आईडी, जाति प्रमाण पत्र और एक पासपोर्ट साइज फोटो संलग्न करना अनिवार्य होगा।

उल्लास नवभारत कार्यक्रम अंतर्गत जिले में 14 मार्च को होगी साक्षरता परीक्षा, 30,500 परीक्षार्थी होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में 14 मार्च 2026 को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत साक्षरता परीक्षा आयोजित की जाएगी। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ के मार्गदर्शन में जिले में इस परीक्षा के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं।

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट श्री जीपी बर्मन ने बताया कि इस परीक्षा के लिए जिले भर में 1815 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां लगभग 30,500 परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल कराया जाएगा। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला स्तर से अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है तथा मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है, ताकि परीक्षा प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। इस परीक्षा का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षर लोगों को साक्षर बनाना तथा उनकी मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता का मूल्यांकन करना है।

जिला पुलिस पेंशनर संघ का होली मिलन समारोह व मासिक बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। म.प्र. पुलिस पेंशनर संघ के अध्यक्ष एवं संस्थापक महेन्द्र प्रतापसिंह परिहार के दिशानिर्देश पर जिला पुलिस पेंशनर संघ के अध्यक्ष उमेशचंद प्रजापति की अध्यक्षता में मासिक बैठक एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।शुक्रवार 13 मार्च को

नगर में आयोजित इस बैठक में सर्वप्रथम सेवानिवृत पेंशनरों को परिचय पत्र वितरण किये गये वही संघ के सदस्यों को संघ के हित में कार्य करने एवं संघ को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश संघ के पदाधिकारियों द्वारा दिये गए, बैठक के दौरान सभी पेंशनरों को अपने अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए बताया गया वही पुलिस पेंशनर संघ की कार्यकारिणी समिति का गठन सर्वसहमति से किया गया।वही होली मिलन समारोह कर गुलाल आदि लगाकर आपस में होली की शुभकामनाऐं दी गई ।इस दौरान पी.सी. भालाधरे द्वारा पुलिस के परिपेक्ष्य में कविता पाठ किया गया वही नंदकिशोर भीमटे ने होली पर्व पर गीत की प्रस्तुति दी।

कार्यकारिणी में कई पदों पर हुई नियुक्ति

आयोजित बैठक के दौरान संघ की कार्यकारिणी समिति का गठन सर्वसहमति से किया गया।जिसमें प्रेमलाल शिववंशी उपाध्यक्ष के लगातार अस्वस्थ रहने के कारण उनके स्थान पर भजनलाल बिसेन को उपाध्यक्ष पद दिया गया वही कार्यकारिणी सदस्य पद पर प्रमोद शुक्ला एवं गोरेलाल बिसेन, का चयन किया गया।तहसील वारासिवनी के लिए तुलसीराम मिरचुले को अध्यक्ष पद पर एवं लांजी तहसील के लिए प्रीतम लाल सोनवाने को अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया, अनुमोदन हेतु प्रांतीय अध्यक्ष एवं संस्थापक को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारी रेंज उपाध्यक्ष नेमीचंद सोनेकर, मिडिया प्रभारी पी.सी. भालाधरे, सहसचिव भानुप्रताप उपाध्याय, कोषाध्यक्ष शंभुदयाल सविता, उपाध्यक्ष झनकराम मानेपुरे सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अज्ञात डंपर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत

बिजली विभाग में ठेका श्रमिक के तौर पर लाइन खींचने का काम करता था मृतक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में बढ़ते सड़क हादसे के बीच गुरूवार की देररात, ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ठाकुरटोला और मगरदर्रा के बीच तेज रफ्तार डंपर वाहन ने मोटर सायकिल चालक युवक को टक्कर मार दी। जिससे सिर पर गंभीर चोटें आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।मृतक का नाम थाना लामता ग्राम नरसिंघा निवासी 22वर्षीय उमेश पिता दीपचंद बोपचे बताया गया है।इसी बीच, रास्ते से गुजर रहे विधायक मधु भगत ने इसकी सूचना प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों को देते हुए टक्कर मारकर फरार हुए वाहन चालक पर कार्यवाही की बात कही। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जिसके शव का शुक्रवार की सुबह पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही इस पूरे मामले की जांच नवेगांव पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है

शादी में शामिल होने भरवेली जा रहा था उमेश

प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंघा निवासी उमेश, बिजली विभाग में ठेका श्रमिक के तौर पर सर्विस लाइन खींचने का काम करता था,बताया गया कि वह गुरुवार शाम शादी में जाने के लिए अपने घर से ग्राम भरवेली के लिए निकला था, जानकारी के मुताबिक जब वह मगरदर्रा के पास पहुंचा तभी एक अज्ञात डंपर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे अपनी चपेट में ले लिया और मौका स्थल से वाहन लेकर भाग गया। उधर अज्ञात डंपर की चपेट में आने से उमेश बोपचे की मौके पर मौत हो गई।इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया ,इसी बीच राह से गुजर रहे विधायक ने मधु भगत ने मामले की सूचना प्रशासन और पुलिस को देते हुए मामले में वैधानिक कार्रवाई किए जाने की निर्देश दिए।

पीएम के बाद सौपा गया शव, जाँच में जुटी पुलिस

उधर घटना के बाद मृतक के शव को जिला अस्पताल लाया गया।जहां रात्रि अधिक होने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका, जिसका पोस्टमार्टम शुक्रवार की सुबह अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर किया गया। वही शव अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

मामले में कार्यवाही होनी चाहिए- उपेंद्र

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मृतक उमेश के भाई उपेन्द्र बोपचे ने बताया कि उमेश, परिवार में मंझला भाई था। जिसके दो मासुम बच्चे है। एक 4 माह की बेटी है, वही 3 वर्ष का पुत्र है। जो रात में, भरवेली शादी में जा रहा था। इस दौरान ही उसके साथ यह घटना हो गई। फिलहाल, घटना के बाद से परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है, वहीं गांव में युवक की मौत से मातम का माहौल है।

मामले की जाच जारी है- कानतोड़े

वही मामले को लेकर की गई औपचरिक चर्चा के दौरान ग्रामीण थाना एसआई प्रभुदयाल कानतोड़े ने बताया कि वाहन की अभी पहचान नहीं हो सकी है, युवक के बारे में प्रारंभिक जानकारी में पता चला है कि युवक मजदूरी का काम करता था। युवक के शव को बरामद कर पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गोदरी

जनपद पंचायत किरनापुर, तह. किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.)

बाजार नीलामी सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गोदरी अंतर्गत लगने वाले साप्ताहिक बैठकी बाजार, मवेशी पंजीयन, कांजी हाउस की नीलामी ठेका वर्ष 2026-2027 अर्थात् 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक के लिए दिनांक 16/03/2026 दिन सोमवार को ग्राम पंचायत भवन गोदरी मे समय दोपहर 1 बजे से किया जाएगा। बोलीदार सुबह 11 बजे से 1 बजे तक ही अमानत राशि जमा कर सकते हैं। बाजार नीलामी की कार्यवाही म प्र पंचायती राज एवं स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 80 के अधीन रहते ठेका नीलामी किया जाएगा। वही नीलामी संबंधी शर्तें एवं अन्य जानकारी ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर देखी जा सकती हैं।

तनुजा गढ़पाले सरपंच | **भिकूराम मात्रे** उपसरपंच | **बलराम कावरे** सचिव

पंकज पाचे- सहायक सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत गोदरी किरनापुर

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में इथेनो बॉटनी विषय पर व्याख्यान माला आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में 10 मार्च 2026 को इथेनो बॉटनी के अंतर्गत औषधीय पौधों के उपयोग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने की तथा आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. स्वाति खोब्रागड़े भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सतीश चिले, पूर्व प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय सिवनी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं वंदन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. हरिशंकर यादव ने विषय की भूमिका प्रस्तुत करते हुए औषधीय पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. सतीश चिले ने इथेनो बॉटनी की अवधारणा, महत्व और इसके वैज्ञानिक अध्ययन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इथेनो बॉटनी मानव समाज और पौधों के बीच संबंधों का अध्ययन है, जिसके माध्यम से जनजातीय समुदायों द्वारा पौधों के उपयोग, औषधीय महत्व और पारंपरिक ज्ञान को समझा जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि कई आधुनिक दवाएं पौधों से प्राप्त होती हैं और जैव विविधता के संरक्षण में इथेनो बॉटनी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. तिलोत्तमा घोरमारे ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय पर जोर दिया। कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. हरिशंकर यादव, डॉ. रामपति सागर, डॉ. रामबहोर साकेत, डॉ. राहुल सूर्यवंशी, डॉ. जितेंद्र नागपुर और डॉ. बसंत कुमार मार्को सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रामपति सागर ने आभार व्यक्त किया।

जंगल की आग ने ली रौद्र रूप, गोदरी में तीन मकान का जला सामन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम गोदरी में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक लगी आग ने एक ही परिवार के तीन मकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते तीनों मकान और उनमे रखा सामान जलने लगे और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार हट्टा निवासी कैलाश खरे का मकान ग्राम गोदरी में जंगल से सटे इलाके में स्थित है। परिजनों और ग्रामीणों के मुताबिक गर्मी के मौसम में जंगल में बांस के आपस में टकराने से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। यही आग धीरे-धीरे फैलते हुए कैलाश खरे के मकान तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि 13 मार्च की दोपहर करीब 3 बजे के आसपास आग की लपटों ने कैलाश खरे और उनके परिजनों के तीनों मकानों को घेर लिया। जैसे ही ग्रामीणों को आग लगने की जानकारी मिली, मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में तीनों मकानों में रखा गृहस्थी का सामान भी जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलने पर बालाघाट से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों व परिजनों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार आगजनी की इस घटना में तीनों मकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया है। पीडित कैलाश खरे ने प्रशासन से घटना की जांच कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा

जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट(म प्र)

क्र./ दिनाक 12/03/2026

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा मे वित्तीय वर्ष 2026 -27 मे सांसद /विधायक निधि ,गौण खनिज, वीबी जी राम जी , मनरेगा, 5वा वित्त आयोग ,15वा वित्त आयोग ,14वा वित्त आयोग , सर्व शिक्षा ,स्वच्छ भारत मिशन,पर फारमेंस ग्रांट,करारोपण,जनपद स्तर/जिला स्तर व अन्य मदो से विभिन्न कार्य किया जाना है। जिसके लिए सामग्री लोहा, रेत ,सीमेंट,ईट, 20mm 40mm गिट्टी, गिट्टा,मुरुम,मिटटी,परिवहन,रेत,PVC पाइप,सीमेंट पाइप,सेंटिग,पालीथीन,तार,कील,बोल्डर,मिक्सर मशीन, वायबरेटर, रोलर,नल सामग्री ,सीट,टाइल्स विघुत पोल वायरिंग , पेन्ट , स्टेशनरी , फोटोकापी ,जलपान प्रबंध , फ्लेक्स ,डेकोरेशन आदि हेतु दिनाक 13/03/2026 से 20 /03 /2026 तक बंद लिफाफे मे निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक ठेकेदार कार्यालयीन समय मे आकर कार्यालय मे निविदा जमा कर सकते है। निविदा के संबंध मे विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

श्री राधेश्याम मते सरपंच | **श्री संतोष बिसेन** उपसरपंच | **श्रीमती साधना नगपुरे** सचिव

श्री संतोष बंबूरे- रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा

जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट(म प्र)

क्र./ दिनाक 12/03/2026

नीलामी सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा की स्थावर संपत्ति साप्ताहिक बैठकी बाजार मवेशी पंजीयन नीलामी वर्ष 2026-27 के लिए व पलास बगीचा लगाने हेतु (आगामी पाँच वर्ष के लिये) नीलामी दिनाक 23 /03/2026 दिन सोमवार को समय प्रात: 11:00 बजे से ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा मे निर्धारित शर्तों के आधार पर किया जाएगा । नीलामी की शर्ते कार्यालीन समय मे देखी जा सकती है । ठेके लेने वाले ईच्छुक ठेकेदार नीलामी समय पर उपस्थित होकर व निर्धारित अमानत राशि जमा कर बोली बोल सकते है। किन्ही कारणवश नीलामी स्थगित होने पर आगामी तिथि की सूचना ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर चस्पा कर / मुनादी कर की जावेगी । नीलामी के संबंध मे अंतिम निर्णय पंचायत का होगा।

आवश्यक शर्ते -

1. बोलीकर्ता द्वारा बोली पूर्व जमा की गयी अमानत राशि बोली समाप्ति के पश्चात तक बोलीकर्ता को वापस नहीं की जावेगी ।
2. बोलीकर्ता को पंचायत द्वारा निर्धारित प्रारूप मे आवेदन , बोली लगाने के पूर्व फोटो परिचय पत्र , आधार कार्ड ,मोबाईल नंबर वोटर आई डी कार्ड के स्व प्रमाणित छायाप्रति जमा करना अनिवार्य है ।

श्री राधेश्याम मते सरपंच | **श्री संतोष बिसेन** उपसरपंच | **श्रीमती साधना नगपुरे** सचिव

श्री संतोष बंबूरे- रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा बालाघाट

न्यायालय तहसीलदार तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र....../ड-154/वर्ष 2025-26
साकिन किरनापुर प.ह.न. 55
रा.नि.म. किरनापुर तहसील किरनापुर

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक संतोष पिता शिवलाल जाति कहार निवासी किरनापुर तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. के द्वारा अपने मां भागाबाई पति शिवलाल की मृत्यु दिनांक 29/04/2016 को हुई, किन्तु जन्म/मृत्यु पंजीयन कार्यालय किरनापुर में जानकारी के अभाव में दर्ज नही कराये जाने के कारण जन्म/मृत्यु के 1 वर्ष के पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति मिलने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 27/03/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थिति होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

तहसीलदार किरनापुर

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

आज आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत, 20 न्यायिक खंडपीठों का गठन

राजीनामा योग्य मामलों के आपसी समझौते से होंगे निराकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च 2026 (शनिवार) को जिला न्यायालय बालाघाट सहित जिले के समस्त तहसील न्यायालयों, श्रम न्यायालय, कुटुम्ब न्यायालय एवं अन्य न्यायालयों में किया जाएगा। यह आयोजन माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इसके लिए पूरे जिले में 20 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पक्षकारों से अपील की गई है कि वे अपने राजीनामा योग्य लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझौते के आधार पर कराएं। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित आपराधिक, विद्युत, चेक बाउंस (डिसऑनर), दीवानी, वैवाहिक एवं अन्य शमनीय मामलों के साथ ही बैंक रिकवरी, श्रम, दूरसंचार, राजस्व, जलकर, संपत्ति कर आदि प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का भी सुलह और समझौते के माध्यम से निराकरण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत में पहुंचकर अपने मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान कराएं।

16 से 18 मार्च के बीच आंधी-तूफान और हल्की बारिश की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पांच दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 16 से 18 मार्च 2026 के दौरान मौसम में बदलाव की संभावना है। इस अवधि में आंधी-तूफान के साथ हल्की वर्षा होने के आसार जताए गए हैं।

जिला कृषि मौसम इकाई के वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र अगासे ने बताया कि 16 से 18 मार्च की अवधि में जिले में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय हवा में आर्द्रता लगभग 60 से 65 प्रतिशत तथा दोपहर में 29 से 30 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में हवा की गति लगभग 2 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है, जो उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर बह सकती है। कृषि मौसम इकाई ने किसानों को मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाने की सलाह दी है।

कभी सद्दाम, कभी मनीष तो कभी अनिल बनकर रहा अलग-अलग राज्यों में, आरोपी पर था 10 हजार का इनाम

12 साल से फरार वारंटी गिरफ्तार, पहचान छिपाने को बदला नाम और धर्म

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले 12 वर्षों से फरार था और अपनी पहचान छिपाने के लिए लगातार नाम और धर्म बदलकर अलग-अलग राज्यों में रह रहा था। जानकारी के अनुसार आरोपी माननीय हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना कर पुलिस से बचने के लिए छत्तीसगढ़, केरल, बिहार और दिल्ली सहित कई राज्यों में फरारी काट रहा था। इस दौरान वह कभी सद्दाम, कभी मनीष और कभी अनिल नाम से रहकर अपनी पहचान छिपाने का प्रयास करता रहा। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस की पांच विशेष टीमों का गठन किया गया था, जिन्होंने अलग-अलग राज्यों में लगातार तलाश अभियान चलाया। आरोपी की तलाश में पुलिस टीमों ने करीब 5 हजार किलोमीटर से अधिक का सफर तय किया। लंबे प्रयासों के बाद पुलिस को सफलता मिली और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

जिले में लंबे समय से फरार चल रहे एक शातिर वारंटी को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले करीब 12 वर्षों से फरार था और पुलिस से बचने के लिए अलग-अलग राज्यों में अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। 13 मार्च को स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश पर लंबे समय से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श कांत शुक्ला और उनके मार्गदर्शन में कुल पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने तकनीकी विश्लेषण और लगातार प्रयासों के आधार पर अलग-अलग राज्यों में आरोपी की तलाश की। अंतत: पुलिस को आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली। गिरफ्तार आरोपी का वास्तविक नाम अनिल पिता धनराज डहारे है, जो ग्राम डोगरगांव थाना बहेला का निवासी है। आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2011 में थाना बहेला में नकली बंदूक दिखाकर मोबाइल फोन और नगदी लूटने का मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा एक अन्य प्रकरण में आरोपी पर हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज था, जिसमें न्यायालय द्वारा उसे सात वर्ष के कारावास की सजा भी सुनाई गई थी। हालांकि बाद में माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के तहत वर्ष 2015 से उसे न्यायालय में पेशी के लिए उपस्थित होना था, लेकिन वह लगातार अनुपस्थित रहा और फरार हो गया। इसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने अपना नाम और धर्म तक बदल लिया था तथा अलग-अलग राज्यों में रहकर अपनी पहचान छिपाने का प्रयास कर रहा था। लंबे समय तक फरार रहने के बावजूद पुलिस की लगातार निगरानी और तकनीकी जांच के चलते आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पहचान छिपाने के लिए बदला नाम-धर्म

करीब 12 वर्षों से फरार चल रहे शातिर वारंटी ने पुलिस से बचने के लिए कई बार अपनी पहचान बदली और अलग-अलग राज्यों में ठिकाना बनाकर रह रहा था। फरारी के दौरान आरोपी अपने गृह ग्राम डोगरगांव से पूरी तरह गायब हो गया था। उसके माता-पिता, भाई-भाभी सहित अन्य परिजनों को भी लंबे समय तक उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश में करीब 40 से अधिक परिचितों, दोस्तों और रिश्तेदारों से पूछताछ की। इस दौरान मिली जानकारी के आधार पर पता चला कि वह केरल के कोझीकोड क्षेत्र में कहीं मजदूरी कर रहा है। इसके बाद पुलिस टीम वहां पहुंची और पुराने फोटो के आधार पर उसकी तलाश शुरू की। साथ में काम करने वाले मजदूरों से पूछताछ करने पर पता चला कि वह व्यक्ति मनीष नाम से काम करता था और खुद को छत्तीसगढ़ का निवासी बताता था। कुछ मजदूरों ने यह भी बताया कि वह कभी-कभी खुद को बिहार के मधुबनी का रहने वाला बताता था।

बिहार में बदला धर्म और कर ली शादी

जांच के दौरान पुलिस टीम बिहार के मधुबनी पहुंची, जहां करीब सात दिनों तक लगातार पूछताछ और तलाश की गई। यहां पता चला कि आरोपी ने अपनी पहचान बदलकर मो. सद्दाम हुसैन नाम रख लिया था और स्थानीय एक मुस्लिम युवती से विवाह भी कर लिया था। ससुराल पक्ष से मिली जानकारी में सामने आया कि वह दिल्ली में काम करने की बात कहकर वहां चला गया था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और पूछताछ के आधार पर एक टीम को दिल्ली रवाना किया।

दिल्ली में ठेकेदारी करने लगा था आरोपी

पुलिस टीम को तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ से जानकारी मिली कि आरोपी दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर क्षेत्र में कहीं काम कर रहा है। कई लोगों से पूछताछ और फोटो दिखाने पर पुष्टि हुई कि वह व्यक्ति दिल्ली विकास प्राधिकरण में ठेकेदारी का काम कर रहा है। जब वहां के प्रबंधक से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यह व्यक्ति अनिल डहारे नहीं बल्कि सद्दाम हुसैन नाम से अपने परिवार के साथ वहीं रह रहा है।

ग्रामीणों और फरियादी ने की पहचान

पुलिस द्वारा आरोपी को हिरासत में लेने के बाद उसकी पहचान की पुष्टि के लिए ग्रामवासियों, परिजनों और लूट के मामले के फरियादी पुरन टांडेकर को बुलाया गया। सभी ने आरोपी की पहचान अनिल पिता धनराज डहारे के रूप में ही की । इसके बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी।

नोटिस को लेकर दो सगे भाई के परिवार के बीच हुई मारपीट

दोनों पक्ष के आठ लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पारिवारिक विवाद के चलते दो पक्ष आपस में भी ? गए और की गई मारपीट में दोनों पक्ष के चार लोग चोटिल हो गए। ग्राम खैरलांजी में यह घटना दो भाई के परिवार के बीच में हुई। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्ष के आठ लोगों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम घोटी निवासी सोहनलाल लिल्हारे और मोहनलाल लिल्हारे दोनों सगे भाई है और खेती मजदूरी करते हैं पिछले दो माह से सोहनलाल ग्राम खैरलांजी में अपनी अकसास यशोदा दमाहे अपने परिवार के साथ रह कर हमाली के काम कर रहा है। बताया गया है कि दोनों भाई के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा है और इस विवाद के चलते सोहनलाल ने एक नोटिस अपने भाई मोहनलाल को भिजवाया था। 12 मार्च सुबह को यह नोटिस मोहनलाल लिल्हारे को मिला था। मोहनलाल लिल्हारे अपनी पत्नी प्रियंका लिल्हारे और साली सुरेखा कसरे के साथ नोटिस को लेकर अपने भाई सोहनलाल के घर खैरलांजी आया और भाई सोहनलाल के कमरे के सामने जाकर उसने पूछा कि यह नोटिस किसका है। सोहनलाल ने उसे बोला कि नोटिस में क्या है उसमें लिखा है। 16 मार्च को तहसील में आना सब पता चल जाएगा। इसी बात को लेकर सोहनलाल और मोहनलाल और उनके परिवार एक दूसरे को गालियां देते हुए आपस मे भिड़ गए और मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस घटना में मोहनलाल लिल्हारे, उसकी पत्नी प्रियंका लिल्हारे, ममता लिल्हारे और यशोदा दमाहे को चोटे आई। दोनों पक्ष में इस घटना की रिपोर्ट खैरलांजी पुलिस थाना में की थी। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में मोहनलाल पिता छल्ली राम लिल्हारे 39वर्ष ग्राम घोटी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर सोहनलाल लिल्हारे, ममता लिल्हारे, जीतू दमाहे चित्रसिंह दमाहे और यशोदा दमाहे, और सोहनलाल पिता छलीराम लिल्हारे 35 वर्ष ग्राम खैरलांजी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर मोहनलाल लिल्हारे प्रियंका लिल्हारे ग्राम घोटी और सुरेखा कंसरे ग्राम डोंगरिया निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की सम्बन्धित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। आगे जांच की जा रही है।

विभिन्न शिक्षक संगठनों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को दिया ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों द्वारा एक बार फिर शिक्षकों की पात्रता परीक्षा लिए जाने के विरोध में आवाज उठाई गई है। इस संबंध में शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर परीक्षा से जुड़े आदेशों पर पुनर्विचार करने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने मांग की है कि पात्रता परीक्षा से संबंधित जारी आदेशों के खिलाफ न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर की जाए, ताकि शिक्षकों से दोबारा पात्रता परीक्षा नहीं ली जाए। शिक्षकों का कहना है कि वर्षों से सेवाएं दे रहे शिक्षकों से पुन: परीक्षा लेना उचित नहीं है। इससे शिक्षकों को व्यावहारिक और मानसिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षक संगठनों ने उम्मीद जताई है कि शासन इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए निर्णय पर पुनर्विचार करेगा और शिक्षकों को राहत प्रदान करेगा।

माध्यमिक और प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की पात्रता परीक्षा कराए जाने संबंधी आदेश को लेकर शिक्षकों में नाराजगी देखने को मिल रही है। हाल ही में लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा शिक्षा विभाग को एक पत्र जारी किया गया है, जिसमें न्यायालय के निर्देश के अनुसार माध्यमिक एवं प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की पात्रता परीक्षा आयोजित करने की बात कही गई है। यह आदेश प्रदेश के सभी जिलों में जारी होते ही शिक्षकों में असंतोष बढ़ गया है। इसी मुद्दे को लेकर 13 मार्च को विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षक कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ और शासकीय शिक्षक संगठन सहित कई शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि और कर्मचारी मौजूद रहे। ज्ञापन में शिक्षकों ने मांग करी कि वर्षों से विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों की पात्रता परीक्षा लेना उचित नहीं है। उनका कहना है कि जो शिक्षक लंबे समय से विद्यार्थियों को पढ़ा रहे हैं, उनसे दोबारा पात्रता परीक्षा लेने का निर्णय गलत है और इससे शिक्षकों का मनोबल भी प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में शिक्षक संगठन के पदाधिकारी अशोक बिसेन और रितेश गेडाम ने कहा कि विभाग द्वारा पात्रता परीक्षा कराने के आदेश जारी होते ही शिक्षकों में इसका व्यापक विरोध शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि कई शिक्षक पिछले 25 से 30 वर्षों से विभाग में सेवाएं दे रहे हैं और अब उनकी योग्यता सिद्ध करने के लिए परीक्षा लेने की बात कही जा रही है, जो कि पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय के आदेश के बाद सरकार को पुन: याचिका दायर कर मामले में राहत लेने का प्रयास करना चाहिए था, लेकिन ऐसा करने के बजाय सीधे आदेश को विभाग में लागू कर दिया गया, जिससे शिक्षकों में असंतोष बढ़ गया है। शिक्षक नेताओं का कहना है कि इस निर्णय से शिक्षक मानसिक और व्यावहारिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जो शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं और उनकी परीक्षाएं लेते हैं, उन्हीं शिक्षकों की परीक्षा लेना कितना उचित है, इस पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि इस आदेश को वापस नहीं लिया गया तो आने वाले समय में वे अलग-अलग चरणों में विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे और अपनी मांगों को लेकर आंदोलन भी करेंगे।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा ने दिया धरना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ओबीसी की जाति आधारित जनगणना कराने, एससी, एसटी और ओबीसी के समर्थन में सख्त यूजीसी कानून लागु करने ,चुनाव ईवीएम से ना कराते हुए बैलेट पेपर से कराने और 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त करने सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा द्वारा राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन की शुरूआत की गई है। जिसके प्रथम चरण में शुक्रवार 6 मार्च को दोनो ही संगठन से जुड़े पदाधिकारियो ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुचकर सँयुक्त रूप से एक ज्ञापन सौंपा था। जिंसमे उन्होंने उक्त सभी मांगो को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई थी।तो वही चरणबद्ध आंदोलन के दूसरे चरण के तहत उन्होंने आज शुक्रवार 13 मार्च को नगर के अंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर मांगो को लेकर जमकर नारेबाजी की।जिन्होंने इस पर भी मांग पूरी ना होने पर आंदोलन के तीसरे चरण 23 मार्च को राष्ट्रव्यापी रैली निकालकर ज्ञापन सौपने, और उसपर भी मांग पूरी ना होंने पर चौथे चरण के तहत 23 अप्रैल को भारत बंद आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

तो 23 अप्रैल को करेंगे भारत बंद आंदोलन- ठवकर

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रदेश महासचिव रामदास ठवकर ने बताया कि संगठनो ने संयुक्त रूप से 6 मार्च से अपनी मांगो के समर्थन में राष्ट्रव्यापी आंदोलन का शंखनाद किया था। देश की भाजपा सरकार जनगणना में जाति आधारित जनगणना नहीं कर रही है, जिसमें ओबीसी की जाति आधारित जनगणना ना कराकर, भाजपा सरकार, ओबीसी के साथ धोखाध ?ी कर रही है। उन्होंने बताया कि जनगणना के कॉलम में ओबीसी जाति आधारित जनगणना का कालम नहीं है, जिससे देश में ओबीसी की संख्या कितनी है, यह पता नहीं चल पाएगा। जबकि सरकार को चाहिए कि वह ओबीसी की जाति आधारित जनगणना कराए, ताकि देश में निवासरत ओबीसी की वास्तविक संख्या, जनगणना से साफ हो सके। उन्होंने बताया इसके अलावा संगठनो की मांग है कि एससी, एसटी और ओबीसी के समर्थन में सरकार यूजीसी बिल लागु करें और 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षको को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त किया जाए ।वही ईवीएम से चुनाव ना कराते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाए सहित अन्य मांगों को पूरी किए जाने की गुहार लगाई ।उन्होंने बताया कि चरणबद्ध आंदोलन के तहत 6 मार्च को देश के सभी जिला मुख्यालयो में अपनी मांगो को लेकर संगठन कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा था। जिसके बाद आज 13 मार्च को मुख्यालयो में धरना प्रदर्शन किया गया है आंदोलन के तीसरे चरण में, 23 मार्च को रैली निकालकर आंदोलन किया जाएगा ।उसपर भी यदि मांग पूरी नही कि जाति तो फिर 23 अप्रैल को भारत बंद आंदोलन किया जाएगा।

नाबालिक लड़की का अपहरण और दुष्कर्म के मामले में दीपक को 20 वर्ष की सश्रम कारावास -5 हजार रुपये अर्थदंड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत ने नाबालिक लड़की का अपहरण और दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। विद्वान अदालत में आरोपी दीपक पिता झामसिंह मरकाम 22 वर्ष ग्राम गोंनाझोला पुलिस चौकी डोरा थाना रूपझर निवासी को 20 वर्ष की सश्रम कारावास के अलावा 5000 रुपये अर्थदंड से भी दंडित किये है। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी जिला अभियोजन अधिकारी कपिल कुमार डहेरिया के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजक आरती कपले द्वारा की गई थी।

अभियोजन के अनुसार यह नाबालिक लड़की हट्टा थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने परिवार के साथ रह रही थी। 8 अप्रैल 2023 को 11 बजे यह लड़की कपड़े की दुकान में काम करने जा रही हूं कहकर घर से निकली थी। किंतु वह शाम तक वापस नहीं लौटी पड़ोस और रिश्तेदारी में पता करने पर भी इस लड़की का पता नहीं चला ।16 अप्रैल 2023 को हट्टा थाने में इस नाबालिक लड़की के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। 10 मई 2023 को यह लड़की ग्राम गोनाझोला से दस्तयाब की गई थी। पूछताछ में इस लड़की ने बताई की वह दीपक मरकाम को एक वर्ष से पहचानती थी और वह उससे शादी करना चाहता था। 4 अप्रैल 2023 को वह कपड़ा दुकान जा रही हूं कहकर निकली थी। वह बस से बालाघाट आई और बालाघाट से बस में चिखलाझोड़ी के पास ग्राम उमरिया पहुंची। जहां दीपक मछली पालन तालाब में चौकीदारी करता था। वहा से दीपक ने उसे नागपुर मानेवाड़ा लेकर गया जहां बिल्डिंग बनाने का काम चल रहा था। वे लोग मजदूरी करने लगे थे। 13 अप्रैल 2023 को नागपुर के अंबेझरी स्थित शिव मंदिर में दोनों ने शादी किये। इसके बाद दीपक ने उसे पत्नी बनाकर रखा था। 9 मई 2023 को दीपक उसे गोनाझोला लेकर गया किंतु उसके माता-पिता ने दोनों को रखने से मना कर दिए। 10 मई 2023 को हट्टा पुलिस उसे लेकर थाना ले गई। इस मामले में दीपक के विरुद्ध हट्टा पुलिस थाने में धारा 363 66 376 376 (2)एन भादवि और धारा 5 (एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत अपराध दर्ज किया गया था इस अपराध में दीपक को गिरफ्तार किया गया और विवेचना अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किया गया था। हाल ही में यह मामला लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत में चला। विद्वान अदालत में अभियोजन पक्ष आरोपी दीपक के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। जिसके परिणाम स्वरुप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए, आरोपी दीपक मरकाम को धारा 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 और धारा 376 (2)एन भादवि के तहत आरोपित अपराध में दोषी पाकर उसे 20 वर्ष की सश्रम कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदंड से दण्डित किये।

सर्वर नही चलने से खाद के लिए परेशान हो रहे किसान

4 दिनों से ठप है ई-टोकन प्रक्रिया, रबी सीजन की फसलों पर संकट

किसानों ने सर्वर की समस्या दुर करने, सोसायटी व गोदाम में निःशुल्क ई-टोकन की व्यवस्था करने की प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शासन के द्वारा खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था वर्तमान में किसानों के लिए जी का जंजाल बन गई है। लालबर्रा क्षेत्र में पिछले 4 से 5 दिनों से ई-टोकन पोर्टल का सर्वर ठप होने के कारण क्षेत्र के किसानों को पर्चियां नही मिल पा रहा है जिससे खाद के लिए परेशान हो पड़ रहा है। जिससे वे सहकारी समितियों और गोदामों के चक्कर काटने को मजबूर है। साथ ही यह ई-टोकन व्यवस्था की प्रक्रिया से भी कई किसान परेशान है क्योंकि पूर्व में मुखिया के नाम दर्ज रकबे (पावती) के आधार पर खाद मिल जाती थी, लेकिन अब परिवार के सदस्यों की संख्या के आधार पर खाद की लिमिट तय कर दी गई है। कम जमीन वाले बड़े परिवारों के लिए यह व्यवस्था मुसीबत बन गई है। साथ ही ई-टोकन के लिए ओटीपी अनिवार्य है। क्षेत्र के कई बुजुर्ग और गरीब किसानों के पास न तो मोबाइल है और न ही उन्हें तकनीक का ज्ञान है। ऐसे में वे खाद पाने से वंचित हो रहे हैं। इस तरह से ई-टोकन व्यवस्था किसानों की सुविधा के लिए प्रारंभ की गई है किन्तु सर्वर नही चलने। साथ ही परिवार सदस्यों की संख्या आधार पर खाद की लिमिट तय कर देने के कारण किसान परेशान है। साथ ही ऑनलाईन सेंटर से किसानों को ई-टोकन की पर्ची भी लेनी पड़ रही है जिसके लिए उन्हे 20 से 30 रूपये जेब से खर्च करना पड़ रहा है, जो किसानों पर आर्थिक बोझ है। साथ ही सर्वर नही चलने से अधिक समय लगने से उनका समय भी खराब हो रहा है। जिससे किसान परेशान है और यह व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रही है।

सर्वर की बाधा और रबी सीजन का दबाव

आपकों बता दे कि खाद की कालाबाजारी को रोकने एवं किसानों को समय पर खाद उपलब्ध करवाने की मंशा से ई-टोकन व्यवस्था प्रारंभ की गई है ताकि किसानों को सेवा सहकारी समितियों एवं खाद गोदामों से खाद आसानी से मिल सके। लेकिन इस ई-टोकन प्रक्रिया में गत दिवस से सर्वर बाधा बन रहा है, जिसके कारण समय पर ई-टोकन की पर्चियां नही मिलने से विगत 4 से 5 दिनों से क्षेत्र के किसान खासा परेशान है। जिससे किसानों को इस भीषण गर्मी में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लालबर्रा क्षेत्र में सेवा सहकारी समिति व खाद गोदामों से किसानों को ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से खाद वितरण किया जा रहा है परन्तु गत 4 से 5 दिनों से ई-टोकन पोर्टल नही चलने के कारण पर्चिया नही मिल पा रहा है। जबकि वर्तमान में किसानों ने रबी सीजन में धान सहित अन्य फसले लगाये है उसमें डीएपी, यूरिया सहित अन्य खाद डालना अति आवश्यक है। लेकिन सर्वर की समस्या के चलते ई-टोकन नहीं कट रहे हैं, जिससे वितरण प्रणाली पूरी तरह ठप हो गई है। किसानों का कहना है कि यदि समय पर खाद नहीं मिली, तो फसल की पैदावार पर सीधा असर पड़ेगा। वहीं लालबर्रा क्षेत्र के सेवा सहकारी समितियों और खाद गोदामों में सुबह से ही किसानों की भीड़ देखी जा रही हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। पीड़ित किसानों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि सर्वर की तकनीकी खराबी को तत्काल दुरूस्त करें, ई-टोकन प्रक्रिया को सरल बनाया जाये ताकि बिना मोबाइल वाले किसान भी खाद पा सके। साथ ही सेवा सहकारी समिति व गोदामों में निःशुल्क ई-टोकन की व्यवस्था करने की मांग प्रशासन से की है।

ई-टोकन प्रक्रिया किसानों ने लिए बना मुसीबत - सिलेकर

किसान डीपी सिलेकर ने बताया कि सरकार के द्वारा खाद वितरण को लेकर ई-टोकन की व्यवस्था तो अच्छी की गई है परंतु उसका क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। जिससे किसान बहुत परेशान है क्योंकि वर्तमान में किसानों के खेतों में फसल लगी हुई है उसमें खाद की अत्यंत आवश्यकता है किन्तु गत दिवस से ई-टोकन का पोर्टल सर्वर के कारण चल नही पा रहा है। जिसके कारण किसानों को खाद नही मिल रहा है जिससे किसान परेशान है। समय पर खाद नही डालेगें तो फसल पर असर पड़ेगा इस तरह से ई-टोकन प्रक्रिया किसानों ने लिए मुसीबत बन गया है। श्री सिलेकर ने बताया कि टोकन कटवाने के लिए किसानों को ऑनलाइन सेंटर में जाना पड़ रहा है जहां 25 से 50 रूपये देना पड़ रहा है। जबकि शासन को सुविधा सोसायटी व गोदाम में निःशुल्क करनी चाहिए ताकि उसी स्थान पर उन्हे ई-टोकन मिल सके और वे आसानी से खाद ले सके। सरकार से मांग है कि किसानों को बेहतर व्यवस्था प्रदान करें।

सर्वर की समस्या को दुर करे प्रशासन - दिनेश

दिनेश मरार ने बताया कि खाद के लिए किसानों को पहले ऑनलाईन सेंटर से ई-टोकन कटवाकर पर्ची लेनी पड़ती है लेकिन 4-5 दिनों से ई-टोकन पोर्टल का सर्वर नही चलने के कारण पर्चिया नही मिल पा रहा है जिसके कारण खाद भी नही मिल रहा है जिससे किसान परेशान है। जबकि वर्तमान समय में जिन किसानों के पास सिंचाई का साधन है उन्होने धान की फसल लगाये है। जिसमें खाद डालना अतिआवश्यक है किन्तु समय पर खाद नही मिलने से उन्हे परेशानी हो रही है। श्री मरार ने बताया कि सर्वर की जो समस्या बनी हुई है उसे प्रशासन दुरूस्त करें या फिर पुरानी पध्दति से ही खाद का वितरण करें।

इनका कहना है-

ई-टोकन पोर्टल का सर्वर गत 4 दिनों से बहुत धीमी गति से चल रहा था जिसके कारण ई-टोकन की पर्चियां नही निकल रही थी एवं हमें खाद वितरण करने में परेशानी हो रही थी। शाम के बाद से सर्वर चालू हो गया है, अब किसानों को उनके टोकन के आधार पर खाद का वितरण किया जायेगा।

लक्ष्मण हरिनखेड़े
गोदाम प्रभारी
लालबर्रा।

किसान 28 मार्च तक समितियों में जमा करें ऋण - लिल्हारे

बैठक में समितियों को शत-प्रतिशत ऋण वसूली करने के दिये निर्देश, डिफाल्टर किसानों से घर-घर संपर्क करेंगे कर्मचारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट की लालबर्रा शाखा के अंतर्गत आने वाली सभी नौ समितियों के प्रबंधकों और कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक गत दिवस संपन्न हुई। शाखा प्रबंधक, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित लक्ष्यों की

समिति-वार समीक्षा की गई। बैठक में बैंक द्वारा दिये गये वसूली लक्ष्य, ऋण वितरण और बचत अमानत जमा के लक्ष्यों की बारीकी से समीक्षा की गई। साथ ही सभी शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आगामी 28 मार्च तक सभी समितियां अपने निर्धारित लक्ष्यों ऋण वसूली को शत-प्रतिशत पूरा करने कहा गया है। चर्चा में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि नौ समितियों के प्रबंधक एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर किसानों से ऋण जमा करवाने सहित अन्य आवश्यक जानकारियां दी गई है और इस बैठक में विशेष रूप से चालू ऋण और डिफाल्टर ऋणों की वसूली पर जोर दिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि वसूली अभियान को गति देने के लिए अब बैंक और समिति के कर्मचारी ऋण लेने वाले किसानों और डिफाल्टर सदस्यों के घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। इसके साथ ही शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालिक ऋण वितरण और अमानत संग्रहण (डिपोजिट कलेक्शन) बढ़ाने के भी निर्देश दिये गये हैं।

श्री लिल्हारे ने बताया कि किसानों को खेती-किसानी में सुगमता हेतु विभिन्न यंत्रों के लिए ऋण प्रकरण तैयार किये जायेगें। जिसमें थ्रेशर ?, नागर और धान काटने की मशीन, परहा लगाने की मशीन, ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्यूबवेल खनन, कुआं पंप ऋण, मत्स्य पालन ऋण और पशुपालक कार्यशील पूंजी ऋण के संबंध में विचार विमर्श किया गया। साथ ही सेवा सहकारी समिति लालबर्रा, घोटी, मिरेगांव, साल्हे ला., मोहगांव ध., नेवरगांव ला., जाम, सिहोरा एवं कंजई के समस्त चालू एवं डिफाल्टर ऋणी किसानों से अपील की गई है कि वे अपनी कर्ज (ऋण) की राशि 28 मार्च से पूर्व समिति में जमा करवा दे। साथ ही समय पर भुगतान करने वाले किसान शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज योजना का लाभ उठा सकेगें। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक राजेश दुबे, पर्यवेक्षक डी.के. लिल्हारे, एच.डी. बोपचे, प्रबंधक एच.सी. बसेने, आर.एल.एडे, एम.आर. गोन्दुडे, गोपाल लानगे, सुभाष बोपचे, बी.सी. कटरे, नन्दकिशोर दशरीये, शिवकुमार गौतम, जितेन्द्र देशमुख, बी.एल. नगपुरे, नुपेंद्र राहंगडाले, मुकेश कटरे, सुरेश दशरिये, सतीश साहू, गणेश लांजेवार सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गर्रा शास. माध्य. स्कूल के 4 बच्चों का राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति के लिए हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय मींस-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएस) के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला गर्रा, संकुल/जन शिक्षा केंद्र कनकी, विकासखंड लालबर्रा के चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में अथर्व मेश्राम/तेजूलाल मेश्राम), रुद्र पंचेश्वर/दिनेश पंचेश्वर, अंतरिक्ष चिखलोंडे/राजेन्द्र चिखलोंडे एवं शिवांश राहंगडाले/शिवदयाल राहंगडाले शामिल है। वहीं राष्ट्रीय मींस-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत कक्षा 8 वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों का चयन रा'य स्तर पर आयोजित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। इस परीक्षा में मानसिक योग्यता परीक्षा (एमएटी) एवं शैक्षिक योग्यता परीक्षा (एसएटी) आयोजित की जाती है। वहीं प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार कर पात्र विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। साथ ही इस योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9 वीं से कक्षा 12 वीं तक पढ़ाई करने पर प्रतिवर्ष 12,000 रूपये (प्रति माह 1,000 रूपये) की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जिससे वे अपनी शिक्षा से संबंधित आवश्यकताओं जैसे पुस्तकें, अध्ययन सामग्री एवं अन्य शैक्षणिक खर्च पूरे कर सकें।

यह राशि विद्यार्थियों के बैंक खाते में सीधे जमा की जाती है। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है। इसी तरह शासकीय माध्यमिक स्कूल गर्रा के चार बच्चों का राष्ट्रीय मींस-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना के तहत चयन हुआ है जिन्हे कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक पढ़ाई करने पर प्रतिवर्ष 12 हजार रूपये की छात्रवृत्ति मिलेगी। स्कूल के प्रधानपाठक ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, ग्राम गर्रा के सरपंच महोदय वैभवसिंह बिसेन के सतत प्रोत्साहन एवं अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। ग्राम सरपंच गर्रा सरपंच वैभवसिंह बिसेन एवं संस्था प्रमुख श्रीमती लता छत्री सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। साथ ही स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने चयनित विद्यार्थियों पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर परिश्रम कर सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे तथा विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेंगे।

सांदीपनी विद्यालय में उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य जारी

मार्च के अंतिम सप्ताह में घोषित होगा कक्षा 9 वीं और 11 वीं का परीक्षा परिणाम, शिक्षा विभाग ने पूरी की तैयारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार प्रदेश भर के साथ-साथ लालबर्रा विकासखंड में भी शासकीय हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में गत दिवस से कक्षा 9 वीं और 11 वीं की वार्षिक परीक्षाएं जारी है। वहीं परीक्षाओं के साथ-साथ समय पर परिणाम घोषित करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा मूल्यांकन कार्य भी युध्द स्तर पर प्रारंभ कर दिया गया है। इसी क्रम में नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) को मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है, जहां अन्य विकासखंडों से प्राप्त उत्तरपुस्तिकाओं की जांच का कार्य शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।

परीक्षा के साथ-साथ चल रही जांच

लालबर्रा विकासखंड के विभिन्न शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में लोक शिक्षण संचालनालय से जारी टाइम-टेबल के अनुसार प्रतिदिन निर्धारित समय सारणी के अनुसार परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। वहीं परीक्षा संपन्न होने के तुरंत बाद संबंधित केंद्राध्यक्षों द्वारा उत्तरपुस्तिकाओं को सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में जमा करवाया जाता है। यहां से इन उत्तरपुस्तिकाओं को गोपनीयता बनाये रखने हेतु अन्य विकासखंडों में मूल्यांकन के लिए भेज दिया जाता है। साथ ही दूसरे क्षेत्रों की कापियां सांदीपनी स्कूल में जांची जा रही है यानि की मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। इस तरह से परीक्षा के साथ-साथ उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य जारी है। वहीं शिक्षा विभाग ने इस वर्ष परीक्षा परिणामों को लेकर विशेष तत्परता दिखाई है। शिक्षा विभाग की योजना है कि मार्च माह के अंतिम सप्ताह तक कक्षा 9 वीं और कक्षा 11 वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जायेगा ताकि आगामी शिक्षण सत्र की तैयारी समय पर शुरू हो सके। जिस तरह माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा कक्षा 10 वीं, 12 वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जाता है, उसी तरह एमएस पोर्टल के माध्यम से कक्षा 9 वीं, 11 वीं की वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया जायेगा। वहीं सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) में मूल्यांकन कार्य युध्द स्तर पर किया जा रहा है। साथ ही परिणामों की डेटा एंट्री और अन्य तकनीकी तैयारियां भी जारी है। सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा के मूल्यांकन प्रभारी श्रीमती नेहा वाजपेयी ने बताया कि गत दिवस से कक्षा 9 वीं, 11 वीं की वार्षिक परीक्षा जारी है और विकासखण्ड में परीक्षा संपन्न होने के बाद सभी केन्द्राध्यक्ष उत्तरपुस्तिका जमा करते है जिसके बाद अन्य विद्यालय में मूल्यांकन के लिए गोपनीयता के साथ भेज दिया जाता है। सांदीपनी स्कूल में दुसरे विद्यालय की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य जारी है। साथ ही परीक्षाएं भी जारी है और वार्षिक परीक्षा का परिणाम मार्च के अंतिम सप्ताह में घोषित कर दिया जायेगा।

सावधान ! शादी-समारोह में बिजली चोरी पर होगी जेल, विभाग ने जारी किए कड़े निर्देश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आगामी विवाह-मांगलिक सीजन को देखते हुए मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली चोरी रोकने के लिए कमर कस ली है। कनिष्ठ अभियंता (जेई) वितरण केंद्र लालबर्रा द्वारा क्षेत्र के डेकोरेशन संचालकों और आयोजकों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। अब शादी-विवाह, धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बिना अस्थाई (टीसी) कनेक्शन के बिजली का उपयोग करना भारी पड़ सकता है। अगर जिस परिवार में वैवाहिक, धार्मिक एवं अन्य कार्यक्रम है तो पहले उन्हे विद्युत विभाग से या डेकोरेशन संचालकों को टीसी कनेक्शन लेना पड़ेगा तभी वे विद्युत का उपयोग कर सकते है। अगर इस नियम का पालन नही करते है तो विद्युत विभाग के द्वारा धारा 135 के तहत कानूनी कार्यवाही उनके विरूध्द की जायेगी। वहीं विद्युत विभाग के द्वारा जारी किये गये पत्र व कड़े निर्देश से सभी लोग हैरान है और जागरूक नागरिकों का कहना है कि एक साधारण किसान अपने परिवार की शादी या छोटे धार्मिक कार्यक्रम के लिए यदि 3-4 घंटे के लिए बिजली का उपयोग करता है, तो उसे टी.सी. कनेक्शन की जटिल प्रक्रिया में उलझाना न्यायसंगत नहीं है। किसान व मध्यम वर्ग पहले ही आर्थिक तंगी और प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। ऐसे में विभाग द्वारा शादी-विवाह जैसे मांगलिक अवसरों पर कानूनी कार्यवाही और धारा 135 का डर दिखाना सीधे तौर पर आम आदमी का मानसिक और आर्थिक शोषण है, जो गलत है। सामाजिक और धार्मिक आयोजनों के लिए बिजली संबंधी नियमों को सरल बनाये जाने की मांग प्रशासन से की है।

सामग्री होगी जब्त, घरेलू बिल में जुड़ेगा जुर्माना

विद्युत विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजनों के दौरान बिना वैध कनेक्शन लिए सीधे लाइनों से बिजली का उपयोग किया जाता है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच के दौरान कोई भी आयोजन बिना अस्थाई कनेक्शन के पाया गया,

तो संबंधित व्यक्ति के विरूध्द विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत कठोर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। साथ ही आयोजन स्थल पर उपयोग की जा रही समस्त सामग्री और उपकरण (जैसे लाइट, डेकोरेशन का सामान आदि) जब्त कर लिये जायेगें। बिजली चोरी की अनुमानित राशि और जुर्माना सीधे उपभोक्ता के घरेलू बिजली बिल में जोड़ दिया जायेगा। साथ ही वि-मित्र एप या विजलेंस टीम एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित छापेमारी की जायेगी।

सुरक्षा के मद्देनजर विशेष सावधानियां

विद्युत विभाग ने पत्र के माध्यम से बिजली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स भी जारी किये है। जिसमें हाईटेंशन या विद्युत लाइनों के ठीक नीचे या पास में टेंट, पंडाल और डेकोरेशन न लगाये। अस्थाई कनेक्शन लेने के बाद लाइन जोड़ने या काटने का काम स्वयं न करें, यह कार्य अधिकृत लाइनमैन से ही करवाये, पंडालों में कटी-फटी या पुरानी वायरिंग का उपयोग न करें। किसी भी अनहोनी या शॉर्ट सर्किट की स्थिति में आयोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

नियमों का पालन नही करने पर होगी कार्यवाही - सरफराज

विद्युत विभाग लालबर्रा के कनिष्ठ यंत्री सरफराज कुरैशी ने बताया कि वैवाहिक व धार्मिक कार्यक्रमों में डेकोरेशन संचालक व आयोजन लोग विद्युत पोल से कनेक्शन ले लेते है और कुछ घटना घटित होने पर विद्युत विभाग पर आरोप लगाया जाता है इसलिए क्षेत्र के सभी नागरिकों व डेकोरेशन संचालकों से अपील की है कि वे किसी भी सार्वजनिक या निजी कार्यक्रम से पूर्व कार्यालय में नियमानुसार आवेदन देकर अस्थाई कनेक्शन प्राप्त करें। इससे न केवल वे कानूनी कार्यवाही से बचेगें, बल्कि किसी भी प्रकार की अप्रिय विद्युत दुर्घटना को भी टाला जा सकेगा। श्री कुरैशी ने बताया कि जो नियम बनाये गये है उसका पालन नही करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

आस-पास की खबरें

मातृशक्ति मंच का महिला होली मिलन समारोह संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश स्कूल में मातृशक्ति मंच के तत्वाधान में महिला होली मिलन समारोह एवं आनंद मेले का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मातृशक्ति मंच के सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। जिसमें आनंद मेले के तहत विभिन्न प्रकार के पकवानों की दुकान ग्रहणियों के द्वारा लगाई गई। वहीं

उपस्थित महिलाओं के मध्य विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिता जैसे नींबू चम्मच दौड़, प्रश्नोत्तरी, पहेली सहित अन्य खेल प्रतियोगिता कराई गई। तो वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत, नृत्य प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें एकल और सामूहिक रूप से महिलाओं के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान समस्त प्रतिभागियों को आयोजन समिति के द्वारा पुरस्कार वितरण कर सम्मानित भी किया जाता रहा। श्रीमती निर्मला पटले ने बताया कि बीते कई वर्षों से हमारे मातृशक्ति मंच के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी यह हर्ष उल्लास के साथ आयोजित किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में नगर सहित क्षेत्र की महिलाएं उपस्थित हुई है। इनके मध्य खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं जिसमें उपस्थित महिलाओं के द्वारा बढ़.चढ़कर भाग लेकर मनमोहक प्रस्तुति भी दी जा रही है। यह कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य रहता है कि महिलाएं जो अपने घरों में ग्रहणी के कार्यों में व्यस्त रहती है, वह कहीं बाहर नहीं निकाल पाती है और अपने लिए समय नहीं निकाल पाती है। ऐसे में इस प्रकार के आयोजन कर महिलाओं को हर्ष और उल्लास का समय प्रदान किया जाता है जहां महिलाएं विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर आनंद लेती है और उन्हें घर से बाहर निकलने का एक अवसर मिलता है। उसी के साथ सभी का आपस में परिचय भी बढ़ता है। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, श्रीमती निर्मला पटले ,श्रीमती श्रीति पालेवाल ,श्रीमती ममता बंसोड़ ,श्रीमती प्रमिला पटले, श्रीमती किरण पटले , श्रीमती अनुजा श्रीवास्तव, श्रीमती सीमा पारधी ,श्रीमती मीनाक्षी ठाकरे ,डॉ भारती सुराना ,डॉक्टर स्मिता ताथोड़ ,डॉक्टर जयश्री अरोरा ,श्रीमती किरण चौधरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

मिर्चीटोला में वन्य प्राणियों के तांडव से अन्नदाता पस्त

किसानो ने विभाग से लगाई मुआवजे और सुरक्षा की गुहार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम झालीवाड़ा के मिर्चीटोला में इन दिनों किसानो को दोहरी मार झेलने मजबूर हैं। एक ओर प्रकृति की अनिश्चितता है तो दूसरी ओर वन्य प्राणियों की सक्रियता ने किसानों की रातों की नींद उड़ा दी है। खेतों में तैयार खड़ी फसलों को जंगली जानवरों के द्वारा लगातार नुकसान पहुँचाया जा रहा है। जिससे क्षेत्र के किसानों में भारी हताशा और आक्रोश व्याप्त है। पिछले कुछ समय से जंगली सूअर, हिरण और अन्य वन्य जीवों के झुंड रात के अंधेरे में खेतों में घुस रहे हैं। किसानों ने कर्ज लेकर और दिन रात एक कर जो फसलें तैयार की थीं। उन्हें ये जानवर ना केवल खा रहे हैं, बल्कि पैरों तले रौंदकर पूरी तरह बर्बाद कर रहे हैं। फसलें बर्बाद होने से किसानों के सामने खाद.बीज का कर्ज चुकाने का संकट खड़ा हो गया है। तो वहीं रात के समय खेतों की रखवाली करना अब जानलेवा साबित हो रहा है। क्योंकि हिंसक जानवरों की मौजूदगी का डर बना रहता है। किसानों का आरोप है कि वन विभाग को सूचित करने के बावजूद अब तक सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। किसानों ने शासन प्रशासन से प्रभावित किसानों के खेतों का सर्वे कर उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता देने खेतों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग की व्यवस्था करने की मांग की है।

बड़ रही दुर्घटना हो रही किसानों को क्षति

झालीवाड़ा के मिर्चीटोला में बीते समय से हिंसक वन्य प्राणी जंगली सूअर की पैठ बनी हुई है। जहां पर लगातार दुर्घटनाएं घटित होती जा रही है खेतों में जाने वाली महिला एवं पुरुषों को दुर्घटना का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि वर्तमान तक बड़ी दुर्घटना नहीं हुई है परंतु लोगों को चोटिल होना पड़ रहा है तो वहीं किसानों की फसल भी बड़ी संख्या में बर्बाद हो रही है। इस दौरान देखने में भी आया है कि कुछ किसानों की फसल अंकुरित होते ही बर्बाद हो गई तो वहीं हरी भरी फसल आने पर उसे खा लिया गया। जिससे खेत में कुछ हिस्से में फसल ही नहीं हैं।

गांव में जंगली सूअर के आने की यह दूसरी घटना है-मनोज बोपचे

किसान मनोज बोपचे ने बताया कि वन्य प्राणी ने हमारा गेहूं खा गए सरसों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। जंगली सूअर हमारे यहां घर तक आ रही है जिसे ग्रामीणों की मदद से ग्राम के अंदर से खदेड़ा जाता है। यह इधर उधर घूमते रहते हैं ग्राम में भी घुसते हैं हमारे घर में जंगली सूअर के आने की यह दूसरी घटना है। बस्ती के दोनों तरफ खेत लगे हुए हैं इसलिए यहां से आना जाना करते हैं यह फसल खाते हैं नुकसान तो हमें होता है। फॉरेस्ट विभाग हमें मुआवजा भी नहीं दे रहा है अभी जो गेहूं लगाए हैं उसे भी खा गए फसल ही हमें नहीं हो पाई है।

हिरण फसलों खाती है जंगली सूअर खोदती है जान का भी डर बना है- ज्ञानचंद बिसेन

किसान ज्ञानचंद बिसेन ने बताया कि मैंने तीन से चार बार फॉरेस्ट विभाग को शिकायत की है वह ध्यान नहीं दे रहे हैं। हमारे यहां खरीफ की फसल निकलते ही रबी में गेहूं चना सरसों लगा दिया जाता है। इसमें हिरण फसलों को खाती है जंगली सूअर खाती कम खोदती 'यादा है उसमें जान का भी डर हमें लगा रहता है। गांव के कई लोगों को घायल की हैं अभी कुछ दिन पहले ही एक घटना हुई थी घटना के बाद अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। रात जागने में अब परेशानी हो रही है कब क्या होगा इसकी कोई सोच नहीं सकता है। खेती की यह स्थिति है कि किसान अब हताश हो गए हैं हम चाहते हैं कि वन्य प्राणी जो फसल खाते हैं उसका मुआवजा मिले या फेंसिंग कर दी जायें। ताकि जंगली जानवरों से फसल का बचाव किया जा सके।

हिरण कोठरी जंगली सूअर और नीलगाय खेतों में आ रही है- सुरेश बोपचे

किसान सुरेश बोपचे ने बताया कि हिरण कोठरी जंगली सूअर और नीलगाय खेतों में आ रही है। यह अकेली नहीं झुंड में आते हैं और पूरे खेतों में दौड़ते हैं फसल को यह रौंदकर नुकसान तो पहुंचा ही रहे हैं और फसलों को खा भी रहे हैं। जगह जगह जंगली सूअर फसलों को खोद देती है उखाड़ देता है पौधे भी टूट जाते हैं पूरी तरह नुकसान है। एक से दो बार यदि पौधों को खा लेते हैं तो वह पौधा ग्रोथ नहीं करता है। पिछले बार से इतनी समस्या नहीं थी परंतु इस वर्ष बहुत ज्यादा समस्या देखने को मिल रही है। यह जानकारी हमने विभाग को भी दी है पर अभी तक कुछ हो नहीं पाया हैं।

दूल्हे की अनियंत्रित कार की चपेट में आए तीन युवक,तीनो गंभीर

रफ्तार के कहर से घायल तीनों युवक जिला चिकित्सालय रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी लालबर्रा मार्ग स्थित ग्राम नेवरगांव वां के नंगाटोला में 13 मार्च की शाम उस समय रफ्तार का कर देखने मिला। जब दूल्हे की बारात ले जा रही कार अनियंत्रित होकर तीन युवकों को अपनी चपेट में लेकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद मौके पर चीक पुकार मच गई जहां ग्रामीणों के द्वारा एकत्रित होकर

घायल इंद्रपाल मर्सकोले ,हिमांशु मर्सकोले ,प्रवीण मर्सकोले को सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां तीनों युवकों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया हैं।

नयाटोला के कावरे परिवार से निकली थी बारात

प्राप्त जानकारी के अनुसार नंगाटोला नेवरगांव वां में प्रतिदिन की तरह ग्रामीण पूरे दिन अपने कार्यों में व्यस्त होने के बाद शाम को ग्राम में आकर अपने भाई मित्रों के साथ व्यस्त थे। ऐसे ही गांव के चौक में नवजीत मर्सकोले की किराना दुकान के सामने ग्राम पंचायत की सीमेंट कुर्सी लगी हुई है। जिस पर इंद्रपाल पिता दयालसिंह मर्सकोले उम्र 24 वर्ष, हिमांशु पिता थानसिंह मर्सकोले उम्र 23 वर्ष ,प्रवीण पिता यूमानसिंह मर्सकोले उम्र 26 वर्ष तीनों निवासी नंगाटोला अपने एक अन्य साथी के साथ बैठकर चर्चा कर रहे थे। तभी लालबर्रा की तरफ से एक अनियंत्रित कार तेज रफ्तार से उनके तरफ आई और टक्कर मार दी। जिसमें उक्त तीनों व्यक्ति मौके पर गंभीर रूप से घायल हो गए तो वहीं एक अन्य व्यक्ति समय रहते हटने से दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गया। घटना के बाद दूल्हे का वाहन रुकते ही अंदर से ड्राइवर दूल्हा और अन्य बाराती निकल कर फरार हो गए। यह दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि ग्राम पंचायत की सीमेंट कुर्ची बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर टूट गई। तो वहीं उक्त घायलों पर हाथ कंधे की हड्डी टूट गई है तो वहीं एक व्यक्ति के सर में गंभीर चोट आई है। यह घटना देख आसपास के लोग दौड़े और उनके द्वारा वाहन को पीछे कर घायल व्यक्तियों को बाहर निकाला गया। तत्काल उन्हें सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां डॉक्टर सत्यम शर्मा के द्वारा तीनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय संजीवनी 108 पायलट इस्माइल खान की मदद से भेज दिया गया। इसमें बताया जा रहा है कि नयाटोला निवासी राजेंद्र कावरे के परिवार में विवाह कार्यक्रम था जिनके घर की बारात में दूल्हे के वाहन से यह दुर्घटना घटित हुई है।

मेरी दुकान के सामने हुई दुर्घटना- नवजीत मर्सकोले

प्रत्यक्षदर्शी नवजीत मार्सकोले ने बताया कि नयाटोला में विवाह कार्यक्रम था जहां की बारात बालाघाट बघोली जाना था। उक्त वाहन लालबर्रा की तरफ से अनियंत्रित रूप से आया और मेरी किराना दुकान के सामने सीमेंट कुर्सी और उसमें बैठे युवकों को जबरदस्त टक्कर मार दिया। यदि वह कुर्सी नहीं होती तो वाहन सीधे मेरी दुकान के अंदर घुस जाता मैं दुकान के अंदर सामान दे रहा था तभी यह घटना हुई। इस दुर्घटना के बाद गाड़ी चालक और दूल्हा मौके से फरार हो गए कुर्सी पर बैठे तीनो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इन्हे अस्पताल में लाया गया है जिन्हें गंभीर चोटे आई है।

लोधी समाज की आवश्यक बैठक 15 मार्च को

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। 20 मार्च 2026 को महान् विरांगना लोधी रानी अवंतीबाई का बलिदान दिवस मनाया जाना है। जिस पर बैठक आयोजित कर विचार विमर्श एवं बलिदान दिवस की तैयारी के लिए लोधी समाज के द्वारा बैठक का आयोजन 15 मार्च दिन रविवार की दोपहर 2 बजे लोधी महासभा वारासिवनी के ब्लॉक उपाध्यक्ष अजीत नगपुरे के निज निवास वार्ड नं.15 सिविल लाईन वारासिवनी में रखी गई है। जिसमें वारासिवनी में निवासरत सभी लोधी समाज के गणमान्य लोग एवं अधिकारी कर्मचारीयों उक्त बैठक में उपस्थित होकर 20 मार्च को महान् विरांगना लोधी रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

महिलाओं के सम्मान और गरिमा को बचाने में महिला जनप्रतिनिधि विफल

सार्वजनिक शौचालय विहीन खैरलांजी मुख्यालय के चौक चौराहा और ग्रामीण क्षेत्र

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। महिला सशक्तिकरण का नारा देने वाली महिला जनप्रतिनिधियों में ग्राम सरपंच,जनपद सदस्य ,जिला पंचायत सदस्य और सांसद के द्वारा सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण ना करा पाना महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा पर सवाल उठाती है। मुख्यालय सहित क्षेत्र में विडंबना यह है कि महिला जनप्रतिनिधियों के होते हुए भी सार्वजनिक शौचालय की मांग के लिए आम महिलाओं को खुद संघर्ष करना पड़ रहा है। जबकि एक खास ओहदे पर होते हुए महिला जनप्रतिनिधि आम महिलाओं के दुख दर्द को समझकर उनके मान सम्मान के लिए जमीनी स्तर पर प्रयासरत रहती। लेकिन महिला जनप्रतिनिधियों की सार्वजनिक शौचालय निर्माण में मौन रहने या सक्रिय ना होने के पीछे कौन सी जटिल या राजनीतिक कारण है वह अब तक समझ से परे है। कई मामलो में महिला जनप्रतिनिधि तो चुन ली जाती है,लेकिन सत्ता और फैसले लेने की शक्ति उनके पुरुष रिश्तेदार, पति,भाई, बेटा सहित अन्य करीबी के हाथों में होती है। जो जनसमस्याओं के बजाय अन्य कार्यो पर ध्यान केंद्रित करते है। महिला जनप्रतिनिधियों का निर्वाचित होना सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम है, लेकिन जब तक वे जमीनी स्तर पर महिलाओ की सुरक्षा और स्व' छता से जुड़े मुद्दे जैसे सार्वजनिक शौचालयों को प्राथमिकता में नही लाती है तब तक महिला सशक्तिकरण का नारा अधूरा माना जाता है। गौरतलब है कि तहसील मुख्यालय के प्रमुख चार चौराहों पर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण नही होने से ग्रामीण महिलाओ में बहुत आक्रोश है। रामपायली से मोवाड मुख्य सड़क मार्ग के अलावा खैरलांजी तहसील में आंबेडकर चौक, अवंतीबाई चौक सालेटेका रोड़,बस स्टैंड ,पुरानी पुलिस चौकी और गांधी चौक सहित ऐसे और भी स्थान है जंहा सार्वजनिक शौचालयों की नितांत आवश्यकता है। इन स्थानों में कई महिलाओं के द्वारा दुकान संचालित की जा रही है,कुछ महिलाओं के द्वारा बस के लिए लंबा इंतजार किया जा रहा तो कुछ कॉलेज और स्कूली छात्राएं इन सार्वजनिक स्थानो पर रुककर अपने गंतव्य स्थान के लिए खड़ी रहती है। लेकिन इन सभी स्थानों पर सार्वजनिक शौचालय के नहीं होने से उन्हें किसी खुले स्थान का मजबूरन चुनाव करना पड़ता है जो बहुत शर्मसार कर देने वाला वाक्या है।

भीड़ वाले ईलाको में बुनियादी स्वच्छता सुविधाएं नदारद

कई बार सार्वजनिक शौचालय सिर्फकागजों तक सीमित रह जाते है। जबकि मुख्य आवासीय और भीड़भाड़ वाले ईलाकों में बुनियादी स्वच्छता सुविधाएं मौजूद नही है। शौचालय नही होने या गंदे होने के कारण महिलाओं के स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। साथ ही असुरक्षित शौचालय यौन उत्पीड़न के डर को भी बढ़ाते है। खैरलांजी तहसील मुख्यालय के अलावा अन्य और भी प्रमुख गांव है जंहा से बस लेकर या बस से उतरकर यात्री और अन्य अपने गांव की ओर आना जाना करते है। कई बार खरीदारी या अन्य शासकीय कामों के लिए भी मुख्यालय आना पड़ता है।

तहसील कार्यालय के शौचालय में बीते कई दिनों से लटका है ताला

शासकीय कार्यों से आने वाली महिलाओं को तब और मुसीबत हो जाती है जब उस शासकीय कार्यालय के शौचालय में ताला लगाकर रखा गया है। जिसके वास्तविकता की जानकारी प्रत्यक्षदर्शियों से ली जा सकती है। जबकि तहसील की प्रमुख तहसीलदार भी एक महिला अधिकारी है जो महिलाओं की समस्या को भलीभांति समझ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उंचे पदों में नियुक्त महिलाओं को हमेशा उनके कार्यो के लिए सराहा जाता है और वह भी महिला दिवस पर बड़े.बड़े दावे और वादे करते हुए सोशल साइट्स पर देखी जा सकती है। लेकिन केवल दिखावा करने से नहीं बल्कि जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से ही समाज और राष्ट्र सेवा होगी।

भौरगढ़ ग्राम के जागरुक युवाओं की सार्वजनिक शौचालय के लिए किये थे हड़ताल

सार्वजनिक शौचालय विहीन ग्राम पंचायत की स्थिति के लिए पता नहीं कौन कौन जिम्मेदार है। लेकिन यह जरुर है कि नेताओं की आपसी खींचतान के चलते जनता की फजीहत हो रही है। भौरगढ़ ग्राम पंचायत में बहुत पुराना और जर्जर सार्वजनिक शौचालय था जो अब अतिक्रमण की चपेट में आ चुका है। जिसको लेकर लगभग एक सप्ताह तक भौरगढ़ के ग्रामीण जागरुक युवाओं ने अन्य मांगो के अलावा सार्वजनिक शौचालय निर्माण की भी मांग अनिश्चितकालीन हड़ताल कर शासन प्रशासन से की थी। महिला सशक्तिकरण के दावे और वादों के साथ चुनावी समर में विजेता रही महिला जनप्रतिनिधि अपने वादो को लेकर और महिलाओ की गंभीर समस्याओं पर काम करने के लिए कितनी जिम्मेदारी के साथ आगे आई है वह पारदर्शी रुप से दिखाई दे रहा है। ग्रामीण भारत में स्व' छता के लिए महिलाओं के द्वारा निभाई जा रही भूमिका की झलक पेश करती है कि कैसे सार्वजनिक स्थान शौचालय विहीन है।

भारत सरकार का सबसे महत्वपूर्ण कदम स्वच्छ भारत मिशन, सार्वजनिक शौचालय के कारण अधूरा

महिलाएं लंबे समय से उचित स्वच्छता सुविधाओं की कमी से प्रभावित हो रही है। सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा,गोपनीयता और सम्मान महिलाओं के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौती रही है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए स्व' छ भारत मिशन ने महिलाओं के अनुकूल शौचालय बनाने पर जोर दिया है। उसी तरह सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाना भी महिलाओं के लिए न्यायसंगत है और भविष्य के लिए बड़ी छलांग है। लेकिन महिला जनप्रतिनिधि भी इस ज्वलंत समस्या को समाप्त करने नाकाम और विफल साबित हो रही है। ग्रामीण महिलाओं ने सार्वजनिक शौचालय के लिए उचित स्थानों का चयन कर निर्माण करवाने की मांग की है।

भारत बनेगा विश्व गुरु-राकेश बनोटे

वीरांगना रानी अवंती बाई महाविद्यालय में मनाया गया सेवा दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत वीरांगना रानी अवंती बाई महाविद्यालय खैरलाँजी के द्वारा सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का आयोजन ग्राम घुबडगोंदी में किया गया। शिविर में महाविद्यालय के छात्र.छात्राओं द्वारा डिजिटल इंडिया राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में ग्राम में रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व जनपद अध्यक्ष राकेश बनोटे के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है और छात्र छात्राओं को डिजिटल इंडिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही स्कूल के प्राचार्य सत्यवान बघेल,डॉ एस के अब्दुल समीम,कार्यक्रम के प्रभारी रोहित कुमार पांडे, वीरेंद्र कुमार पटले, श्रीमती शालिनी मेश्राम,विक्रांत रंधावा, कुमारी शिखा डहरवाल, सुनील तिवारी सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

एलपीजी की जगह चूल्हा एक सस्ता विकल्प

ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच फारस की खाड़ी में गंभीर तनाव और संघर्ष जारी है, जो 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ईरान द्वारा समर्थित गुटों ने अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल टैंकरों पर हमले किए हैं, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट खड़ा हो गया है। युद्ध की स्थिति का सीधा असर होटल मालिकों पर पड़ने वाला है। संभावना है कि कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने पर होटल को जल्द ही बंद करना पड़ सकता है। कमर्शियल सिलेंडर की कमी पूरे देश में एलपीजी का संकट है एलपीजी सप्लाई में रुकावट का असर अब इंडिया इंक पर भी पड़ रहा है, कुछ कंपनियों ने कुकिंग गैस की कमी के कारण कैफेटेरिया और फूड सर्विस पर असर पड़ने की वजह से ऑपरेशनल दिक्कतों की रिपोर्ट दी है। साथ ही, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों में कमर्शियल एलपीजी सप्लाई में रुकावट की खबरें आई हैं, रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को सिलेंडर खरीदने में मुश्किल हो रही है और कुछ मामलों में मेन्यू कम कर दिए गए हैं या ऑपरेशन कम कर दिए गए हैं। कई राज्यों में पुलिस ने भी एलपीजी सप्लाई को लेकर अफवाहों के बीच मॉनिटरिंग बढ़ा दी है, और गलत जानकारी, जमाखोरी और सिलेंडर की चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि, सरकार का कहना है कि पूरे देश में एलपीजी का कोई संकट नहीं है और सप्लाई को स्थिर करने के लिए रिफाइनरी का आउटपुट लगभग 10त्न बढ़ा दिया गया है। एलपीजी सप्लाई, सरकार की प्रतिक्रिया और भारतीय शहरों की स्थिति पर लेटेस्ट अपडेट के लिए इस लाइव ब्लॉग को फॉलो करें। एलपीजी सप्लाई की कमी से पूरे भारत में होटल, रेस्टोरेंट पर असर है युद्ध के इस दौर में, गोबर से बनी बायोगैस या गोबर के उपले एलपीजी का एक आत्मनिर्भर और किफायती विकल्प प्रदान करते हैं।चूल्हा एक ऐसा उपकरण है जो स्थानीय ताप या खाना पकाने के लिए उपकरण के अंदर या ऊपर ऊष्मा उत्पन्न करता है। चूल्हे कई प्रकार के ईंधनों से चल सकते हैं, जैसे प्राकृतिक गैस, बिजली, गैसोलीन, लकड़ी और कोयला। चूल्हे के निर्माण के लिए सबसे आम सामग्री कच्चा लोहा, इस्पात और पत्थर हैं। चूल्हे और गोबर के उपले भारतीय ग्रामीण जीवन, संस्कृति और परंपरा के अभिन्न अंग हैं। मिट्टी के चूल्हे और गोबर के उपले न केवल सस्ते और आसानी से उपलब्ध ईंधन हैं, बल्कि आत्मीयता और पवित्रता का भाव भी रखते हैं। आत्मनिर्भरता, सादगी और पर्यावरण मित्रता के प्रतीक के रूप में ग्रामीण जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वास्थ्य पर प्रभाव- पुराने धुंआ उत्सर्जित करने वाले चूल्हे महिलाओं और बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं, इसलिए लोग अब धुआं रहित चूल्हों की ओर बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भरता की कहानी- कई परिवार बायोगैस के माध्यम से आत्मनिर्भर हो गए हैं, वे गोबर से 8-10 घंटे तक चूल्हे को जलाते हैं। चूल्हा और गोइठा का संबंध केवल भोजन पकाने से नहीं, बल्कि एक जीवनशैली से है जो हमें प्रकृति के करीब रखती है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत और सादगी का प्रतीक है, जिसे आज भी ग्रामीण भारत में संजोकर रखा गया है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला में आज भी लोग पुराने और पारंपरिक ईंधनों का उपयोग न सिर्फ अपने दैनिक जीवन में कर रहे हैं, बल्कि परंपराओं के अनुसार धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को भी पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं. होली के पर्व से पहले गांवों में घरों में पाले गए मवेशियों के गोबर से गोईठा बनाया जाता है.मान्यता है कि गोबर शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है।

अविश्वास प्रस्ताव की राजनीति एवं लोकतांत्रिक मूल्य

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है, जहां न केवल कानून बनते हैं बल्कि राष्ट्र की दिशा और दशा पर गंभीर विमर्श भी होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी भूमिका को लोकतांत्रिक तरीके से जिम्मेदारी, संयम और मर्यादा के साथ निभाएं, यह नितांत अपेक्षित है। किंतु हाल के दिनों में जिस तरह से लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव चर्चा में आया, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या विपक्ष वास्तव में संसदीय मर्यादाओं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर है या वह केवल स्वार्थ की राजनीतिक करने के लिए ऐसे कदम उठा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक गंभीर संसदीय कदम माना जाता है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं होता, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क, गंभीर आरोप और व्यापक समर्थन होना अपेक्षित होता है। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने यह प्रस्ताव लाया और बाद में उसकी गंभीरता का अभाव दिखाया, उसने इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया। जब यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हुआ तो विपक्ष ने मतदान की मांग तक नहीं की। यदि विपक्ष को अपने प्रस्ताव पर पूरा विश्वास होता और उसे लगता कि वह सदन का समर्थन प्राप्त कर सकता है, तो वह निश्चित रूप से मत विभाजन की मांग करता। लेकिन ऐसा न होना इस तथ्य को ही पुष्ट करता है कि विपक्ष स्वयं भी जानता था कि यह प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में नहीं है।

इससे भी अधिक आश्चर्यजनक स्थिति तब देखने को मिली जब प्रस्ताव पर चर्चा का अवसर आया तो विपक्ष ने स्वयं उस पर चर्चा करने के बजाय पश्चिम एशिया के संकट पर बहस की मांग शुरू कर दी। यह विषय निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, किंतु यदि विपक्ष ने स्वयं लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था तो उसे पहले उसी पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए थी। सरकार की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा से पीछे नहीं है, लेकिन संसद की कार्यवाही को नियमों और प्राथमिकताओं के अनुसार चलाना आवश्यक है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया कि विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस अपने ही प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं थी। इस अवसर पर ही नहीं, अनेक अवसरों पर उसने गैर-जिम्मेदारी एवं बचकानेपन का अहसास कराया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, उसकी गलतियों को उजागर करता है और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। किंतु जब विपक्ष केवल राजनीतिक आरोपों और शोर-शराबे तक सीमित रह जाए तो लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ने लगता है। यहां सत्ता-पक्ष के लिये भी यह गौर करने की बात है कि आखिर विपक्ष को ऐसा क्यों लग रहा है कि उसकी बातों को अनसुना किया जाता है? पक्ष एवं विपक्ष दोनों को ही विश्वास, समन्वय एवं सौहार्द बनाये रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा।

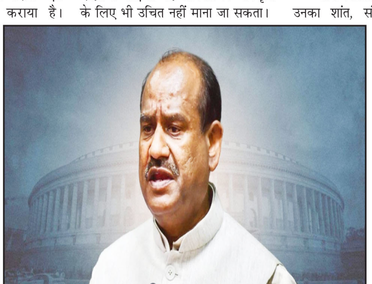

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का व्यवहार भी कई बार संसदीय मर्यादाओं के संदर्भ में चर्चा का विषय बना है। यह सच है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सरकार की आलोचना करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि संसदीय नियमों और परंपराओं को दरकिनार कर दिया जाए। संसद की कार्यवाही स्पष्ट नियमों और प्रक्रियाओं के अधीन चलती है और इन नियमों का पालन करना हर सांसद की जिम्मेदारी है। बीते कुछ समय से राहुल गांधी संसद के भीतर और बाहर यह आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के मामले में प्रधानमंत्री ने समर्पण कर दिया है। इस तरह के आरोपों को उन्होंने कई मंचों पर दोहराया है, किंतु इन दावों के समर्थन में ठोस तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए। इसी प्रकार उन्होंने चुनाव आयोग पर भी यह आरोप लगाया कि वह मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे आरोप लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाने वाले होते हैं और यदि इन्हें प्रमाणों के बिना बार-बार दोहराया जाए तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए भी उचित नहीं माना जा सकता।

इसी संदर्भ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में विस्तार से यह बताया कि लोकसभा अध्यक्ष पर बोलने का अवसर न देने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी ने स्वयं कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद के विभिन्न सत्रों के दौरान उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही है और कई बार महत्वपूर्ण बहसों के दौरान वे विदेश यात्राओं पर रहे। इन तथ्यों को सामने रखते हुए यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि संसद में सक्रिय भागीदारी ही कम होगी तो संसदीय विमर्श को प्रभावी कैसे बनाया जा सकेगा। जहां तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का प्रश्न है, उनका कार्यकाल कई दृष्टियों से उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने सदन की कार्यवाही को संतुलित, संयमित और नियमबद्ध ढंग से संचालित करने का प्रयास किया है। उनके नेतृत्व में संसद की कार्यवाही को अधिक उत्पादक बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए। उन्होंने सांसदों को समयबद्ध तरीके से बोलने का अवसर देने, युवा सांसदों को अधिक सक्रिय करने और संसदीय समितियों की भूमिका को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया।

ओम बिरला की एक बड़ी विशेषता उनका शांत, संयमित और संवादपरक स्वभाव है। वे अक्सर सभी दलों के नेताओं से संवाद स्थापित कर सदन को सुचारुरूप से चलाने की कोशिश करते हैं। कई बार जब सदन में तीखी बहस या हंगामे की स्थिति बनी, तब भी उन्होंने धैर्य और संतुलन के साथ कार्यवाही को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही कारण है कि उनके कार्यकाल को संसदीय परंपराओं के सम्मान और लोकतांत्रिक संतुलन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां लगभग डेढ़ अरब लोगों की आकांक्षाएं, विविधताएं और विचार संसद के माध्यम से अभिव्यक्ति पाते हैं। यह लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर संवाद, विमर्श और जवाबदेही की प्रक्रिया है। संसद इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का केंद्रीय मंच है। इसलिए यह अपेक्षा की जाती है कि वहां होने वाली बहसें गंभीर, तथ्यपूर्ण और मर्यादित हों।

दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद में हंगामे और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई बार महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतिगत मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय राजनीतिक टकराव का माहौल बन जाता है। इससे न केवल संसद की गरिमा प्रभावित होती है बल्कि जनता के मन में भी यह प्रश्न उठता है कि क्या उनके प्रतिनिधि वास्तव में राष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाया गया यह अविश्वास प्रस्ताव भी इसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण प्रतीत होता है। जब विपक्ष स्वयं अपने प्रस्ताव को गंभीरता से आगे नहीं बढ़ाता, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर प्रश्न खड़े करता है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, बल्कि वह आवश्यक भी है, लेकिन असहमति को जिम्मेदारी और तर्कसंगतता के साथ व्यक्त किया जाना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की यह जिम्मेदारी है कि वे संसद को टकराव का मंच बनाने के बजाय संवाद का मंच बनाएं। यदि संसद में गंभीर बहसें होंगी, तथ्यात्मक तर्क प्रस्तुत किए जाएंगे और नीतियों पर सार्थक चर्चा होगी, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। अन्यथा केवल राजनीतिक आरोपों और प्रतीकात्मक कदमों से लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को आघात पहुंच सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा जाए। लोकसभा अध्यक्ष को संसद की निष्पक्षता और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है और इस संस्था के प्रति अनावश्यक राजनीतिक टकराव लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके राजनीतिक दल कितनी परिपक्वता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। यदि विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता और रचनात्मकता के साथ निभाए और सत्ता पक्ष भी संवाद के लिए खुलेपन का परिचय दे, तो भारतीय लोकतंत्र न केवल मजबूत होगा बल्कि विश्व के सामने एक आदर्श भी प्रस्तुत करेगा। यही वह मार्ग है जो संसद की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित-तीनों की रक्षा कर सकता है।

- ललित गर्ग

संसद में हंगामा और वास्तविक मुद्दों से भटकती राजनीति

लोकतंत्र में संसद केवल बहस का मंच नहीं होती बल्कि वह देश की सामूहिक बुद्धि और जिम्मेदारी का प्रतीक भी होती है। यहा लिए गए निर्णय देश की दिशा तय करते हैं और यहां होने वाली चर्चाएं करोड़ों लोगों की उम्मीदों से जुड़ी होती हैं। इसलिए जब संसद में गंभीर विषयों पर विचार के बजाय लगातार हंगामा और टकराव देखने को मिलता है तो स्वाभाविक रूप से जनता के मन में निराशा पैदा होती है। हाल के दिनों में संसद के दोनों सदनों में जो स्थिति देखने को मिली उसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या राजनीतिक दल वास्तव में राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करना चाहते हैं या फिर संसद को केवल राजनीतिक रणनीति का मंच बना दिया गया है।

सोमवार को संसद के सत्र में अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष की मांग थी कि इस अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के असर पर संसद में विस्तृत चर्चा कराई जाए। यह मांग अपने आप में गलत नहीं कही जा सकती क्योंकि मध्य पूर्व की घटनाओं का असर भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ सकता है। भारत के लाखों नागरिक खाड़ी देशों में काम करते हैं और तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में इस विषय पर चर्चा की मांग को पूरी तरह असंगत नहीं कहा जा सकता। लेकिन जिस तरीके से विपक्ष ने इसे लेकर संसद की कार्यवाही बाधित की उसने इस मांग की गंभीरता पर ही सवाल खड़े कर दिए।

लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति ऐसी बन गई कि महज कुछ ही मिनटों में सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। बाद में जब विदेश मंत्री स्सुभरमन्यम जयशंकर ने इस मुद्दे पर सरकार का पक्ष रखने के लिए बयान देना शुरू किया तो भी विपक्ष ने विरोध जारी रखा। विपक्ष का कहना था कि मंत्री के बयान से पहले इस मुद्दे पर चर्चा कराई जानी चाहिए ताकि वे सरकार से सवाल पूछ सकें। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि पहले मंत्री का वक्तव्य सुना जाए और उसके बाद चर्चा हो सकती है। इस टकराव के बीच सदन की कार्यवाही कई बार बाधित हुई और अंततः पूरे दिन कोई सार्थक चर्चा नहीं हो सकी।

इस पूरे घटनाक्रम में एक और दिलचस्प पहलू सामने आया। विपक्ष ने पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। संसदीय परंपरा के अनुसार जब ऐसा प्रस्ताव आता है तो उसे सदन में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि उस पर चर्चा हो सके। लेकिन जब सभापति जगदम्बिका पाल ने विपक्ष से प्रस्ताव पेश करने के लिए कहा तो विपक्ष ने ऐसा करने से परहेज किया और हंगामा जारी रखा। इससे यह संदेश गया कि विपक्ष स्वयं अपने प्रस्ताव को लेकर स्पष्ट नहीं है और उसकी प्राथमिकता वास्तविक बहस से अधिक राजनीतिक दबाव बनाना है।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने भी इसी बात को उठाते हुए कहा कि विपक्ष खुद ही कंफ्यूज है कि वह करना क्या चाहता है। उनका तर्क था कि पहले स्पीकर के खिलाफ नोटिस दिया गया और फिर दूसरा मुद्दा उठाकर हंगामा किया जा रहा है। दूसरी ओर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मध्य पूर्व में तेजी से बदल रहे हालात का भारत पर असर पड़ रहा है इसलिए इस पर चर्चा जरूरी है। उनके अनुसार तेल की कीमतों में वृद्धि और खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा जैसे मुद्दे गंभीर हैं और सरकार को इस पर स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए।

दरअसल यह सच है कि अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का प्रभाव भारत पर पड़ सकता है। तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई पर असर पड़ता है और विदेशों में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण चिंता होती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अमेरिका और ईरान जैसे शक्तिशाली देशों के बीच चल रहे युद्ध को भारत अपने स्तर पर रोक नहीं सकता। भारत एक जिम्मेदार कूटनीतिक भूमिका जरूर निभा सकता है और शांति की अपील कर सकता है लेकिन किसी अंतरराष्ट्रीय युद्ध को रोक देना उसके हाथ में नहीं होता। ऐसे में इस विषय को लेकर संसद में लगातार हंगामा करना कहीं न कहीं राजनीतिक रणनीति अधिक और वास्तविक समाधान की कोशिश कम दिखाई देता है।

संसद का समय अत्यंत मूल्यवान होता है। सभापति ने यह भी याद दिलाया कि संसद के हर मिनट पर लाखों रुपये खर्च होते हैं और यह पैसा अंततः जनता का ही होता है। जब संसद का समय हंगामे में नष्ट होता है तो उसका नुकसान केवल सरकार या विपक्ष को नहीं बल्कि पूरे देश को होता है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनकर भेजती है ताकि वे उनकी समस्याओं को उठाएं और समाधान के लिए ठोस चर्चा करें। लेकिन जब बहस के बजाय शोर और टकराव हावी हो जाता है तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर होती है।

आज देश के सामने अनेक गंभीर मुद्दे हैं जिन पर संसद में सार्थक चर्चा की आवश्यकता है। बेरोजगारी आर्थिक असमानता महंगाई कृषि संकट और शिक्षा स्वास्थ्य जैसी समस्याएं सीधे आम नागरिक के जीवन को प्रभावित करती हैं। यदि विपक्ष इन मुद्दों को मजबूती से उठाए तो उसे जनता का व्यापक समर्थन मिल सकता है। इसी तरह सरकार की जिम्मेदारी भी है कि वह विपक्ष को चर्चा का पर्याप्त अवसर दे और लोकतांत्रिक संवाद की भावना को मजबूत करे।

लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि सत्ता और विपक्ष दोनों मिलकर राष्ट्रीय हित में काम करें। असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है लेकिन असहमति का अर्थ केवल विरोध करना नहीं बल्कि रचनात्मक बहस करना भी होता है। यदि संसद में हर मुद्दा केवल राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप और हंगामे का कारण बन जाएगा तो लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर संसद की गरिमा को प्राथमिकता दें। अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर चर्चा जरूर होनी चाहिए लेकिन वह चर्चा तथ्य और तर्क पर आधारित होनी चाहिए न कि केवल राजनीतिक प्रदर्शन के रूप में। जब संसद में गंभीर बहस होगी तभी जनता का विश्वास मजबूत होगा और लोकतंत्र की वास्तविक भावना भी कायम रहेगी।

- कांतिलाल मांडोत

तू अपनी खूबियां ढूंढ, कमियां निकालने,टांग खींचने के लिए लोग हैं

वैश्विक स्तरपर भारत के हमारे बड़े बुजुर्गों की जो कहावतें हैं, वह आदिलोक आदिकाल की हैं, परंतु हम आज के युग में भी और अपनी अगली पीढ़ियों में भी देखेंगे तो यह बिल्कुल फिट बैठती है। बड़े बुजुर्गों के एक- एक शब्द हीरे मोती के तुल्य हैं, बस पहचानने वाले जौहरी वाली नज़र की जरूरत है। अगर हम गहराई में जाकर उन कहावतों और शब्दों के अर्थों को अपने जीवन में ढाल दिया तो साथियों दुखों की हिम्मत नहीं, असफलताओं की ताकत नहीं,जो हमारी ओर करवट बदल सके, बस जरूरत है हिम्मत, जज्बे, संकल्प की। सफलता तुम्हारे आगे सर झुकाए खड़ी होगी।आज हम उन वैचारिकताओं के एक अंश, बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर चर्चा करेंगे। वैसे तो कहावतें बहुत हैं जैसे दाने-दाने को मोहताज, ढाक के तीन पात, बुरी नजर वाले तेरा मुंह काला, घर का भेदी लंका ढाए, बंद मुट्ठी लाख की खुल गई तो फिर खाक की सहित हजारों कहावतें हमें मिलेगी पर आज हम चर्चा,तू अपनी खूबियां ढूंढ, कमियां निकालने के लिए लोग हैं।अगर रखना ही है कदम तो आगे रख, पीछे खींचने के लिए लोग हैं इस कहावत पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम, हतोत्साहित वह नुक्ताचीनी करने वाले चंद लोगों की करे तो,यह बिल्कुल कहावत सच बैठती है कि जिंदगी के नियम भी कबड्डी के खेल जैसे ही हैं। आपके सफलता की लाइन को टच करते ही लोग आपके पैर खींचने लगते हैं,जिसका मूल कारण द्वेष, प्रतिपक्ष में आत्मविश्वास की कमी, नकारात्मकता, मेहनत की कमी, अपने आप को यूसर्टिफाई करने की चाहत, अनकॉन्शियसली इंटेंशन, अपना स्टेटस बनाए रखना, कुदृष्टि और समाज में अपनी प्रतिष्ठा कम होने का डर इत्यादि के कारण है कि ऐसे लोग, किसी दूसरे अपने समकक्ष या प्रतिद्वंदी व्यक्ति को या तो सफल नहीं होने देते या सफलता की सीढ़ी पर पहुंचने के बाद उसके पैर खींचने में अपनी ताकत लगा देते हैं,ऐसा सदियों से युगा युगांतर से होता आया है।हर क्षेत्र में चाहे वह राजनीति, शिक्षा, सरकारी, गैर सरकारी, सामाजिक, सहकारिता, इत्यादि हर क्षेत्र में हमें कहीं ना कहीं दो व्यक्तियों, अनेक व्यक्तियों, समूह, दो गुटों, में टांगें खींचने की प्रथा होती आई है। सफलता के पैर खींचने की यह प्रथा राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है। आए दिनों हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसका नजारा देख रहे हैं कि, एक देश की नजर विश्व का ताज पहनने की चाहत की ओर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोविड- 19 फैलाने के आरोप के बाद उसकी अब इस साजिश पर दुनियाँ हैरान, है,अमेरिका को भूख मारने का था प्लान-फंगस के जरिए,अनाज,खाद्य पदार्थ, फसलों को बर्बाद करना था प्लान।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो अभी के ही रिसेंटली दिनों में भी राजनीतिक, खेल जगत सहित अनेक क्षेत्रों में बड़े-बड़े केस इसी की परिणति है कि अपनी प्रतिष्ठा, पद और स्थान बनाए रखने के लिए अनेक क्षेत्रों में हत्या राजनीति जगत में गंभीर आरोप हम सब देख रहे हैं। जो दूसरों के सफलता की सीढ़ी पर पहुंचने के कारण खुद के पद,मान, प्रतिष्ठा छीनने का डर जिन्हें होता है। वही इस तरह से सफल व्यक्ति के विरोध में यह काम करते हैं। एक इंसान की आदतें ही यह तय करती हैं कि वह अपनी ज़िंदगी में कितना सफल बनेगा और कितना आगे जाएगा द्य हर व्यक्ति सफल होना चाहता है पर हर किसी को सफलता नहीं मिलती द्य किसी इंसान की गलत आदतें उसको नाकामयाबी के अंधेरे में डुबा देती और उसी जगह अच्छी आदतें उस इंसान को कामयाबी की ऊँचाइयों तक पहुँचा देती हैं द्य

साथियों बात अगर हम कमियां ढूंढने वाले निंदक लोगों की करें तो,लोग बुराई इसलिए करते हैं,एक तो निन्दा का रस बडा ही स्वादिष्ट होता है जो एक बार मुँह लग जाए, फिर बार बार चखने को जी चाहता है।इस का स्वाद तो बचपन में ही परिवार व समाज द्वारा चखा जो दिया जाता है!अहं को संतुष्ट करना होता है कि देखो वह कितना बुरा है और हम कितने अच्छे हैं!जिसका जितना मोटा अहं, उसको निन्दा की खुराक भी उतनी ज्यादा चाहिए होतीहै। मेरा मानना है कि कमियां निकालने वालों या निंदकों को एक बहाना चाहिए होता है निन्दा का शिकार ढूँढने का।एक अजीब सी बढ़िया अनुभूति होती है उनको शिकार को निन्दा के तीर से मारने में!संयोग से एक दिन सत्संग में सुना:निन्दक व्यक्ति निन्दित व्यक्ति के धोबी के समान है। जैसे धोबी कपड़े के मैल को धोता है,वैसे निन्दक निन्दित व्यक्ति के बुरे कर्मों को धो देता है।और तो और निन्दक के बुरे कर्म निन्दा करने से और बढ़ जाते हैं।अब सत्संग तो सच का संग है,मैं वहाँ पर वर्णित किसी बात को असत्य नहीं समझ सकता। फिर भी लोग उतने महान तो नहीं है कि निन्दा करने में शून्यप्राय हो जाए लेकिन कर्मों वाली बात से इतना डर लगता है कि किसी की निन्दा करने से पहले हजार बार सोचना चाहिए कि अगले के कर्मों की मैल से मैं स्वयं को और मैला क्यों करूँ,मेरे कर्म कौनसा पहले ही उच्चकोटि के हैं? जाने अनजाने कुछ न कुछ तो गलत कर्म सबसे ही हो जाते हैं।हर वक्त दूसरे की बुराई करने वालों, कृपया इस तथ्य पर ध्यान दीजिए और कबीर दास जी के इस दोहे को याद कीजिए,वाकई यह दोहा सबके जीवन का परम सत्य है, कोई भी यहाँ दूध का धुला नहीं है।

बुरा जो देखन मैं चला,बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।

अतः निन्दा का पत्थर वही मारे जिसने कभी कोई निन्दनीय कार्य न किया हो अन्यथा निन्दक को स्वयं की अंतरात्मा धोबी कहकर ही पुकारेगी!

साथियों बात अगर हम पते की करें तो हमें सफलता प्राप्त करने वालों के कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ खड़े होना चाहिए। उनसे प्रेरणा लेने का साहस जुटाना चाहिए। उनको अपना प्रेरणास्त्रोत बनाना चाहिए, ना कि उनकी टांगें खींचना चाहिए। बड़े बुजुर्गों ने भी कहा है कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदते हैं वह उसी गड्ढे में खुद गिरते हैं, बात सोलह आने सच है।

साथियों बात अगर हम प्रेरणा और सफल आदमी से प्रोत्साहन पाने की करें तो मेरी है निजी राय है कि सफलता के10 गुण होना चाहिए।(1) -लक्ष्य तय होना- एक सफल इंसान बनने के लिए या जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है लक्ष्य तय करना।जब तक आप लक्ष्य तय नहीं कर लेते, तब तक मानो आप सफलता से काफी दूर खड़े है। (2)- मजबूत इच्छा शक्ति-अगर किसी काम को करने की हमारी इच्छाशक्ति मजबूत और दृढ़ है, तो कुछ भी नामुमकिन नही है और हम हर काम को संभव बना सकते हैं। (3) नकारात्मकता-- यह एक ऐसी चीज है जो हमारे हर सपने को बर्बाद कर सकता है। हम जब भी कुछ करना चाहते हैं सबसे पहले यही सोचते हैं नहीं हम नहीं करपाएंगे, हमारे अंदर इस काम की क्षमता नहीं है यह नकारात्मक विचार, होने वाले काम को भी बिगाड़ सकते हैं इसीलिए जहां तक संभव हो नकारात्मकता से बचना चाहिए (4) हमेशा सच्चाई की राह पर रहना चाहिए (5) धैर्यवान बनना चाहिए (6) कड़ी मेहनत-कड़ी मेहनत,जीवन में कोई भी कार्य में अगर सफलता हासिल करनी हैं तो उसके लिए कठिन परिश्रम करना बेहद ही जरुरी हैं। क?ी मेहनत के बिना सफलता प्राप्त करना नामुमकिन सा हैं।कड़ी मेहनत और लग्न से किया गया कार्य आपको जिंदगी में आगे तक पहुंचा सकता है। (7) अपनी क्षमता और कमजोरियों की पहचान-जीवन में सफलता हमेशा उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी क्षमताओं और कमजोरियों को पहचानकर मेहनत करता है। (8) दूसरों से तुलना ना करें- हर व्यक्ति की अपनी योग्यता और क्षमता होती है। अच्छे छात्र भी अपनी क्षमता के दम पर ही सफल होते हैं न कि दूसरों की नकल करके। आप भी जीवन में सफल होने के लिए अपने तरीके से मेहनत करें। (9) साहस-जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आपने अपने लक्ष्य तय कर लिया हैं और उसकी पूरी तैयारी भी कर ली हैं. पर साहस ही जीवन में सफलता के लक्ष्य तक पहुंचता हैं इसीलिए साहस का होना परम आवश्यक है।(10)-आत्मा विश्वास-यहीं सफलता की सीढ़ी का आधार है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करेंगे तो हम देखेंगे कितू अपनी खूबियां ढूंढ, कमियां निकालने के लिए लोग हैं।अगर रखना ही है कदम तो आगे रख,पीछे खींचने के लिए लोग हैंजिंदगी के नियम भी कबड्डी के खेल जैसे हैं। सफलता की लाइन टच करते ही लोग आपके पैर पीछे लग जाते हैं। याने श्रेष्ठतम सफलता कांटों का ताज है।इसके लिए हिम्मत, जज़्बा और हौसले रूपी मंत्र का प्रयोग करना बहुत जरूरी है और आलोचना करने वाले प्रतिपक्ष को उपरोक्त 10 मंत्रों का पालन कर अपनी जिंदगी को श्रेष्ठतम बनाया जा सकता है जिससे उनका लोग भी सुधरेगा और परलोक में भी बाहर आएगी।

- किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों में बनी तेजी से शुक्रवार को खाद्य तेलों में बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में मजबूती रही। दलहनों में मसूर सुर्खी पर रही। किराना जिंसों में हल्दी बाजार मजबूती के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य है। बाजार तेजी बनाये हुए है। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। दलहनों में मसूर बाजार सुर्खी पर रहे। उधर, किराना जिंसों में जावत्री-जायफल में सुस्ती देखी गयी। हल्दी में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4130-4180, खोपरा गोला 340-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 280-290, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 825-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1500-1700, बेस्ट 1700-1800, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1710-1720, मुम्बई 1730, राजकोट तेलिया 2670-2680, सोया साल्वेंट 1335-1340, सोया रिफाइंड 1400-1410, कपास्या 1350, धूलिया 1360, कड़ी 1360,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675-1680, मुम्बई पाम 1390, मुम्बई सोया 1430,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6600, रायडा 5700-6000, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5550-5600, एवरेज 5350-5450, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5760-5800, एवरेज 5600-5700, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 260000, चाँदी (99) 259000, टंच 258000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 158000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर 92.37 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया अपने दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 92.36 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कोई संकेत न दिखने के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत रुख, विदेशी निवेशकों द्वारा भारी बिकवाली और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर रुझान ने रुपये पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.33 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 92.36 पर पहुंच गई जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आयी है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष बढने से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनायी है जिससे भी घरेलू बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1470.50 अंक की गिरावट के साथ ही 74,563.92 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 488.05 अंक फिसलकर यह 23,151.10 के स्तर पर बंद हुआ। आज बाजार में आई गिरावट से निवेशकों के लाखों करोड़ रुपए डूबे। शेयर मार्केट में गिरावट के कारण निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएसई सेंसेक्स पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सुबह-सुबह करीब 6.55 लाख करोड़ रुपए गिर कर करीब 433 लाख करोड़ रुपए रह गया है। बाजार जानकारों के अनुसार मध्यपूर्व में संघर्ष के

कारण तेल के दाम बढ़ने से भी बाजार गिरा है। वहीं अमेरिकी बाजारों में भारी गिरावट से भी भारतीय बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले कारोबारी सत्र में भारतीय बाजार से 7,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली की। हालांकि घरेलू संस्थागत निवेशकों करीब 7,500 करोड़ रुपए की खरीदारी कर बाजार को कुछ सहारा देने की कोशिश की। आज आईटी, मेटल, ऑटो और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में व्यापक बिकवाली देखने को मिली। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स गिरावट के साथ ही 75,444 अंक पर खुला, जबकि गुरुवार को यह 76,034 अंक पर बंद हुआ था। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 588.06 अंक की गिरावट के साथ 75,446.36 अंक पर कारोबार करता दिखाई दिया। इसी तरह निफ्टी भी गिरावट के साथ 23,462 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 216.35 अंक की कमजोरी के साथ लगभग 23,422 अंक पर कारोबार कर रहा था। गिरावट की एक बड़ी वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली भी है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया है। सेक्टोरल स्तर पर मेटल, आईटी और बैंकिंग शेयरों में ज्यादा बिकवाली देखने को मिली, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर नकारात्मक असर पड़ा।

बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस की कोई बाध्यता नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया कि भारत में लगभग 72 करोड़ बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट (बीएसबीडीए) हैं, जिनमें न्यूनतम बैलेंस की कोई बाध्यता नहीं है। इनमें प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) के तहत खोले गए खाते भी शामिल हैं। इन खातों में जमा, निकासी और एटीएम जैसी बुनियादी सुविधाएं बिना किसी अतिरिक्त शुल्क उपलब्ध हैं। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, छोटे जमाकर्ताओं और उन लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना है जो अब तक इन सुविधाओं से दूर थे। जहां जीरो बैलेंस खातों पर राहत है, वहीं सामान्य बचत और चालू खातों में मासिक औसत बैलेंस बनाए रखना जरूरी है। यदि ग्राहक ऐसा नहीं करते हैं, तो बैंक उचित और पारदर्शी शुल्क लगा सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मिनिमम बैलेंस न रखने वाले ग्राहकों से 8,092.83 करोड़ रुपये वसूले। यह राशि बैंकों की कुल कमाई का केवल 0.3 प्रतिशत है और इसका उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं बल्कि सेवाओं के खर्च को संतुलित करना है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च 2020 में बचत खातों पर मिनिमम बैलेंस शुल्क पूरी तरह खत्म कर दिया था। इसी राह पर चलते हुए 2025 तक 9 अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी जुर्माने हटा दिए या उनमें भारी कटौती की। यह कदम बैंकिंग सेवाओं को ग्राहक-केंद्रित और संवेदनशील बनाने की दिशा में उठाया गया।

पश्चिम एशियाई तनाव से प्रभावित हो सकता है भारतीय टायर निर्यात

भू-राजनीतिक संकट का असर, एटमा ने सरकार से समर्थन की मांग की

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने भारतीय टायर उद्योग की चिंता बढ़ा दी है। ऑटोमोबाइल टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटमा) ने सरकार को चेतावनी दी है कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष से टायर निर्यात प्रभावित हो सकता है। एटमा के अनुसार होर्मुज स्ट्रेट और स्वेज नहर जैसे प्रमुख समुद्री मार्गों में अस्थिरता यूरोप, अमेरिका और अफ्रीका को होने वाली खेपों में देरी और ढुलाई लागत में बढ़ोतरी कर सकती है। भारत पश्चिम एशिया को सालाना लगभग 25-26 करोड़

डॉलर के टायर निर्यात करता है। यदि तनाव बढ़ता रहा, तो इन खेपों में व्यवधान आ सकता है। एटमा ने यह भी कहा कि निर्यात में अनिश्चितताओं के कारण भारतीय टायर उद्योग की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी क्षमता कमजोर हो सकती है। टायर उत्पादन में कच्चे तेल से बने उत्पादों का 60-70 प्रतिशत हिस्सा होता है। प्रमुख इनपुट में सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक, प्रोसेसिंग ऑयल और टायर कॉर्ड फैब्रिक शामिल हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव (लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल) सीधे उत्पादन लागत बढ़ा रहे हैं। इस कारण माल ढुलाई और लॉजिस्टिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। एटमा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बढ़ती उत्पादन लागत, निर्यात अनिश्चितताएं और ढुलाई में रुकावट का मिला-जुला असर उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि समय पर नीतिगत समर्थन जरूरी है ताकि भारत की निर्यात गति बनी रहे और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसका प्रभाव बनाए रखा जा सके।

मेष- आज का दिन आपके लिए सुख और संतोष से भरा रहने वाला है। व्यापार से जुड़ी आपकी योजनाएं आपको अच्छा लाभ दे सकती हैं, जिससे मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। यदि आपकी संतान ने हाल ही में किसी परीक्षा में भाग लिया था, तो उसके परिणाम आने की संभावना है और वह आपके लिए खुशी का कारण बन सकता है।

वृषभ- आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन अनुकूल संकेत दे रहा है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह या किसी शुभ कार्य को लेकर आप अपने रिश्तेदारों से चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मध्यम फल देने वाला रहेगा। यदि कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था और उसे पूरा करने में दिक्कत आ रही थी, तो आज उसके पूरे होने की संभावना बन सकती है। हालांकि परिवार में किसी सदस्य की सेहत अचानक खराब हो सकती है, जिसके कारण आपको भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। ऐसे में थोड़ा धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सामान्य लेकिन संतोषजनक रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में यदि कुछ समय से मतभेद या परेशानियां चल रही थीं, तो अब उनमें काफी हद तक सुधार देखने को मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में भी आप किसी सहकर्मी से किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर सकते हैं। संतान की प्रगति और सफलता को देखकर आपका मन गर्व से भर जाएगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आ सकता है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने की प्रबल संभावना रहेगी। संतान भी पढ़ाई-लिखाई में अच्छा प्रदर्शन करेगी, जिससे आपको गर्व महसूस होगा। हालांकि आपको अपनी सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना चाहिए। अपरिचित लोगों से थोड़ा सावधान रहना भी जरूरी रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए नई संभावनाएं लेकर आ सकता है, खासकर नौकरी के क्षेत्र में। नई नौकरी मिलने के योग बन रहे हैं और किसी कार्य से संबंधित यात्रा भी करनी पड़ सकती है। हालांकि आज किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचना बेहतर रहेगा, क्योंकि इससे अनावश्यक विवाद हो सकता है। आपके मन में कुछ नया और अलग करने की इच्छा जाग सकती है और आप अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए प्रगति और तरक्की के संकेत लेकर आ सकता है। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी नए व्यक्ति का आगमन हो सकता है, जो आगे चलकर खास स्थान बना सकता है। कामकाज में सफलता पाने के लिए आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना होगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे पूरा करने का प्रयास करें, क्योंकि इससे आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपको हर निर्णय सोच-समझकर लेने की सलाह दे रहा है। जल्दबाजी में किए गए कामों में गड़बड़ी हो सकती है और व्यस्तता के कारण आप कुछ गलत फैसले भी ले सकते हैं। हालांकि अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में आपको ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। आप अपने जीवनसाथी के लिए नए कपड़े या कोई आभूषण भी खरीद सकते हैं, जिससे रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। लेकिन अनावश्यक खर्च आपकी परेशानियां बढ़ा सकते हैं, इसलिए आज थोड़ा समझदारी और संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। सरकारी कामों को टालने के बजाय उन्हें समय पर पूरा करने की कोशिश करें। परिवार में किसी नए मेहमान के आगमन से घर का वातावरण खुशियों से भर सकता है। अचानक वाहन में खराबी आने से कुछ अतिरिक्त खर्च भी हो सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए व्यापार और कामकाज में वृद्धि का संकेत दे रहा है। परिवार में किसी सदस्य से किया हुआ वादा समय रहते पूरा करना जरूरी होगा, वरना वे आपसे नाराज हो सकते हैं। घर के वरिष्ठ सदस्यों की सेहत में थोड़ी गिरावट आ सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। कहीं आने-जाने या घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी। हालांकि दिनभर थोड़ी भागदौड़ भी बनी रह सकती है।

मीन- आज का दिन कामकाज के मामलों में आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपने कार्यों को लेकर काफी मेहनत करेंगे और उसका अच्छा परिणाम भी देखने को मिल सकता है। माताजी के साथ आपके संबंध पहले से अधिक मधुर हो सकते हैं और आप दोनों एक-दूसरे के और करीब महसूस करेंगे।

शब्दजाल - 8197

शब्द जाल में दिलीप कुमार की 10 फिल्मों नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

मिलन, नया दौर, जोगन, शहीद, देवदास, मधुमति, दिल दिया दर्द लिया, राम और श्याम, बैराग, क्रांति

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

शब्दजाल - 8196 का हल

शो	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7141

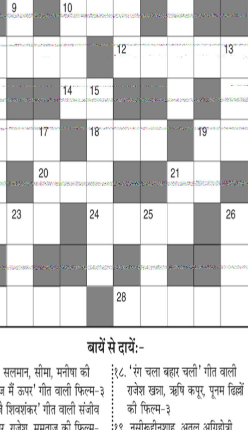

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३

३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३

७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२

१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३

११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४

१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३

१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२

१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३

१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३

१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२

२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३

२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२

२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३

२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४

२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४

२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२

२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२

४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४

५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२

६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२

८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला को 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४

९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२

११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२

१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३

१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५

१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३

१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२

२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२

२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३

२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३

२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7140

दे	व		प्रे	म	क	हा	नी		जी
व		तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल		पु	का	र		सिं		त
	क्ष्य		जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	म
क	बी	ला		ग		प्या		न	
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा
ध	र्मा				ड		स्ये		गि
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

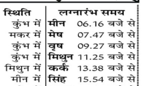

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.16 बजे से
चंद्र	मकर में	मेष	07.47 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.27 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.25 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.38 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.54 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.06 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.17 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.32 ब.से
राहुकाल		धनु	00.48 बजे से
9.00 से 10.30		मकर	02.53 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.39 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 73 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 08.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 04.49 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** वरीयान 10.43 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.11 बजे तदनन्तर बव 20.49 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 37' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872648 **जूलियन दिन** 2461113.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 24 **विशेष** कारादाइयन नौम्बू।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: स्वर्ग और नरक

एक युवा सैनिक ने धर्मशास्त्रों का अध्ययन किया था। वह जानना चाहता था कि स्वर्ग और नरक में क्या अंतर है? उसने एक संत से पूछा, 'बताएं कि क्या स्वर्ग और नरक वास्तव में होते हैं या ये सिर्फ कल्पना हैं?' संत ने उसे अच्छी तरह देखा और पूछा, 'युवक, तुम्हारा पेशा क्या है?' सैनिक ने अपने पेशे के बारे में बताया तो संत ने उसका तिरस्कार करते हुए कहा, 'तुम और सैनिक! तुम्हें कौन सैनिक कहेगा। किसने तुम्हारी भर्ती कर दी। देखकर तो तुम कायर लगते हो। भय और आशंका तुम्हारे चेहरे पर स्पष्ट झलक रही है।' यह सुनकर उस सैनिक का खून खौल उठा। उसने बंदूक निकाल ली। संत ने कहा, 'तुम बंदूक भी रखते हो। बहुत अच्छे! तुम क्या इस खिलौने वाली बंदूक से मुझे डराओगे। इस बंदूक से तो बच्चा भी नहीं डरेगा।' यह सुनकर सैनिक अपना आपा खो बैठा, उसने झट से बंदूक का घोड़ा दबाने के लिए हाथ बढ़ाया तो संत ने कहा, 'लो, बस यही है नरक का द्वार।' संत की बात का मर्म समझते ही युवक की आंखें खुल गई और अपने किए पर वह ग्लानि से भर गया। वह संत के चरणों में गिर पड़ा। चरणों में गिरते ही संत ने कहा, 'लो, स्वर्ग का द्वार खुल गया। स्वर्ग एवं नरक, आनंद एवं दु:ख ही वह स्थिति है जो हम शांत रहकर या क्रोध करके उत्पन्न करते हैं। जिस क्षण व्यक्ति को क्रोध आता है उसका संपूर्ण अस्तित्व गहरी अशांति को प्राप्त हो जाता है। यह प्रत्यक्ष नरक के समान दुखदायी होता है। खुद की शांति के लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं जब हम इस जिम्मेदारी को उठाते हैं, स्वर्ग का निर्माण कर रहे होते हैं। संसार हमारी ही सृष्टि है।'

सूडोकु नवताल- 7450

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7449 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 8665

बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सज्जनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

1. मदिरा, मय-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2,3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी-5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. मैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8664 का हल

	ल	गा	म		प	ता	का	
द	क्ष		ही		ह		ल	ता
रो			न	का	र	ना		क
गा	य	ब		न		ला	न	त
		ल	ब		रा	य		
आ	स	रा		ना		क	या	स
ई		म	हा	व	र			ई
ना	क		जि		सी		रा	ज
	ल	की	र		ला	ग	त	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

विधायक राजकुमार कर्राहे के प्रयासो से विधानसभा क्षेत्र में 17 स्कूल भवनों के निर्माण की मिली स्वीकृति

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा निरंतर लांजी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यो की सौगात लाई जा रही है जिससे निरंतर क्षेत्र का विकास देखा जा रहा है। पंचायतों में भवन निर्माण हो, मुख्य सड ?ों के निर्माण, पुल पुलियाऐं समेत अब फोरलेन मार्ग भी स्वीकृत हो चुका जो कि दर्शाता है कि विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा क्षेत्र में निरंतर विकास को प्रगति प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में अब विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा क्षेत्र के छात्र छात्राओं की भी चिंता की गई तथा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 17 स्कूलों के भवन निर्माण की स्वीकृति लाई गई है। इस संबध में मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट के प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह ने पत्र जारी कर विधायक राजकुमार कर्राहे को अवगत कराते हुये बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत मा. मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र लांजी अन्तर्गत आपके सुझाव अनुसार स्कूल भवन निर्माण किये जाने हेतु राशि स्वीकृत की गई है। जिनमें विद्यालय जीपीएस नारायण टोला लागत 10.61 लाख, प्राथमिक शाला बेनेगांव लागत 10.61 लाख रूपये। शासकीय प्राथमिक शाला कन्या किरनापुर लागत 10.61 लाख रूपये, प्राथमिक शाला महाजन टोला टेड़वा लागत 18.25 लाख रूपये, जीपीएस भौरांटोला किरनापुर लागत 18.25 लाख रूपये, पीएस बोरीकला लागत 10.61 लाख रूपये, पीएस छेरकाटोला लागत 18.25 लाख रूपये, पीएम अंधियाटोला लागत 18.25 लाख रूपये, जीपीएस पटेल टोला लागत 10.61 लाख रूपये, पीएस परसाटोला 18.25 लाख रूपये, जीपीएस गोंडी टोला रमगढ़ी लागत 10.61 लाख रूपये, पीएस बकरामुण्डी लागत 10.61 लाख रूपये, पीएस लाल टोला साडरा लागत 10.61 लाख रूपये, जीपीएस भिमोड़ी 18.25 लाख रूपये, जीपीएस भुरसाडोंगरी 18.25 लाख रूपये, जीपीएस नारायण टोला लागत 10.61 लाख रूपये, पीएस बेनेगांव लागत 10.61 लाख रूपये के यह सभी स्कूल भवन निर्मित किये जायेंगे। बतादे कि अनुसार लंबे समय से कई विद्यालयों में भवन की कमी या जर्जर भवन होने के कारण विद्यार्थियों और शिक्षकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक राजकुमार कर्राहे ने संबंधित विभाग के समक्ष प्रस्ताव रखकर नए स्कूल भवनों की स्वीकृति दिलाई। स्कूल भवनों के स्वीकृत होने से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। साथ ही शिक्षकों को भी पढ़ाई कराने में सुविधा होगी। इन विद्यालय भवन के स्वीकृती किये जाने पर विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह जी का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया है। वहीं विद्यालयों भवनों के लिये क्षेत्रवासियों एवं छात्र छात्राओं ने इस पहल के लिए विधायक राजकुमार कर्राहे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके लगातार प्रयासों से लांजी क्षेत्र में शिक्षा सहित विभिन्न विकास कार्यों को गति मिल रही है।

सुभाष चौक में 19 से 27 मार्च तक श्री राम महोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म नगरी लांजी में आगामी नवरात्रा एवं गुडी पाड़वा हिन्दू नववर्ष के पावन अवसर पर बेटा बचाओं राष्ट्रीय अभियान एवं श्रीराम जी के भक्तों के द्वारा एक विशेष श्री राम महोत्सव का आयोजन नगर के सुभाष चौक में 19 मार्च से लेकर 27 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। इस महोत्सव का प्रमुख आकर्षण का केन्द्र होगी प्रतिमाऐं जो कि पवित्र पावन अयोध्या धाम की मिट्टी लाकर श्रीराम जी, माता जानकी एवं श्री हनुमान जी दिव्य प्रतिमाऐं निर्मित की जा रही है। साथ ही अन्य झांकिया भी पण्डाल में स्थापित की जावेगी जो कि प्रमुख दर्शनीय होगी। नवरात्रा के प्रथम दिवस पर कलश स्थापना के साथ भव्य शोभायात्रा धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ होगा। जो कि 9 दिनों तक विशेष आयोजन पण्डाल स्थल पर किये जायेंगे। 27 मार्च श्रीराम नवमी पर कार्यक्रम का समापन हवन पूजन एवं महाप्रसाद वितरण कर किया जायेगा। इस संपूर्ण कार्यक्रम का मुल उद्देश्य नशा मुक्त राम राज्य का महा संकल्प, नशा हटाओं सिंदूर बचाओं, नशा एक अभिशाप है खुशियों का विनाश है आओ इस जड़ से मिटाये यही प्रभु श्रीराम की आस है। इन सभी संकल्पो के साथ उक्त श्रीराम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन कर्ताओ के द्वारा सभी धर्म प्रेमी गणो से कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील कि है।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला, फरार पांच आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना पुलिस ने ग्राम पायली के गोंडी टोला में एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 4 मार्च की रात की है जब ईश्वर प्रसाद कुमरे 32 वर्ष अपने खेत से घर लौट रहा था। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ईश्वर प्रसाद कुमरे खेती-किसानी के साथ-साथ टेलरिंग का कार्य भी करते हैं। उनकी गांव के ही कुछ लोगों से पुरानी रंजिश चल रही थी।

घटना की रात करीब 8-30 बजे ईश्वर प्रसाद अपने गांव के राजाराम मसराम के साथ खेत से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे गांव के सभा मंच के पास पहुंचे, वहां बैठे अरुण नेताम, राजू परते और संदीप उइके ने पुरानी रंजिश को लेकर उन्हें अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया।ईश्वर प्रसाद द्वारा विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान महेंद्र नेताम और नरेंद्र परते भी वहां उभारी लेकर पहुंच गए और ईश्वर प्रसाद के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया।हमले के दौरान ईश्वर प्रसाद के चिल्लाने की आवाज सुनकर वहां मौजूद लोग दौड़े और बीच-बचाव किया। इसके बाद सभी आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।हमले में गंभीर रूप से घायल ईश्वर प्रसाद को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया।

जिला अस्पताल पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए घायल ईश्वर प्रसाद का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और हत्या की नीयत से प्राणघातक हमला करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।घटना के बाद से सभी आरोपी फरार थे और पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। हाल ही में आरोपियों के भरवेली क्षेत्र में होने की सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह पन्द्रों और उनकी टीम ने घेराबंदी कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी अरुण नेताम, राजू परते, संदीप उइके, महेंद्र नेताम और नरेंद्र परते सभी गोंडी टोला पायली निवासी हैं। 13 मार्च को भरवेली पुलिस ने उन्हें बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इन पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में भरवेली थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह पन्द्रों के नेतृत्व में उप निरीक्षक राम प्रसाद मेश्राम ,सहायक उप निरीक्षक सोमलाल कावरे, सहायक उप निरीक्षक सुरेश नागेश्वर, आरक्षक विजेंद्र उईके, आरक्षक संदीप गढ़पाल, आरक्षक नरेंद्र गौतम,आरक्षक मोनू झारिया की सराहनीय भूमिका रही।

शिकायकर्ता के पास आदेश, पर डीआर बोले फाईल नहीं पहुंची

आर.एस. मांझी मत्स्य सहकारी संस्था का पंजीयन निरस्त करने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं भोपाल से 27 फरवरी को आर.एस. मांझी मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित सोनपुरी का पंजीयन विधि विरूद्ध और त्रुटिपूर्ण तरीके से किया जाना पाते हुए पंजीयन को निरस्त करने के आदेश जिला पंजीयक, सहकारिता बालाघाट को हो गए है, बावजूद इसके एक पखवाड़े बाद भी डीआर सहकारिता बालाघाट में यह कार्यवाही पेडिंग है। अब अधिकारी कह रहे है कि हमें पंजीयन निरस्त की फाईल नहीं मिली है।जबकि इसका आदेश शिकायतकर्ता सरस्वती सहकारी समिति मर्यादित पौंडी उकवा के पास पहुंच गया है।जिससे इस लंबी लड़ाई को जीतने वाली सरस्वती सहकारी समिति मर्यादित पौंडी ने, अधिकारी पर टालमटोल करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कार्यालय में एक बार फिर प्रदर्शन कर पंजीयन को निरस्त करने की कार्यवाही किए जाने की मांग की।

27 फरवरी को जारी हुए है आदेश

सरस्वती सहकारी समिति मर्यादित पौंडी के पदाधिकारियों ने बताया कि पौंडी उकवा में समिति होने के बावजूद, कुछ लोगों ने बिना जानकारी के अन्य गांवो के लोगों को लेकर एक नई समिति का गठन कर लिया गया था। जिसकी जानकारी के बाद जिले से लेकर भोपाल पंजीयक कार्यालय तक शिकायत और आवेदन दिए गए लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। इस बीच हमने मत्स्य विभाग के मंत्री से मुलाकात की, पूरी वस्तुस्थिति से अवगत कराया था। जिसके बाद मामले में हुई जांच के बाद यह साफ हो गया कि आर.एस. मांझी मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित सोनपुरी का पंजीयन विधि विरूद्ध और त्रुटिपूर्ण तरीके से किया गया है।जिसके बाद आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं से 27 फरवरी 2026 को समिति का पंजीयन निरस्त करने का आदेश जारी किया गया है। जिसे एक पखवाड़े बीत जाने के बाद भी डीआर कार्यालय बालाघाट, पंजीयन निरस्त को लेकर टालमटोल रवैया अपना रहे है। जिसके चलते आज वे यहां पहुंचे थे।

तो करेंगे बड़ा आंदोलन-करुणा बर्वे

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान सरस्वती सहकारी समिति मर्यादित अध्यक्ष करूणा बर्वे ने बताया कि आर.एस. मांझी मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित सोनपुरी का पंजीयन ,आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं द्वारा 27 फरवरी को निरस्त करने के आदेश जारी किए गए है।लेकिन अब तक जिला कार्यालय से उक्त समिति का पंजीयन निरस्त नही हो पाया है।जिसको लेकर कार्यालय आने पर यहां के डीआर राजेश उईके ने उन्हें बताया कि पंजीयन निरस्त की फाईल उनके कार्यालय तक नहीं पहुंची है, अब अधिकारी कह रहे है कि रविवार तक फाइल मंगाकर, बुधवार को पंजीयन निरस्त की कार्यवाही की जाएगी। यदि इसके बाद भी पंजीयन को निरस्त नहीं किया जाता है तो हम फिर आदेश की अवमानना के तहत डीआर कार्यालय का घेराव कर कार्यालय के सामने बड़ा आंदोलन करेंगे।

मप्र में डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ा

अब जूनियर को 77,662 सीनियर रेजिडेंट को मिलेंगे 90,803 रुपए

भोपाल। मप्र सरकार ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों में काम करने वाले जूनियर डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाने का आदेश जारी किया है। स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के निर्देश के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने यह संशोधन जारी किया है, जो 1 अप्रैल, 2025 से लागू होगा। सरकार ने कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आधार पर स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की है। जूनियर डॉक्टरों को अब 77,662 मिलेंगे, जबकि सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों का स्टाइपेंड 90,803 तय किया गया है। हड़ताल के चार दिन बाद आदेश जारी किया गया है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई और काम करने वाले पीजी छात्रों, इंटर्न और सीनियर और जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को सीधा फायदा होगा। सरकार के इस कदम को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह जूनियर डॉक्टरों द्वारा स्टाइपेंड में संशोधन की मांग को लेकर हाल ही में की गई हड़ताल के बाद उठाया गया है।

मप्र में विधायक निधि के खर्च पर ऑनलाइन नजर

- सॉफ्टवेयर से होगी हर विधानसभा क्षेत्र की मॉनिटरिंग

भोपाल । लोकसभा क्षेत्र स्थानीय विकास निधि की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (विधायक निधि) की ऑनलाइन निगरानी की तैयारी है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग इसके लिए राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से विशेष सॉफ्टवेयर विकसित करवा रहा है। इस व्यवस्था से विधायक और संबंधित विभाग यह आसानी से जान सकेंगे कि निधि की कितनी राशि खर्च हो चुकी है और कितनी अभी शेष है। फिलहाल राज्य स्तर पर ऐसी कोई केंद्रीकृत निगरानी प्रणाली मौजूद नहीं है।

प्रदेश सरकार ने हाल ही में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजना को वित्तीय वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। इस अवधि में योजना पर करीब 2,875 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं विधायक इस निधि की वार्षिक राशि को वर्तमान ढाई करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने की मांग लगातार उठा रहे हैं। इसे लेकर अन्य राज्यों के प्रावधानों का अध्ययन भी कराया जा चुका है और बजट सत्र में इस संबंध में कोई अहम घोषणा होने की संभावना जताई जा रही है।

दरअसल, विधायकों की अनुशंसा पर स्वीकृत विकास कार्य जिला स्तर पर ही मंजूर हो जाते हैं और उनकी रिपोर्टिंग राज्य स्तर तक नहीं पहुंच पाती। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लगभग दस महीने बीत जाने के बावजूद विभाग के पास यह स्पष्ट जानकारी नहीं है कि किस जिले में कितनी राशि खर्च हुई और कहां कितनी बची हुई है।

नए सॉफ्टवेयर से मिलेगी पूरी तस्वीर

इसी कमी को दूर करने के लिए अब राज्य स्तर से निगरानी की व्यवस्था विकसित की जा रही है। नए सॉफ्टवेयर के जरिए विधानसभा क्षेत्रवार यह जानकारी उपलब्ध होगी कि कहां कितनी विधायक निधि खर्च हुई है और कितनी राशि शेष है। सरकार की योजना है कि नए वित्तीय वर्ष से यह प्रणाली पूरी तरह लागू कर दी जाए।

विधायकों को अपने क्षेत्र में छोटे और मध्यम विकास कार्य कराने के लिए बार-बार सरकार के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए स्थानीय क्षेत्र विकास निधि की गाइडलाइन को भी नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। इसमें समय-समय पर विधायकों द्वारा दिए गए सुझावों को शामिल किया जाएगा, ताकि योजना ज्यादा प्रभावी और व्यावहारिक बन सके।

विदिशा जिले के गरीब मजदूर परिवारों पर बिजली विभाग की ज्यादती बंद हो - दिग्विजय सिंह

भोपाल । राज्यसभा सांसद एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने विदिशा जिले की सिरोंज तहसील के कई गांवों में मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गरीब मजदूर परिवारों के खिलाफ विद्युत चोरी के प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत करने तथा अब लोक अदालत में उपस्थित होकर जुर्माने की राशि जमा करने के लिए दबाव बनाए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस पूरी कार्रवाई को अत्यंत अन्यायपूर्ण और अमानवीय बताया है। सिंह ने कहा कि सिरोंज तहसील के ग्राम बरखेड़ा ताल के 35 परिवारों, ग्राम बनारसी के 10 परिवारों, ग्राम इमलानी के 30 परिवारों, ग्राम मुंडरा बागल के 30 परिवारों तथा ग्राम देहरी के 35 गरीब मजदूर वर्ग के परिवारों के पास वर्षों से एक-बत्ती कनेक्शन रहे हैं। समय के साथ इन परिवारों का विस्तार हुआ, लेकिन सरकार द्वारा पूर्व में दिए गए इन्हीं एक-बत्ती कनेक्शनों का उपयोग ये परिवार करते रहे। इन लोगों ने कई बार अलग-अलग कनेक्शन देने के लिए आवेदन भी किए, किंतु उनकी मांगों को अनसुना कर दिया गया। अब उन्हीं परिवारों के खिलाफ विद्युत चोरी के प्रकरण दर्ज कर उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं और ?5,000 से ?7,000 तक का जुर्माना वसूलने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि यदि लोगों द्वारा बार-बार मांग करने के बावजूद उन्हें नए कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराए गए और एक ही परिवार के सदस्य पुराने एक-बत्ती कनेक्शन का उपयोग कर बिजली का उपभोग कर रहे हैं, तो उनके खिलाफ विद्युत चोरी के प्रकरण दर्ज करना और उन्हें न्यायालय में समझौते के लिए बाध्य करना पूर्णतः अन्यायपूर्ण है। सिंह ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब किसान और मजदूर वर्ग अपनी फसल समेटने और कृषि कार्यों में व्यस्त है, तब बिजली विभाग उनके ऊपर हजारों रुपये का जुर्माना थोपकर उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान कर रहा है।

अन्नागिरी और राजौरा में पीसीसीएफ वन्य प्राणी को लेकर ऊहापोह

भोपाल। 1991 बैच के आईएफएस शुभ रंजन सेन के वनबल प्रमुख बनने के बाद वन भवन में शीर्ष स्तर पर फेरबदल के संकेत मिले हैं। 1989 बैच एवं एमडी वन विकास निगम एचयू खान को प्रतिनियुक्ति पर ही एमडी लघु वनोपज संघ और 1990 बैच के पीसीसीएफ अनुसंधान एवं विस्तार विभाष कुमार ठाकुर को प्रतिनियुक्ति पर एमडी वन विकास निगम बनाए जाने की संभावना है। ऐसे में बीएस अन्नागिरी और समिता राजौरा में से किसी एक पीसीसीएफ वन्य प्राणी बनाया जा सकता है। दोनों ही आईएफएस अपने-अपने रसूख का इस्तेमाल करने में लगे हैं।

वर्तमान में समिता राजौरा प्रतिनियुक्ति पर एमडी लघु वनोपज संघ के पद पर पदस्थ हैं। यह पद डेपुटेशन का है, इसलिए यहां वन बल प्रमुख सेन से वरिष्ठता क्रम में ऊपर 1989 बैच के आईएफएस एचयू खान को पदस्थ करने पर मंत्रालय में मंथन चल रहा है। ऐसे में खबर है कि समिता राजौरा को पीसीसीएफ वन्य प्राणी अथवा पीसीसीएफ संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण शाखा में पदस्थ करने पर मंथन किया जा रहा है। वर्तमान में जंगलों में बढ़ते अपराध, अतिक्रमण और वन माफिया से निपटने के लिए राजौरा जैसे दबंग अफसर की आवश्यकता महसूस की जा रही है। अभी संरक्षण शाखा में कोई भी पीसीसीएफ अफसर पदस्थ नहीं है। हालांकि राजौरा वन्य प्राणी की कमान संभालना चाहती है। इसके लिए अपने प्रशानिक अप्रोच का उपयोग कर रहीं हैं।

वन्य प्राणी क्षेत्र में अनुभव रखते है अन्नागिरी

पीसीसीएफ वन्य प्राणी के पद पर सॉफ्ट स्पोकन एवं वन्य प्राणी एक्सपर्ट बीएस अन्नागिरी को पदस्थ किए जाने की चर्चा है। यही नहीं वन बल प्रमुख शुभ रंजन सेन सहित वन भवन के शीर्ष अधिकारियों का मत है कि अन्नागिरी को ही वन्य प्राणी की कमान सौंपी जाय। अन्नागिरी डायरेक्टर बांधवगढ़ रह चुके है। आईएफएस अफसरों की बड़ी लॉबी भी पीसीसीएफ अन्नागिरी को वन्य प्राणी शाखा में पदस्थ होते देखना चाहते हैं। दिल्ली की पॉवरफुल लॉबी भी अन्नागिरी के समर्थन में हैं। यहां यह बात भी उल्लेखनीय है कि सेन और अन्नागिरी के बीच ट्यूनिंग और बॉन्डिंग दोनों ही बहुत अच्छी है।

लंबे अरसे बाद अर्चना शुक्ला निगम से बाहर होंगी

वन विकास निगम में पदस्थ एएमडी अर्चना शुक्ला लंबे अरसे बाद वन विभाग की मुख्य धारा में जुड़ेंगी। राज्य शासन ने पिछले महीने ही अर्चना शुक्ला को पीसीसीएफ के पद पर प्रमोट किया है। चूंकि एमडी वन विकास निगम का पद पीसीसीएफ स्तर के आईएफएस का है। निगम एमडी का पद डेपुटेशन की होने की वजह से वन बल प्रमुख सेन से वरिष्ठ पीसीसीएफ अनुसंधान एवं विस्तार विभाष ठाकुर की पदस्थापना होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में पीसीसीएफ अर्चना शुक्ला को अनुसंधान एवं विस्तार शाखा में पदस्थ किया जा सकता है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

डबल इंजन की सरकार में बहनों को मिल रही हैं डबल खुशियां - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बहनें आत्मनिर्भरता एवं स्वावलम्बन के मामले में पूरे देश के लिए उदाहरण बन रही हैं। प्रदेश के 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से जुड़कर करीब 65 लाख बहनें आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। आज प्रदेश में 12 लाख से अधिक लखपति दीदियां कार्यरत हैं। हम महिला उद्यमियों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी बहनें अब फैक्ट्रियों और उद्योगों का नेतृत्व कर रही हैं। प्रदेश के 47 प्रतिशत नए स्टार्ट-अप का नेतृत्व अब हमारी बहनों के हाथों में है। हम सभी बहनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए मिशन मोड में कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, इसलिए यहां की बहनों को लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना के रूप में डबल खुशियां मिल रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के शबरी माता मंदिर परिसर, घाटीगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में लाड़ली बहनों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत प्रत्येक कठिन परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रदेश की बहन-बेटियां भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि से पहले आज बहनों को 1500 रुपए की सौगात मिल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना योजना में बहनों को योजना की 34वीं किश्त प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार से अधिक बहनों के खाते में 1 हजार 836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। इनमें ग्वालियर जिले की 3 लाख 16 हजार से अधिक लाड़ली बहनें भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रदेश की हर लाड़ली बहनों के खाते में हर महीने 1500 रुपये भेजे जा रहे हैं। लाड़ली बहन योजना में अब तक 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों को दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी लाड़ली बहनों से अपील करते हुए कहा कि वे हर महीने मिलने वाली इस राशि से अपनी बेहतरी के लिए कोई भी रुचिकर काम-धंधा शुरु करें और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में योगदान दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर जिले को 121 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत वाले 54 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने सिंगल क्लिक से लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत के 35 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लगभग 62 करोड़ रुपये की लागत वाले 19 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें 39 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से कुलैथ घाटीगांव में शासकीय सांदीपनि विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2 महीने बाद लाड़ली बहना योजना के 3 साल पूरे हो जाएंगे। इन 3 सालों में प्रदेश की बहनों की जिन्दगी जिस तरह से बदली है, वह भूतो न भविष्यति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जनवरी 2024 से फरवरी 2026 तक 42 हजार 308 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि बहनों के खाते में भेजी गई है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की बहनें अब आत्म-निर्भर बन गई हैं। अब वे मजबूर नहीं, मजबूत हो गई हैं। इस योजना ने बहनों को न केवल आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया है, बल्कि इन्हें रिस्क लेने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के सपने देखने की हिम्मत भी दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर मध्यप्रदेश का गौरव है। ये धरती शक्ति के आशीर्वाद से सिंचित है और शक्ति की उपासना से ही हमारा संसार सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र मध्यप्रदेश के साथ देश की इकॉनामी डेवलपमेंट में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। कभी बीहड़ों के लिए मशहूर रहा यह क्षेत्र हमारी सरकार के प्रयासों से आज औद्योगिक गतिविधियों का नया केन्द्र और प्रगति का नया उदाहरण बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित एवं कन्या पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित मातृ शक्ति पर पुष्प-वर्षा कर उन्हें आदरपूर्वक नमन किया। स्थानीय प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का गज़माला से सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र, स्व-सहायता समूह के चेक एवं मुद्रा योजना के चेक भी सौंपे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में हमारी सरकार ने लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत गत नवंबर माह से मासिक सहायता में 250 रुपये की वृद्धि की है, जिससे अब पात्र हितग्राही बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार अब लाड़ली बहना योजना से जुड़ी महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि उन्हें कौशल उन्नयन, रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों से भी जोड़ा जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस दिशा में हमारी सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर जिले को आज करीब 122 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2024 से अब तक ग्वालियर में 220 औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। यहां 12 हजार 500 करोड़ के निवेश से हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और लोगों की जिंदगी बदलेगी। सीतापुर में फुटवियर क्लस्टर का निर्माण किया जा रहा है। मुरैना में हाइड्रोजन निर्माण के लिए नया कारखाना लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिवपुरी के कूनो नेशनल पार्क में चीता अपना कुनबा बढ़ा रहा है। माधव नेशनल पार्क अब टाइगर, घड़ियाल और कछुआ के लिए पहचान बना रहा है। किसान कल्याण वर्ष में हमारी सरकार ने किसानों को 40 रूपए बोनस देखकर गेहूं खरीदने का निर्णय लिया है। प्रदेश में पशुपालन एवं दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनू योजना की शुरुआत की गई है।

ओबीसी सर्टिफिकेट संबंधी आदेश ब्लॉक स्तर तक जारी हों

- सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मप्र महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष विभा पटेल ने कहा

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष विभा पटेल ने क्रीमी लेयर से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी अभ्यर्थी को क्रीमी लेयर में शामिल करने का निर्णय केवल उसके अभिभावकों की सैलरी के आधार पर नहीं किया जा सकता। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद ऐसे सभी लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही ओबीसी प्रमाणपत्र बनाए जाने संबंधी आदेश ब्लॉक स्तर तक जारी किए जाएं और इसकी सूचना राजपत्र में प्रकाशित कराई जाए, ताकि ओबीसी वर्ग के क्रीमी लेयर से जुड़े लोगों को व्यवहारिक दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

विभा पटेल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा है कि क्रीमी लेयर का निर्धारण करते समय केवल आय को आधार नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए अभिभावकों के पद और सेवा श्रेणी जैसे मानकों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह मामला उन अभ्यर्थियों से जुड़ा था जो यूपीएससी की परीक्षा में सफल हुए थे। उनके माता-पिता सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों या अन्य संस्थानों में कार्यरत थे। सरकार ने वर्ष 2004 के एक स्पष्टीकरण पत्र का हवाला देते हुए उनकी सैलरी को आय में जोड़ दिया था। इसके चलते कई सफल उम्मीदवारों को गलत तरीके से क्रीमी लेयर में शामिल कर दिया गया और वे नौकरी से वंचित रह गए। विभा पटेल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इंदिरा साहनी मामले के बाद वर्ष 1993 में जारी सरकारी आदेश का भी उल्लेख किया है। इस आदेश में क्रीमी लेयर तय करने के लिए अभिभावकों के पद को प्रमुख आधार माना गया है और सैलरी या खेती से होने वाली आय को इसमें शामिल नहीं किया जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 2004 का स्पष्टीकरण पत्र मूल नीति में बदलाव नहीं कर सकता। साथ ही सरकारी कर्मचारियों और सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) के कर्मचारियों के बीच भेदभाव करना समानता के अधिकार के खिलाफ है। विभा पटेल के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि छह महीने के भीतर प्रभावित उम्मीदवारों के मामलों पर पुनर्विचार किया जाए। आवश्यकता पडने् पर उनके लिए अलग से पद सृजित करने की भी व्यवस्था की जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस निर्णय से ओबीसी वर्ग के योग्य अभ्यर्थियों को न्याय मिलेगा और भविष्य में क्रीमी लेयर निर्धारण की प्रक्रिया अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी।

आईपीएस यादव और शापू केंद्र में एडीजी रैंक में इम्पैनल

भोपाल। एमपी कैडर के दो आईपीएस अधिकारियों को केंद्र सरकार ने एडीजी और उसके समकक्ष पैनल में इम्पैनल किया है। दोनों ही अधिकारी पहले से ही केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं। केंद्र सरकार द्वारा तीस आईपीएस अधिकारियों के इम्पैनल की सूची में एमपी से दो अधिकारी शामिल हैं। उधर एमपी कैडर के 2022 बैच के आईएएस अधिकारी रवि सिहाग एमपी छोड़ेंगे।

मध्यप्रदेश कैडर के 1998 बैच के जिन दो अधिकारियों को केंद्र सरकार की अपाइंटमेंट कमेटी ऑफ कैबिनेट ने एडीजी और उसके समकक्ष पद के लिए इम्पैनल किए जाने को मंजूरी दी है, उसमें आईपीएस अंशुमान यादव और साजिद फरीद शापू शामिल हैं। दोनों ही अधिकारियों को एडीजी पद के लिए इम्पैनल किए जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। ये अधिकारी केंद्र में सीनियर अधिकारियों का पूल विकसित करने के लिए इम्पैनल किए गए हैं। इनकी सेवाओं का उपयोग केंद्र की पुलिसिंग को और मजबूत करने में किया जाएगा।

2022 बैच के आईएएस सिहाग छोड़ेंगे एमपी

एमपी कैडर के 2022 बैच के आईएएस अधिकारी रवि कुमार सिहाग को केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) का नया कैडर अलॉट किया गया है। सिहाग का कैडर बदलाव उनके मैरिज की वजह से हुआ है। सिहाग ने एजीएमयूटी कैडर की आईएएस अधिकारी इशिता राठी के साथ विवाह किया है। इसके बाद डीओपीटी को दिए गए आवेदन पर कैडर कमेटी ने सिहाग के लिए नए कैडर को मंजूरी दे दी है। सिहाग जल्दी ही एमपी कैडर से रिलीव होंगे।

भाजपा विधायक संजय पाठक पर कांग्रेस अचानक हमलावर

भोपाल। मप्र कांग्रेस कटनी जिले की विजयराघवगढ़ सीट से भाजपा विधायक संजय पाठक पर अचानक हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने एक बार फिर पाठक को सहारा समूह की जमीनें खरीदने, गरीब लोगों की जमीन खरीदने और परिजनों की खनन कंपनियों से 443 करोड़ की टैक्स वसूली मामले में घेरा हैं। कांग्रेस ने यह मामले तब उठाए हैं, जब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 14 मार्च को विजयराघवगढ़ दौरे पर जा रहे हैं। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू कहा कि विधानसभा में दिए गए आधिकारिक उत्तर के अनुसार विधायक संजय पाठक की पारिवारिक कंपनियों पर लगभग 443 करोड़ रुपये की वसूली लंबित है? क्या अब यह वसूली हो पाएगी। इतना ही नहीं संजय पाठक पर लगभग 1143 एकड़ जमीन जनजाति वर्ग के लोगों के नाम पर खरीदने के आरोप हैं। सहारा समूह की 309 एकड़ जमीन के मामले में संजय पाठक के परिजनों की कपंनियों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं। नगर सुधार न्यास कटनी की योजना क्रमांक 15 की भूमि, जो 311 परिवारों को आवंटित की जानी थी, उस पर अवैध कब्जे के आरोप लगे हैं। क्या इस मामले में कार्रवाई होगी। कांग्रेस ने यह भी मामला उठाया है कि विधायक संजय पाठक ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को प्रभावित करने का प्रयास किया, जिसका उल्लेख न्यायालय के आदेश में भी किया गया है।

कांग्रेस अब ग्राम पंचायतों के वार्ड स्तर पर भी बनाएगी समिति

भोपाल। संगठन सृजन अभियान से उत्साहित कांग्रेस अब ग्राम पंचायत में वार्ड स्तर पर संगठन खड़ा करने जा रही है। वार्डों में समितियां बनेंगी, जिनमें पांच से 10 लोग होंगे। इसमें लगभग 50 प्रतिशत भागीदारी युवाओं की रहेगी। इसी तरह से शहरों में वार्ड स्तर पर समिति बनाने के बाद मोहल्ला स्तर पर समिति बनेगी। इसके आगे प्रत्येक मोहल्ले में 30 घरों के बीच एक समन्वयक बनाने की योजना है। यह पूरी तैयारी वर्ष 2027 में स्थानीय निकाय, 2028 में विधानसभा और वर्ष 2029 में लोकसभा चुनावों की दृष्टि से की जा रही है।

समितियों में अध्यक्ष से लेकर सदस्य तक की नियुक्ति को विदिशा माडल की तरह सत्यापित किया जाएगा। समितियों के गठन में फर्जीवाड़ा न हो, इसके लिए सभी के फोन नंबर और फोटो लिए जाएंगे। इनके इंटरनेट मीडिया समूह बनेंगे। बता दें कि अप्रैल 2024 में प्रारंभ हुए संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत पार्टी जिला, ब्लाक, मंडलम स्तर पर संगठन खड़ा कर चुकी है। हर स्तर पर संगठन में युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, एससी, एसटी और ओबीसी के कार्यकर्ताओं को स्थान दिया गया है। ऐसी ही व्यवस्था पंचायत और वार्ड समितियों में की जा रही है। इन समितियों के माध्यम कांग्रेस 15 लाख लोगों का संगठन तैयार करने की बात कह रही है। विदिशा जिले में कांग्रेस का संगठन कमजोर था, इसलिए यहां पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में वार्ड और पंचायत समितियों का गठन पिछले वर्ष किया गया। इसके बाद समितियों का सत्यापन भी किया गया। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में इसके लिए विशेष रूप से बनाए गए काल सेंटर के माध्यम से समिति के अध्यक्ष और सदस्यों का सत्यापन किया गया।

मप्र में चार साल में 58.5 फीसदी बढ़ी राजस्व प्राप्तियां

नीति आयोग की फिस्कल हेल्थ इंडेक्स रिपोर्ट में सामने आए आंकड़े

भोपाल। नीति आयोग द्वारा जारी दूसरी वार्षिक फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2026 की रिपोर्ट में मध्य प्रदेश के वित्तीय प्रबंधन की सराहना की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश ने 2021-22 से लगातार राजस्व अधिशेष बनाए रखा है। पिछले पांच वर्षों में राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों में 58.5 प्रतिशत और कर राजस्व में 62.52 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह सुधार मुख्य रूप से जीएसटी, आबकारी और व्यापार करों की प्रभावी वसूली से संभव हुआ है।

वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों में 58.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस अवधि में राज्य के कर राजस्व में 62.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें स्टेट जीएसटी, व्यापार एवं बिक्री कर तथा राज्य आबकारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय पर लगातार ध्यान बनाए रखा है, जो पिछले 5 वर्षों में लगभग दोगुना हो गया है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि राज्य सरकार बुनियादी ढांचे के निर्माण और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को प्राथमिकता दे रही है। देवड़ा के मुताबिक सडक़ों, स्कूलों व सिंचाई परियोजनाओं पर खास ध्यान दिया जा रहा है। 2023-24 में पूंजीगत व्यय 57,348 करोड़ था, जो 2025-26 के संशोधित अनुमानों में 30 प्रतिशत बढकर् 74,662 करोड़ तक पहुंच गया है।

कर्ज-पेंशन बोझ से चिंता

रिपोर्ट राज्य की अर्थव्यवस्था के दो पहलुओं को उजागर करती है। सकारात्मक पक्ष यह है कि प्रदेश ने लगातार रेवेन्यू सरप्लस की स्थिति बनाए रखी है, जो 2023-24 में बढकर् 12,488 करोड़ रुपए हो गया है। सरकार ने विकास कार्यों की गति बढ़ाने के लिए कैपिटल आउटले में भारी निवेश किया है, जो पिछले पांच वर्षों में 29,812 करोड़ से बढकर् 56,539 करोड़ तक पहुंच गया है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में भाजपा के पूर्व विधायक

सीएम को लिखी चिट्ठी, आज प्रदेशभर में कलेक्टरों को सौंपेंगे मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

भोपाल। 25 साल से अधिक समय से प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक के रूप में काम कर रहे शिक्षकों की सेवानिवृत्ति से पहले परीक्षा लेने के फैसले के विरोध में भाजपा के पूर्व विधायक मुरलीधर पाटीदार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उधर, शिक्षक संगठनों की ओर से आज प्रदेशभर में प्रदर्शन कर कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

सुसनेर से भाजपा के पूर्व विधायक मुरलीधर पाटीदार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को लिखे पत्र में कहा है कि प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में वर्षों से समर्पण भाव से अल्प वेतन पर शिक्षा दे रहे लाखों शिक्षक, जो शिक्षाकर्मी और संविदा शाला शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे, शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय से जारी पत्र के बाद प्रदेश का समग्र शिक्षक समाज हतप्रभ है कि इतने लंबे अनुभव और कार्यसिद्धि के बाद भी उन्हें शासकीय सेवा में स्वयं को फिर से साबित करना होगा। इस आदेश से भ्रम और व्यापक असंतोष की स्थिति बनी है। इससे शिक्षक समाज चिंतित और असुरक्षित महसूस कर रहा है तथा आंदोलन की ओर अग्रसर हो रहा है।

पाटीदार ने मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री से आग्रह किया है कि इस मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित निर्देश को निरस्त किया जाए। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और शिक्षा का अधिकार अधिनियम को ध्यान में रखते हुए शासन स्तर पर सकारात्मक पहल कर ऐसा मार्ग निकाला जाए, जिससे शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को किसी प्रकार की अपमानजनक प्रक्रिया से न गुजरना पड़े। आवश्यकता हो तो शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन भी किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो शिक्षक समाज उग्र आंदोलन की ओर बढ़ेगा और वे स्वयं भी उनके आंदोलन का समर्थन करेंगे।

सरकारी दफ्तरों में लागू होगा सिक्स-डे वीक

सीएम डॉ. मोहन यादव फिर बदलेंगे शिवराज का एक और फैसला

भोपाल। सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की लेटलतीफी और कामकाज में ढिलाई को लेकर सरकार सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है। सीएम मोहन यादव ने साफ संकेत दिए हैं कि यदि कार्यालयीन समय के पालन और कार्यसंस्कृति में सुधार नहीं हुआ तो प्रदेश के सरकारी दफ्तरों में फिर से छह दिन का कार्य सप्ताह (सिक्स-डे वीक) लागू किया जा सकता है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों में अपने काम के लिए अधिक समय मिल सकेगा। माना जा रहा है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का एक और फैसला मुख्यमंत्री मोहन यादव पलटने जा रहे हैं।

प्रदेश में कोरोना महामारी के दौरान सरकारी कर्मचारियों के लिए कामकाज का पैटर्न बदला गया था। पहले जहां सप्ताह में छह दिन कार्यालय खुलते थे, वहीं बाद में इसे पांच दिन का कार्य सप्ताह कर दिया गया। लेकिन समय के साथ लगातार यह शिकायत सामने आती रही कि कई कार्यालयों में कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचते और कामकाज प्रभावित होता है। हाल ही में मंत्रालय और अन्य विभागों में सुबह समय पर कर्मचारियों की उपस्थिति की स्थिति देखने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों की कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो पांच दिन के कार्य सप्ताह की व्यवस्था समाप्त कर फिर से छह दिन का पुराना सिस्टम लागू किया जा सकता है।

कोरोना के बाद बदला था कामकाज का ढांचा

कोरोना संकट के दौरान संक्रमण की स्थिति को देखते हुए सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए कार्य व्यवस्था में बदलाव किया था। उस समय कर्मचारियों की संख्या सीमित रखकर काम कराया जा रहा था और बाद में सप्ताह में छह दिन के स्थान पर पांच दिन काम करने का निर्णय लिया गया। अब जबकि महामारी का खतरा समाप्त हो चुका है और जनजीवन सामान्य हो गया है, ऐसे में कामकाज की पुरानी व्यवस्था पर लौटने पर विचार किया जा रहा है।

बाहर से आने वाले लोग होते हैं परेशान

मंत्रालय और बड़े विभागों में काम कराने के लिए प्रदेश के अलग-अलग जिलों से नागरिक भोपाल आते हैं। कई बार उन्हें सोमवार को ही अधिकारियों से मुलाकात का समय मिलता है। ऐसे में यदि शुक्रवार को काम पूरा नहीं हो पाता तो लोगों को दो दिन तक राजधानी में रुकना पड़ता है। इससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ता है। कई लोगों की शिकायत रहती है कि मंत्रालय में सोमवार को सुबह कर्मचारी समय पर उपलब्ध नहीं होते और शुक्रवार को दोपहर बाद कामकाज लगभग बंद हो जाता है। इससे दूर-दराज से आने वाले नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

लंच ब्रेक के बाद भी घटती है मौजूदगी

सरकारी दफ्तरों में लंबे लंच ब्रेक और बीच-बीच में चाय-नाश्ते के कारण भी काम प्रभावित होने की शिकायतें मिलती रही हैं। कई बार देखा गया है कि दोपहर के भोजन के बाद कर्मचारियों की उपस्थिति कम हो जाती है और आम लोगों को काम के लिए इंतजार करना पड़ता है।।सरकार का मानना है कि यदि सप्ताह में छह दिन कार्यालय खुलेंगे तो नागरिकों को काम कराने के लिए अधिक समय मिलेगा और प्रशासनिक कामकाज की गति भी बढ़ेगी। इसी कारण कार्यालयीन अनुशासन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

समयपालन पर बढ़ेगी निगरानी

सरकार ने यह भी संकेत दिए हैं कि कार्यालयों में समयपालन सुनिश्चित करने के लिए आकस्मिक निरीक्षण की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली पर नियमित निगरानी रखें। सरकार का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में ऐसी व्यवस्था स्थापित करना है, जिससे आम नागरिकों को बिना अनावश्यक प्रतीक्षा के अपने काम कराने की सुविधा मिल सके। यदि कर्मचारियों की कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ। तो आने वाले समय में प्रदेश के सरकारी दफ्तरों में फिर से छह दिन का कार्य सप्ताह लागू किया जा सकता है।

मप्र में स्टाफ नर्स भर्ती में भारी विसंगति

भोपाल। मध्यप्रदेश में नर्सिंग घोटाले के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही गंभीर संकट से जूझ रही है। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में हजारों स्टाफ नर्स के पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं, जिससे मरीजों को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। ऐसी स्थिति में प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में स्टाफ नर्स की भर्ती निकाली गई है, जो न केवल आश्चर्यजनक बल्कि अत्यंत निराशाजनक है।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े दायित्व संभाल रहे राजेंद्र शुक्ला पर मध्यप्रदेश के रजिस्टर्ड हजारों नर्सिंग अभियार्थीयों के साथ छलावा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मप्र कर्मचारी चयन मंडल द्वारा घोषित इस तथाकथित बंपर भर्ती में पूरे प्रदेश के लिए मात्र 7 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि प्रदेश में हजारों पद रिक्त हैं।

आरक्षण के नियमों का पालन नहीं

रवि परमार ने बताया कि इस भर्ती में और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि इस भर्ती प्रक्रिया में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 00 पद निर्धारित किए गए हैं। यह सामाजिक न्याय और संविधान प्रदत्त आरक्षण व्यवस्था की भावना के विपरीत प्रतीत होता है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार आरक्षित वर्ग के योग्य अभ्यर्थियों के अधिकारों की अनदेखी कर रही है। रवि ने कहा कि भाजपा की सरकार द्वारा इस प्रकार की सीमित भर्ती और आरक्षण शून्य रखने का निर्णय न केवल युवाओं के साथ अन्याय है, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक कमजोर करने वाला कदम है। एनएसयूआई मांग करती हैं कि प्रदेश में रिक्त सभी स्टाफ नर्स पदों का वास्तविक आंकड़ा सार्वजनिक किया जाए। पारदर्शी एवं व्यापक स्तर पर हजारों पदों पर नियमित भर्ती निकाली जाए। संविधान सम्मत आरक्षण व्यवस्था का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। रवि परमार ने मध्यप्रदेश के सभी पंजीकृत नर्सिंग अभ्यर्थियों से अपील भी की हैं कि जब तक सरकार स्पष्ट रूप से पदों की संख्या और आरक्षण व्यवस्था को न्यायसंगत रूप में लागू नहीं करती, तब तक इस भर्ती प्रक्रिया का शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से बहिष्कार करें , युवा वर्ग के भविष्य और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय में संशोधन नहीं किया तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

शुभमन के लिए टी20 टीम में वापसी संभव नजर नहीं आती – आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि बल्लेबाज शुभमन गिल को टी20 टीम में जगह मिलने की कोई संभावना नहीं है। आकाश के अनुसार शुभमन की बल्लेबाज टी20 के अनुरुप नहीं है और ऐसे में उन्हें इसमें कप्तानी मिलने की उम्मीद तो करनी ही नहीं चाहिये। आकाश के अनुसार उनके लिए तो इस सबसे छोटे प्रारुप में जगह बनाना भी मुश्किल है। शुभमन अभी टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान हैं। वह पिछले साल टी20 में वापसी में सफल रहे थे पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। एशिया कप में उन्हें उपकप्तान बनाया गया था पर वह टीम को आक्रामक शुरुआत नहीं दे पाये। वह वापसी के बाद 15 मैचों में एक बार भी पचास रन नहीं बना पाये। इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिली थी। शुभमन ने भारतीय टीम की ओर से 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा।

आकाश ने कहा,शुभमन के लिए वापसी बेहद कठिन है। भारतीय टीम की बड़ी सोच थी कि तीनों प्रारुपों का एक कप्तान होना चाहिए ताकि आसानी हो पर ये संभव नहीं दिखता। वह टेस्ट और एकदिवसीय के कप्तान हैं लेकिन टी20 की कप्तानी नहीं मिल सकती। इस समय तो भारत की टी20 टीम में जगह मिलना भी कठिन है। अभी भारतीय टीम जिस अंदाज में खेल रही है। उसको देखते हुए बड़े स्कोर के लिए आक्रामक बल्लेबाजों की जरुरत होती है। ऐसे में उन्हें इस प्रारुप के प्रयास में एकदिवसीय की लय नहीं खोनी चाहिये। वहीं टीम से बाहर किए जाने के बाद शुभमन ने कहा था कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी अवसर मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि मैं वहीं हूं जहां मुझे होना चाहिए। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। जाहिर है एक खिलाड़ी के तौर पर आपको यह विश्वास होता है कि अगर आप विश्व कप में खेलते हैं। तो आप अपनी टीम के लिए और अपने देश के लिए जीत हासिल करेंगे। मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूं।

पोंटिंग ने टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच खिलाड़ियों में जैक्स को नंबर एक पर रखा

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच खिलाड़ियों के नाम बताये हैं। हैरानी की बात है कि पोंटिंग की इस सूची में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज संजू सैमसन को शीर्ष स्थान नहीं मिल पाया है जबकि भारतीय टीम की खिताबी जीत में इनका सबसे अधिक योगदान था। बुमराह फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच जबकि सैमसन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। पोटिंग ने अपनी सूची में इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स को नंबर एक स्थान पर रखा है। पोटिंग ने अपनी इस लिस्ट में जैक्स को 10 अंक देकर शीर्ष पर रखा है।

पोटिंग की इस सूची में सैमसन और बुमराह के अलावा पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान, न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट भी शामिल हैं। पोटिंग के अनुसार जैक्स के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही इंग्लैंड की टीम सेमीफाइनल तक पहुंच पाई थी हालांकि यहां उसे भारतीय टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जैक्स ने इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 4 प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड जीते थे।

पोटिंग ने सैमसन और बुमराह को 9.5 रेटिंग दिये हैं

सैमसन 321 रनों के साथ इस टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्हें केवल 5 ही मैच खेलने का अवसर मिला। वहीं जसप्रीत बुमराह संयुक्त रूप से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। पोटिंग ने इसके अलावा न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट को 9 रेटिंग अंक देकर चौथे स्थान पर रखा है। वहीं पाक के फरहान पांचवे नंबर पर रहे। पोंटिंग ने उन्हें 8.5 रेटिंग दी। फरहान ने सबसे अधिक 383 रन बनाए। वह एक टी20 वर्ल्ड कप एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, वहीं इस टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने दो शतक भी ठोके। हालांकि उनकी टीम को सुपर-8 से ही बाहर होना पड़ा। पोटिंग ने इसके अलावा न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट को 9 रेटिंग दी।

पिछले विश्वकप की तरह खेलते तो शायद ही जीत मिलती – सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि समय के साथ ही खेल की रफ्तार भी बदल रही है, ऐसे में आक्रामक अंदाज अपनाना सफल रहा। वहीं अगर अगर भारतीय टीम पिछले टी20 विश्व कप की तरह खेलती तो उसे इसबार शायद ही जीत मिलती। सूर्या का कहना है कि पिछली बार जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के समय भारतीय टीम जीती थी तब हालात अलग थे। वहीं अब अलग हैं। कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय टीम का खेल बेहद संतुलित और अनुभव पर आधारित माना जाता था। यह रणनीति 2024 तक प्रभावी रही पर दो साल बाद टी20 क्रिकेट की बदलती मांगों के सामने यह थोड़ी धीमी और पारंपरिक लगने लगी। इसी कारण सूर्यकुमार और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बार खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहा। इससे टीम में यह साफ संदेश दिया गया कि अब कोई भी खिलाड़ी निजी उपलब्धियों के पीछे न जाकर टीम की जीत के लिए खेलेगा। इसी कारण जरूरत के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को किसी भी क्रम पर उतारा गया। सूर्यकुमार ने कहा, हमें पता था कि 2024 टी20 विश्व कप में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला था, वह आगे काम नहीं करेगा। इसलिए हमने तय किया कि अब व्यक्तिगत रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं देंगे, हमारा ध्यान सिर्फ मैच जीतना होगा। इसी कारण सेमीफाइनल तक हमारे किसी भी खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वालों या सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में नहीं था पर इसके बाद भी हम जीत रहे थे। इस कारण है कि हर खिलाड़ी योगदान दे रहा था। उन्होंने आगे कहा कि इस सोच को टीम में शुरू से ही मजबूत करना जरूरी था।वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से भी माना है कि साल 2024 और 2026 की टीमों के बीच अंतर था। उनका मानना है कि 2024 की टीम अनुभव से भरी थी पर उसमें इतनी आक्रामकता नहीं थी। तब रोहित आक्रामक होकर खेलते थे जबकि विराट एक छोर संभाले रहते थे। वहीं अब टीम में कम अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनमें आक्रामकता और आत्मविश्वास भरा हुआ है। टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, जबकि अभिषेक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ी अपनी अलग शैली के साथ विरोधी टीम पर दबाव बना देते हैं।

सनराइजर्स के पाक खिलाड़ी को खरीदने से काव्या मारन पर भड़के लोग

लंदन। आईपीएल से जुड़ी सनराइजर्स समूह की प्रमोटर काव्या मारन 'द हंड्रेड' लीग की नीलामी में एक पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदने के बाद से ही लोगों के निशाने पर गई हैं। सनराइजर्स समूह की लंदन स्थित फ्रेंचाइजी 'सनराइजर्स लीड्स' ने पाक के रहस्यमयी स्पिनर अबरार अहमद को 2.34 करोड़ रुपये में खरीदा है। ये वही अबरार है जो अपने भारत विरोधी बयानों के लिए जाना जाता है। अबरार इस प्रकार आईपीएल से जुड़ी किसी फ्रेंचाइजी द्वारा खरीदे जाने वाले पहले पाक खिलाड़ी बन गए हैं। इस प्रकार पाक खिलाड़ी का खरीदे जाने से काव्य पर लोग भड़क गये है। इन लोगों की नाराजगी इसलिए भी है क्योंकि अबरार हमेशा से ही भारत-विरोधी रहे हैं। अबरार ने कई बार भारतीय टीम का मजाक उड़ाया था।

सैमसन के होने से राजस्थान के खिलाफ पहले ही मुकाबले में भारी पड़ेगी सीएसके – इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के अनुसार आईपीएल में इस बार बल्लेबाज संजू सैमसन के आने का लाभ चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को मिलेगा। आईपीएल नीलामी के पहले ही ट्रेड डील के तहतर ही सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को हासिल कर लिया था। पठान के अनुसार जिस प्रकार का जबरदस्त प्रदर्शन विश्वकप में सैमसन ने किया है। उससे वह काफी अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उनके होने भर से राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ होने वाले शुरुआती मैच में सीएसके की टीम के पास जीत के अधिक अवसर रहेंगे। पठान के अनुसार, सैमसन लंबे समय तक रॉयल्स में शामिल रहे हैं। ऐसे में उन्हें टीम की रणनीति के अलावा, खिलाड़ियों के खेलने के तरीके का भी अंदाजा है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा। सीएसके ने सैमसन को लगभग 18 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वहीं इसके बदले में सैम कुरम और अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स की टीम में चले गए। पठान के अनुसार सैमसन के होने से टीम को रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि सैमसन लंबे समय तक राजस्थान में रहे है और जानते हैं कि टीम केपावरप्ले में किस प्रकार खेलती है, बीच के ओवरों में उनकी रणनीति क्या होती है और गेंदबाजी संयोजन कैसे काम करता है।सीएसके अपना पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में खेलेगी। संजू सैमसन एक दशक से भी अधिक समय तक राजस्थान रॉयल्स का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2013 में टीम के साथ अपना सफर शुरू किया और जल्द ही टीम के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हो गए। बाद में उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंपी गई। आईपीएल में सैमसन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 150 से ज्यादा पारियां खेलते हुए 4,000 से अधिक रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और कई अर्धशतक दर्ज हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से अधिक रहा है। ऐसे में वह लीग के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक हैं।

द हंड्रेड लीग की नीलामी में सबसे महंगे बिके कोल्स

लंदन। इंग्लैंड में हुई द हंड्रेड लीग के लिए हुई पुरुष क्रिकेटरों की नीलामी में काउंटी क्रिकेट खेलने वाले 21 साल के ऑलराउंडर जेम्स कोल्स सबसे महंगे बिके हैं। कोल्स को लंदन स्पिरिट ने करीब 4.1 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर खरीदा है। यह 'द हंड्रेड' में किसी खिलाड़ी को मिली अब तक की सबसे बड़ी रकम है। इस लीग में पहले ड्राफ्ट सिस्टम होता था पर इस बार खुली नीलामी की प्रक्रिया से बोली लगी। कोल्स का जन्म बकिंघमशायर में हुआ था। वह दाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही बाएं हाथ के स्पिनर भी हैं। कोल्स ने केवल 16 साल की उम्र में साल 2020 में ससेक्स की ओर से पहली बार खेला था। वह ससेक्स काउंटी में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। वह 'पार्ट-टाइम' गेंदबाजी करने के साथ ही बीच के ओवरों में विकेट भी लेते हैं।

टी20 विश्वकप से फिर चमके ईशान किशन

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने इस साल की शुरुआत से ही काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए टी20 विश्कप में जबरदस्त बल्लेबाजी कर अपने को साबित किया है। ईशान किशन को ये असफलत ऐसे ही नहीं मिली। करीब दो साल टीम से बाहर रहने के बाद घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन के बल पर वह आज विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। ईशान किशन का चयन शुरुआत में विश्वकप कप में बतौर वैकअप ओपनर और बैकअप विकेट कीपर के रूप में हुआ था क्योंकि टीम में पहले से ही संजू सैमसन थे पर किस्मत ने ईशान का साथ दिया। विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में तिलक वर्मा के चोटिल होने से ईशान को नंबर-3 पर खेलने का मौका मिला।

धोनी का निचले क्रम पर उतरना सहित नहीं – पुजारा

ऊपर क्रम पर बदल सकते हैं मैच

चेन्नई। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भले ही 44 साल के हो गये हैं पर इसके बाद भी उनके खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लाभ ही होगा। पुजारा के अनुसार धोनी अगर 20 से 30 गेंदों का भी सामन करते हैं तो भी वह मैच बदल सकते हैं। गौरतलब है कि बढ़ती उम्र और फिटनेस की दिक्कतों के कारण धोनी पिछले कुछ समय से निचले क्रम पर ही उतर रहे हैं पर पुजारा का मानना है कि ये सही नहीं है। उनका कहना है कि धोनी का निचले क्रम पर खेलने का फैसला सही नहीं है। वह ऊपरी क्रम पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुजारा ने कहा, 'मुझे धोनी के नंबर 8 या 9 पर बल्लेबाजी करना सही नहीं दिखता क्योंकि आज भी उनकी बल्लेबाजी ऐसी है कि वह मैच का रुख मोड़ सकते हैं। निचले क्रम पर अगर वह सिर्फ 5 या 10 गेंद खेलकर ही प्रभावित कर सकते हैं तो 25 या 30 गेंदें खेलने पर तो तूफान ही मचा देंगे।.' पुजारा का मानना है कि धोनी जिस प्रकार के हिटर हैं उसको देखते हुए उन्हें ऊपरी क्रम पर भेजा जाना चाहिये। पुजारा ने कहा कि सीएसके के ड्रेसिंग रूम का माहौर काफी अच्छा रहता है। इसी कारण टीम और खिलाड़ी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते हैं। खिलाड़ियों को मालूम होता है कि उनसे टीम किस प्रकार की उम्मीदें करती है। इसी कारण सीएसके में रहने वाला हमेशा उसके साथ बना रहता है। वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन के अनुसार हमेशा ही आईपीएल से पहले धोनी की फिटनेस और उनके हर मैच खेलने को लेकर भी अटकलें रहती हैं पर ये तय है कि वह अंतिम ग्यारह में बने रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा टी20 विश्वकप का अगला सत्र

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप का 11 वां सत्र अब साल 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में संयुक्त रुप से खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 21 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2028 के बीच होगा। इस प्रकार साल 2022 के बाद ऑस्ट्रेलिया को दूसरी बार इस वैश्विक इवेंट की मेजबानी का अवसर मिलेगा। वहीं न्यूजीलैंड में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी डेम थेरेसी वॉल्श के पास है। वाल्श के अनुसार ये मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी), सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी), एडिलेड ओवल और पर्थ का ऑप्टस स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के ईडन पार्क, वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होंगे। इसमें 20 टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में भी आईसीसी का साल 2024 का ही प्रारुप लागू रहेगा। इस टूर्नामेंट के लिए 12 टीमों को स्थान मिल गया है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मेजबान होने के कारण पहले ही जगह मिल गयी है। वहीं इस साल की विजेता भारतीय टीम के अलावा, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे. को भी इसमें रैंकिंग के आधार पर जगह मिली है। इसके अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश और आयरलैंड को भी शामिल किय गया हैं। वहीं बचे 8 स्थानों के लिए रीजनल क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट इस साल के बीच में शुरू होंगे। अमेरिका और यूरोप में उप-रीजनल क्वालीफायर आयोजित किए जाएंगे, जिससे एसोसिएट देशों को भी 20 टीमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका में नजर आयेंगे दहिया

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया को अपना नया सहायक कोच बनाया है। दहिया कोच के तौर पर काफी सफल रहे हैं। वह दो बार की खिताब विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) में भी सहायक कोच रहे है। इसके अलावा उनके कोच रहते ही दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब भी जीता था। अब देखना है कि गुजरात को दहिया से कितना लाभ मिलता है। इससे पहले टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बल्लेबाजी कोच नियुक्त था। ऐसे में दहिया को उनके साथ मिलकर टीम की बल्लेबाजी को निखारना होगा।

गुजरात टाइटंस को उम्मीद है कि दाहिया के होने से टीम का कोचिंग स्टाफ और बेहतर तरीके से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर पायेगा। दहिया ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के साथ ही दो टेस्ट मैच भारतीय टीम की ओर से खेले हैं। खेल से संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर घरेलू क्रिकेट में दिल्ली के साथ जुड़े रहे हैं। दहिया के कोच रहते ही साल 2007-08 सत्र में दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब जीता और उसके बाद से वह कई अन्य घरेलू और आईपीएल टीम के भी कोच रहे हैं। गुजरात की टीम आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम में से एक हैं। वह अपने शुरुआती चार सत्र में से तीन में प्ले ऑफ में पहुंची और उसने एक बार खिताब भी जीता है।

दहिया से पहले गुजरात ने हेडन को बल्लेबाजी कोच बनाया है जिसका भी लाभ टीम को मिलेगा। हेडन एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उन्हें टी20 में बल्लेबाजी का व्यापक अनुभव है और वह इसकी बारीकियों को समझते हैं। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, हेडन की नियुक्ति हमारे सफर के महत्वपूर्ण मोड़ पर की गई है। शीर्ष स्तर पर उनका अनुभव और उभरती प्रतिभाओं को मार्गदर्शन देने की उनकी क्षमता आगामी सत्र में हमारे लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। वहीं हेडन ने कहा, अच्छी बल्लेबाजी दबाव बनाती है। शानदार बल्लेबाजी खेल पर अपना दबदबा बनाती है। गुजरात टाइटंस में हम यही मानक स्थापित करना चाहते हैं।

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

मुम्बई । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगाता कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है।

वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं, जिसके बाद जुलाई में वह सीमित ओवरों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान 5 टी20 के साथ ही 3 एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच दो नए दौरे भी जुड़ सकते हैं। इंग्लैंड पहुंचने से पहले भारत डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की छोटी सीरीज खेल सकता है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट समुद्री तूफान 'दित्वह' से हुए नुकसान की कमी पूरी करने के लिए भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से पहले तीन टी20 मैच खेलने का अनुरोध कर सकती है।

वहीं भारतीय टीम को सितंबर में अपनी ही धरती पर वेस्टइंडीज से 3 एकदिवसीय और 5 टी20 खेलने हैं।

रमनदीप को आईपीएल में इस बार बेहतर प्रदर्शन का भरोसा

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर रमनदीप सिंह को भरोसा है कि वह इस बार बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे। रमनदीप ने कहा कि पिछले एक साल से उन्होंने अपने को मानसिक रूप से मजबूत बनाने के साथ ही बल्लेबाजी में निरंतरता लाने का अभ्यास किया है। जिसका भी उन्हें लाभ मिलेगा। रमनदीप के अनुसार टीम के पास शेन वॉटसन और आंद्रे रसेल जैसे कोच हैं जिनसे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है। वॉटसन इस सत्र में केकेआर के साथ सहायक कोच के रूप में जुड़े हैं, जबकि रसेल टीम में पावर कोच की भूमिका में हैं। इसी को लेकर रमनदीप ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों का डगआउट में होना टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगा। रमनदीप साल 2024 में केकेआर से जुड़े थे और तभी से टीम के साथ बने हुए हैं। उन्होंने अब तक आईपीएल में 167.9 के स्ट्राइक रेट से 172 रन बनाए हैं और 6 विकेट भी अपने नाम किए हैं।रमनदीप का इस बार घरेलू क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन रहा है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने पंजाब की ओर से ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी के दौरान 9 विकेट भी लिए। रमनदीप ने कहा कि इस सत्र में उनका पूरा ध्यान मैच के अनुसार खेलने पर रहेगा। उन्होंने कहा, मैं हर बार बल्लेबाजी करने जाते समय संभावित हालातों के अनुसार खेलने का प्रयास करता हूं। इसके साथ ही वह पिच के अनुसार खेलने का प्रयास करते हैं। रमनदीप ने कहा कि अगर अवसर मिला तो वह गेंदबाजी में भी अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। केकेआर ने अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी थी। वहीं अब टी का प्रयास इस बार बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। केकेआर लीग में अपना पहला मुकाबला 29 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस से खेलेगी।

Phone No. 07632 – 242443 website: gpcbalaghat.ac.in email : prinpoly.bgt@mp.gov.in

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेकनिक महाविद्यालय बालाघाट म0प्र0

क्र./शापोमबा/स्टोर./3-2026/304 बालाघाट दि. 12/03/2026

निविदा सूचना

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, बालाघाट द्वारा एयर कंडीशनर क्रय किए जाने के लिए GeM पोर्टल पर ई-निविदा आमंत्रित की गई है। जिसकी जानकारी निम्नानुसार है:-

S. No	Description	No/Date
1	Split Air Conditioner(Split AC)	7
2	Bid No & Date	GEM/2026/B/7349245; Dt. 12/03/2026
3	Bid End date & Time	24/03/2026 at 3.00PM
4	Bid Opening Date	24/03/2026 at 3.30PM

इच्छुक एवं पात्र विक्रेता GeM पोर्टल के माध्यम से अपनी ऑनलाइन बिड प्रस्तुत कर सकते हैं।निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन / परिशिष्ट / स्पष्टीकरण केवल GeM पोर्टल पर ही उपलब्ध कराया जाएगा।

जी-27232/25

'स्वच्छता ही सेवा'

प्र.प्राचार्य
शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय
बालाघाट (मध्यप्रदेश)

मिडिल ईस्ट की जंग से भारत पर मंडरा रहा आर्थिक संकट...

पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत और शेयर बाजार में गिरावट से जनता बेहाल...

सरकार का दावा : हर दिन बांटे जा रहे 50 लाख सिलेंडर

हकीकत : देशभर में हो रही एलपीजी की कालाबाजारी

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में चल रही अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर भारत में दिखने लगा है। पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत से जनता परेशान है। हालांकि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को जानकारी दी कि एलपीजी सिलेंडर गैस बुकिंग बढकर 75-76 लाख प्रतिदिन हो गई है, यह आम दिनों में 50 से 55 लाख के बीच रहती थी। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मीडिया को बताया कि हर दिन 50 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घबराकर बुकिंग कराने की कोई जरूरत नहीं है, किसी भी एलपीजी डीलर के पास एलपीजी की कमी नहीं है। जबकि हकीकत यह है कि लोगों को गैस मिल नहीं रही है। वहीं कालाबाजारी में दोगुनी-तीनगुनी दर पर एलपीजी मिल रही है।

गैस सिलेंडर को लेकर सडक़ से संसद तक प्रदर्शन और भी हंगामा देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के नारों के बीच इसे 2 बार स्थगित कर दिया गया। संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने सिलेंडर के साथ प्रदर्शन किया। इस दौरान मोदीजी और एलपीजी, नरेंदर गायब, सिलेंडर भी गायब के नारे लगे। प्रदर्शन में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई नेता शामिल रहे।

कहीं डबल रेट तो कहीं अवैध स्टोरेज

ईंधन की कथित कमी की खबरों के बीच दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में लोग पेट्रोल पंपों और एलपीजी वितरण केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में खड़े नजर आ रहे है। आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ रेस्तरां, स्कूलों और खानपान सेवाओं का कामकाज भी प्रभावित होने लगा है। दिल्ली, उत्तराखंड, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, असम आदि राज्यों में लोग कतारों में देखे गए। इस मुसीबत की घड़ी में कुछ लोगों ने गैस की कालाबाजारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने 11 मार्च की रात हापुड़ में एक आरोपी के घर पर छापा मारकर घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण का भंडाफोड़ किया। एफआईआर के मुताबिक, पुलिस ने बड़ी मात्रा में सिलेंडर बरामद किया, जिसमें हिंदुस्तान पेट्रोलियम गैस के 18 भरे हुए घरेलू सिलेंडर और 14 खाली सिलेंडर शामिल हैं। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने कथित तौर पर कबूल किया कि वह अलग-अलग डीलरों से भरे हुए सिलेंडर खरीदता था और उन्हें स्थानीय ग्राहकों को प्रति सिलेंडर 20-30 रुपये के मुनाफे पर बेचता था। उसने यह भी दावा किया कि वह लगभग एक साल से यह अवैध धंधा चला रहा था।

भोपाल में कालाबाजारी का धंधा सामने आया

इधर, भोपाल में भी गैस की कालाबाजारी का धंधा सामने आया है। यहां के अशोका गार्डन इलाके में स्टोव ठीक करने वाली दुकानें कथित तौर पर एलपीजी की अवैध रिफिलिंग और कालाबाजारी का एक नेटवर्क चला रही हैं। ये दुकानें सिलेंडर को सरकारी कीमत से सैकड़ों रुपये ज्यादा दाम पर बेच रही हैं, जबकि दूसरी तरफ जरूरतमंद परिवार खाना पकाने वाली गैस पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भी ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां ब्लैक में सिलेंडर बेचने वालों पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने एजेंसी मालिक और दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही ऐसी कृत्य में शामिल लोगों को सख्त चेतावनी दी है। इस संबंध में

गोरखपुर एसपी ने कहा कि जनपद के गीडा थानाक्षेत्र के नौसड़ पर बुधवार 11 मार्च को ट्रकों से आए सिलिंडरों को गोदाम पर भेजने की बजाय ब्लैक मार्केटिंग करते पाया गया। उन्होंने कहा कि आपूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर इस मामले में गैस एजेंसी मालिक और दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुसीबत के समय में इस तरह के कृत्य में शामिल लोगों को खिलाफ तत्परता से कार्रवाई करने और आम लोगों की मदद के लिए संकल्पित है।

शेयर बाजार की मंदी से अर्थ व्यवस्था को भारी नुकसान!

मुंबई। मार्च माह में भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर जारी है। प्रमुख सूचकांक मुंबई स्टॉक एक्सचेंज मे लगभग 3000 अंकों, निफ्टी 50 में लगभग 900 अंकों की गिरावट हुई है। शेयर बाजार का सेंसेक्स 75000 के नीचे आ गया है। भारतीय शेयर बाजार की पूंजी को 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है। जिसके कारण निवेशकों में भारी घबराहट है। बाजार में भगदड़ की स्थिति बन गई है। इस गिरावट का असर देश की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं जिसमे भारतीय जीवन बीमा निगम, बैंकों, म्यूचुअल फंडों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जिनके निवेश का बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में है। शेयर बाजार की गिरावट के कारण अरबों रुपये की पूंजी कंपनियों की घाटे की भेंट चढ़ गई है। जिसके कारण भारतीय अर्थ व्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। इसका असर बाजार में दिखने लगा है। जिसके कारण निवेशकों और भारतीय कंपनियों में भारी घबराहट है।

एक दिन में 10 लाख करोड़ स्वाहा

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। सेंसेक्स 1470 अंक (1.93 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 74,564 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 488 अंक (2.06 प्रतिशत) की गिरावट रही, ये 23,151 पर आ गया है। मेटल, ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही। बाजार गिरने की मुख्य वजहें-अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ गई है। कच्चे तेल के दाम बढने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी और अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर पड़ा है। तेज बिकवाली के चलते बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण से करीब 10 लाख करोड़ रुपये साफ हो गए। वहीं रुपया 20 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.45 (अस्थायी) के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।

जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशियाई संघर्ष को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते वैश्विक बाजार कमजोर और अनिश्चित स्थिति में हैं। अमेरिकी बाजारों में कमजोरी इस बात का संकेत देती है कि बाजार में सुधार आने में अभी कुछ समय लगेगा। ब्रेंट क्रूड का भाव लगभग 100 अमेरिकी डॉलर के आसपास होने से तेजी का रुख बना हुआ है। उन्होंने कहा कि एफआईआई द्वारा अपनी निरंतर बिकवाली रणनीति को जारी रखने के कारण, यहां तक कि लार्ज-कैप ब्लू-चिप्स भी दबाव में हैं।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली

घरेलू बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है। एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार को विदेशी निवेशकों ने करीब 7,049.87 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए। मार्च महीने में अब तक विदेशी निवेशक 39,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली कर चुके हैं।

रुपये में रिकॉर्ड गिरावट

शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और कमजोर हो गया। रुपया 12 पैसे गिरकर 92.37 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.33 पर खुला और दिन में 92.37 तक गिर गया।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया...एक और महत्वपूर्ण समझौता करने की कगार पर भारत-अमेरिका

भारत अमेरिका का सबसे करीब दोस्त और कारोबारी पार्टनर

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर शुक्रवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उन्होंने भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों पर जोर देकर कहा कि आज की दुनिया में दोनों देशों की दोस्ती बहुत जरूरी है। अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्यक्तिगत तालमेल ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में निर्णायक भूमिका निभाई है। गोर ने महज दो महीने पहले अमेरिकी दूत के रूप में कार्यभार संभाला है, शुरुआत में ही साफ किया कि मोदी और ट्रंप ही वे दो एकमात्र डीलमेकर थे, जिन्होंने इस व्यापार समझौते को सफलता की दहलीज तक पहुंचाया। सर्जियो ने कहा कि ट्रंप के प्रशासन के दौरान भारत-यूएस संबंध और मजबूत हुए हैं, ट्रेड डील पर बात कर उन्होंने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अमेरिका का सबसे महत्वपूर्ण और विश्वसनीय पार्टनर बताया।

इस मौके पर अमेरिकी राजदूत गोर ने महत्वपूर्ण घोषणा की, उन्होंने बताया कि भारत और अमेरिका क्रिटिकल मिनरल्स पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बेहद करीब हैं। यह प्रगति दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के ढांचे पर बनी सहमति के ठीक कुछ दिनों बाद देखने को मिली है।

बात दें कि गोर इस समय भारत में अमेरिका के राजदूत के रूप में काम कर रहे हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने उन्हें दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत नियुक्त किया है। इसके पहले गोर व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति के सहायक और डायरेक्टर ऑफ प्रेसिडेंशियल पर्सनेल के पद पर थे। उनके नेतृत्व में पूरे संघीय सरकार में हजारों राजनीतिक नियुक्तियां रिकॉर्ड समय में की गईं।

व्हाइट हाउस से पहले, गोर ने ट्रंप जूनियर के साथ मिलकर विनिंग टीम पब्लिशिंग की स्थापना की थी। यह अमेरिका के प्रमुख कंजरवेटिव प्रकाशन संस्थानों में से एक है। इसी प्रकाशन ने राष्ट्रपति ट्रंप की बेस्टसेलर किताबें प्रकाशित कीं! गोर ने जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रीय राजनीति में लंबे समय तक काम किया है।

एलपीजी किल्लत से देशभर में हाहाकार, दिल्ली में कांग्रेस ने चूल्हे लेकर किया प्रदर्शन

-मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में सिलेंडर बुकिंग ठप जैसी -पंजाब में लाइन में लगे बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और इजरायल-अमेरिका की ईरान से जारी सैन्य संघर्ष के असर से देशभर में रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। कई राज्यों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं और सिलेंडर की कालाबाजारी तथा जमाखोरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। बढ़ती किल्लत के विरोध में शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए प्रदर्शनकारी अपने साथ मिट्टी के चूल्हे लेकर पहुंचे और सरकार से तत्काल आपूर्ति सामान्य करने की मांग की।

एलपीजी गैसे सिलेंडर संकट की स्थिति का असर अब अनेक राज्यों में साफ दिखाई दे रहा है। मध्य प्रदेश में गैस सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग लगभग ठप हो गई है। सर्वर डाउन होने की वजह से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर समेत कई शहरों में लोग सिलेंडर बुक नहीं कर पा रहे हैं। वेटिंग 7 से 8 दिन तक पहुंच गई है और गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से शाम तक लोगों की भीड़ लगी हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंजाब में स्थिति और गंभीर हो गई, जहां गैस सिलेंडर के लिए लाइन में खड़े एक बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वहीं बिहार के कई शहरों में पिछले चार दिनों से कॉमर्शियल सिलेंडर की बुकिंग बंद है। पटना और दरभंगा में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। दरभंगा में सुबह छह बजे से ही करीब 500 मीटर लंबी लाइन लगने की खबर है। मोतिहारी में सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लगे लोगों में झड़प होने की भी खबर है। अनेक जगहों पर स्थिति बद से बदतर होने की ओर अग्रसर है, ऐसे में अब लोग सड़कों पर उतरने का मन बना रहे हैं।

गैसे की कमी का सबसे ज्यादा असर होटल-रेस्टोरेंट पर

गैस की कमी का असर होटल और

रेस्टोरेंट कारोबार पर भी पड़ रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में होटल एसोसिएशन के मुताबिक करीब 2 हजार होटल और रेस्टोरेंट को पिछले चार दिनों से कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिले हैं। संकट के कारण इंडक्शन चूल्हों की कीमतें दोगुनी हो गई हैं और उनकी बिक्री सात गुना तक बढ़ गई है। दक्षिण भारत में भी हालात गंभीर हैं। केरला में रसोई गैस की भारी कमी के चलते लगभग 40 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। होटल उद्योग से जुड़े संगठनों का कहना है कि गैस न मिलने से कैटरिंग सेवाएं, हॉस्टल और कैंटीन भी प्रभावित हो रही हैं।

वहीं महाराष्ट्र सरकार ने एहतियात के तौर पर हर जिले में कंट्रोल रूम और निगरानी समितियां बनाने का फैसला किया है, ताकि एलपीजी की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था पर नजर रखी जा सके।

लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हे का सहारा

राजस्थान में भी कई रेस्टोरेंट और ढाबों ने गैस खत्म होने के कारण मेन्यू छोटा कर दिया गया है या अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। कुछ जगहों पर लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों से खाना बनाने की मजबूरी बन गई है। बढ़ती एलपीजी की किल्लत और कालाबाजारी के विरोध में जयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकालकर विरोध दर्ज कराया। इस प्रकार देशभर में बढ़ते गैस सिलेंडर संकट के बीच आम उपभोक्ताओं से लेकर होटल कारोबारी तक खासे परेशान नजर आ रहे हैं। सभी का एक ही सवाल है कि गैस आपूर्ति कब तक सामान्य होने की उम्मीद है?

रक्तदान से ट्रांसजेंडर और उच्च जोखिम वाले समूहों को बाहर रखने के फैसले पर केंद्र अडिग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, समलैंगिक पुरुषों और महिला सेक्स वर्कर्स को संभावित रक्तदाताओं की सूची से बाहर रखने के अपने निर्णय का पुरजोर बचाव किया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह कदम किसी समुदाय के प्रति भेदभाव की भावना से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक तथ्यों और स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों के आधार पर उठाया गया है। सरकार के अनुसार, इन विशिष्ट समूहों में एचआईवी और अन्य संक्रामक रोगों का प्रसार आम आबादी की तुलना में कहीं अधिक पाया गया है, जो रक्तदान की सुरक्षा प्रक्रिया के लिए एक बड़ा जोखिम हो सकता है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि राष्ट्रीय रक्त नीति का प्राथमिक लक्ष्य सबसे सुरक्षित डोनर पूल से रक्त प्राप्त करना है। उन्होंने अदालत को बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों और विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि इन समूहों में संक्रमण का खतरा सामान्य लोगों के मुकाबले 6 से 13 गुना तक अधिक होता है। ऐसी स्थिति में, उच्च जोखिम वाले समूहों से रक्त या उसके घटक प्राप्त करना राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के बुनियादी सिद्धांतों के विरुद्ध होगा।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा कि ट्रांसजेंडर, समलैंगिक पुरुषों और महिला सेक्स वर्कर्स में एचआईवी के अलावा हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी जैसे गंभीर संक्रमणों की दर भी काफी ऊंची है। मंत्रालय ने यह भी रेखांकित किया कि इस तरह के प्रतिबंध केवल भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दुनिया के कई विकसित और यूरोपीय देशों में भी यौन रूप से सक्रिय समलैंगिक पुरुषों और उच्च जोखिम वाले समूहों को रक्तदान से स्थायी रूप से वर्जित रखने के कड़े वैश्विक मानक लागू हैं। सरकार ने अदालत में इस बात पर विशेष जोर दिया कि यह मुद्दा केवल व्यक्तिगत अधिकारों या समानता के दावों तक सीमित नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए खून चढ़ाना जीवन बचाने का अंतिम विकल्प होता है। ऐसे में ट्रांसफ्यूजन-ट्रांसमिटेड इन्फेक्शन (रक्त चढ़ाने से होने वाले संक्रमण) के जोखिम को शून्य करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

चंबल सेंचुरी में अवैध खनन पर सीजेआई करेंगे सुनवाई

दिल्ली/भोपाल। राष्ट्रीय चंबल घडियाल वन्यजीव अभयारण्य में हो रहे अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मीडिया रिपोर्ट्स और सीएसआर की रिपोर्टों के आधार पर मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि संरक्षित क्षेत्रों में पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद रेत का अवैध खनन और परिवहन जारी है, जो लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए काल बन रहा है। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने बेहद गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जिन क्षेत्रों में घडियालों को छोड़ा गया था, वे इलाके भी अब अवैध खनन की चपेट में आ गए हैं। खनन माफियाओं के डर और प्राकृतिक आवास के विनाश के कारण घडियालों को विस्थापित होना पड़ रहा है। जस्टिस संदीप मेहता ने कहा कि हमने देखा है कि जिन संरक्षित क्षेत्रों में घडियाल संरक्षण कार्यक्रम चल रहा है, वहां अंधाधुंध खनन हो रहा है। इसके कारण घडियालों को विस्थापित होना पड़ रहा है। मामला अब उचित दिशा-निर्देशों के लिए प्रधान न्यायाधीश के समक्ष भेजा जाएगा।

पारिस्थितिक तंत्र पर मंडरा रहा खतरा

चंबल अभयारण्य का 435 किलोमीटर लंबा क्षेत्र घडियालों के अलावा रिवर डॉल्फिन, दुर्लभ कछुओं और पक्षियों का भी घर है। कोर्ट ने चिंता जताई कि संरक्षित क्षेत्र में रेत का परिवहन और खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है, फिर भी यह धड़ल्ले से जारी है। रेत इस पूरे ईको-सिस्टम का आधार है। इसके हटने से घडियालों के प्रजनन और रहने की जगह खत्म हो रही है। अवैध खनन न केवल वन्यजीवों बल्कि पूरे पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ रहा है।

तीन राज्यों की सीमा पर स्थित है सैंसिटिव जोन

1979 में अधिसूचित राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के त्रिकोणीय क्षेत्र पर स्थित है। इसे मुख्य रूप से लुप्तप्राय घडियालों को बचाने के लिए बनाया गया था, लेकिन अब यह माफियाओं की शरणस्थली बनता जा रहा है।

ड्रोन से गिराया गया संदिग्ध पैकेट, इलाके में हड़कंप

श्रीनगर। जम्मू के आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को एक संदिग्ध खेप बरामद हुई है। गुरुवार को देर रात लगभग 11:00 बजे, आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास बीएसएफ द्वारा एक संदिग्ध पैकेट बरामद की गई है। माना जा रहा है कि खेप को एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराया गया था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह खेप सीमावर्ती इलाके में एक लिपटे हुए पैकेट के रूप में मिली, इसका वजन करीब 1500 ग्राम था। सूचना मिलते ही, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और इलाके को सुरक्षित किया। बरामद किए गए पैकेट को अभी तक खोला नहीं गया है। बताया जा रहा हैं कि पैकेट को केवल मेटल डिटेक्टर से उचित जांच के बाद ही खोला जाएगा, ताकि इसके अंदर किसी भी विस्फोटक सामग्री की संभावना को पूरी तरह से खत्म हो सके। बरामद की गई खेप की आगे की जांच और तकनीकी परीक्षण जारी है।

पीरियड्स लीव पर अनिवार्य छुट्टी की याचिका पर सीजेआई का सुनवाई से इनकार, कहा

कानून बनाया तो महिलाओं को कोई काम नहीं देगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महिलाओं कर्मचारियों और छात्राओं के लिए देशभर में मासिक धर्म अवकाश नीति की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा, ऐसी नीति अनजाने में लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा दे सकती है और इससे महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि और नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से कतराने लगेंगे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऐसी मांगें अनजाने में महिलाओं के बारे में रूढ़िवादी सोच को भी मजबूत कर सकती हैं। अदालत ने टिप्पणी की कि मासिक धर्म को किसी कमजोरी या हीनता के रूप में पेश करना सही नहीं है। हालांकि, अदालत ने यह भी कहा कि संबंधित सक्षम प्राधिकारी इस विषय पर दी गई याचिकाकर्ता की

प्रतिनिधित्व पर विचार कर सकते हैं और सभी हितधारकों से परामर्श करके नीति बनाने की संभावना की जांच कर सकते हैं। यह याचिका शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने दायर की थी, जिसमें महिलाओं के लिए छात्रों और कामकाजी महिलाओं दोनों के लिए मासिक धर्म अवकाश की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी।

मासिक धर्म अवकाश पर केरल का दिया उदाहरण

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने बताया कि कुछ राज्य और संस्थान पहले ही इस दिशा में कदम उठा चुके हैं। उन्होंने केरल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां स्कूलों में कुछ राहत दी गई है और कई निजी कंपनियां भी स्वेच्छा से कर्मचारियों को यह अवकाश दे रही हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि स्वैच्छिक रूप से दी गई ऐसी सुविधाएं अच्छी हैं, लेकिन अगर इसे कानून के जरिए अनिवार्य बना दिया गया तो इसके सामाजिक और पेशेवर प्रभाव पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह धारणा बन सकती है कि महिलाओं को अतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी, जिससे उनके रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता पहले ही संबंधित अधिकारियों को इस विषय पर प्रतिनिधित्व दे चुके हैं, इसलिए बार-बार अदालत से आदेश मांगने की आवश्यकता नहीं है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रतिनिधित्व पर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया।

ओडिशा में राज्यसभा चुनाव में हो सकती 'हॉर्स ट्रेडिंग'....डरी कांग्रेस ने अपने विधायकों को बेंगलुरु भेजा

बेंगलुरु । राज्यसभा चुनाव से पहले ओडिशा की राजनीति में हलचल तेज है। क्रॉस वोटिंग की आशंका के बीच कांग्रेस ने अपने आठ विधायकों को बेंगलुरु भेज दिया है। कांग्रेस पार्टी नेताओं का कहना है कि विधायकों को संभावित 'हॉर्स ट्रेडिंग' से बचाने के लिए यह कदम उठाया है।

कांग्रेस विधायक दल के नेता रामचंद्र कदम ने कहा कि पार्टी के आठ विधायक बेंगलुरु के बाहरी इलाके में एक रिसॉर्ट में ठहराए गए हैं। उन्होंने कहा, हमारे विधायकों को बीजेपी की ओर से संभावित खरीद-फरोख्त के प्रयासों से बचाने के लिए उन्हें होटल में रखा गया है। उन्होंने बताया कि ओडिशा कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट हैं।

कांग्रेस के जिन विधायकों को बेंगलुरु भेजा गया है, उसमें पार्टी के चीफ व्हिप सीएस राजेन एक्का, प्रफुल्ल प्रधान, मंगु खिला, अशोक दास, पवित्र साउंता, राजन एक्का और कद्रका अप्पाला स्वामी शामिल हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, चार और विधायक शनिवार सुबह तक बेंगलुरु पहुंच सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि इन विधायकों की वापसी सोमवार को भुवनेश्वर में होगी और वे सीधे विधानसभा पहुंचकर राज्यसभा चुनाव में दत्तेश्वर होता के पक्ष में मतदान करने वाले है। होता को बीजद ने उम्मीदवार बनाया है और कांग्रेस उनका समर्थन कर रही है।

उधर, मुख्य विपक्षी दल बीजद ने भी अपने सभी विधायकों को सतर्क रहने को कह दिया हैं। पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने अपने आवास 'नवीन निवास' पर विधायकों की प्राथमिक बैठक बुलाई है। इस बीच कांग्रेस की विधायक सोफिया फिरदौस ने कहा कि उन्हें विधायकों के बेंगलुरु जाने की जानकारी नहीं है और उन्हें कहीं जाने की जरूरत नहीं है। बात दें कि ओडिशा से राज्यसभा की चार सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होना है और कुल पांच उम्मीदवार मैदान में हैं। 147 सदस्यीय विधानसभा में बीजद के पास 48 विधायक हैं, जबकि भाजपा के पास 79 विधायक और तीन निर्दलीयों का समर्थन है। भाजपा ने अपने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा सांसद सुजीत कुमार को उम्मीदवार बनाया है, जबकि पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय का समर्थन किया है। बीजद ने संत्रुप्त मिश्रा और दत्तेश्वर होता को उम्मीदवार बनाया है, जिसमें से होता को कांग्रेस का समर्थन मिला है।

न्यूज गैलरी

जमीन की रजिस्ट्री के दौरान पटवारी पर्ची की आवश्यकता नहीं

रजिस्ट्री के दौरान पटवारी की पर्ची लेना बंद करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिला पंजीयक एवं जिले के विभिन्न तहसीलों के उप पंजीयक को निर्देशित किया है कि जमीन की खरीदी बिक्री की रजिस्ट्री के दौरान पटवारी की पर्ची लेना तत्काल बंद करें। रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अनुसार जमीन की खरीदी बिक्री की रजिस्ट्री के दौरान दस्तावेजों में राजस्व विभाग का नक्शा एवं खसरा ही अपने आप में सम्पूर्ण दस्तावेज है। इसमें पदाभिहित अधिकारी द्वारा जारी नक्शा, स्थानीय प्राधिकारी द्वारा जारी नक्शा या आवेदक द्वारा स्वप्रमाणित नक्शा तीनों में से कोई एक प्रस्तुत किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि जिले के जिला पंजीयक एवं उप पंजीयक कार्यालयों में जमीन की रजिस्ट्री के दौरान पटवारी की पर्ची अनिवार्य रूप से ली जा रही थी। इसके बगैर जिला पंजीयक एवं उप पंजीयक द्वारा जमीन की रजिस्ट्री नही की जा रही है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने इसे गंभीरता से लेते हुए जिला पंजीयक को सख्त निर्देश दिये है कि जिले में जमीन की रजिस्ट्री के दौरान पटवारी की पर्ची लेना तत्काल बंद करें। जिला पंजीयक को निर्देशित किया गया है कि वे जमीन की रजिस्ट्री के लिए अधिकृत स्टाम्प वेण्डरों की बैठक लेकर इस पर तत्काल अमल शुरू करें। अन्यथा उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

कांग्रेसी पार्षद योगराज लिल्हारे ने नेता प्रतिपक्ष पद से दिया इस्तीफा

कांग्रेस पार्षदों में खींचतान और गुटबाजी मानी जा रही प्रमुख वजह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट नगर पालिका में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष योगराज कारो लिल्हारे ने अपने नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह इस्तीफा हाल ही में आयोजित एक बैठक के दौरान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष को सौंपा है। बताया जा रहा है कि अपने इस्तीफे में योगराज लिल्हारे ने पारिवारिक कारणों और वार्ड बड़ा होने के कारण उसे पर्याप्त समय देने की आवश्यकता का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास कार्यों और जनता की समस्याओं पर अधिक ध्यान देने के लिए यह निर्णय लिया गया है। हालांकि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस के 11 पार्षदों के बीच चल रही अंदरूनी खींचतान और उठापटक को भी इस इस्तीफे की एक वजह माना जा रहा है।

नगर पालिका बालाघाट की राजनीति में इन दिनों अंदरूनी खींचतान और गुटबाजी का माहौल बना हुआ है। पहले जहां सत्ता पक्ष के पार्षदों के बीच मतभेद और गुटबाजी की चर्चा नगर पालिका से लेकर भाजपा कार्यालय और न्यायालय तक पहुंची थी, वहीं अब विपक्ष में बैठी कांग्रेस में भी इसी तरह के हालात सामने आने लगे हैं। नगर पालिका में विपक्ष की भूमिका निभा रहे कांग्रेस के 11 पार्षदों में से वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद योगराज लिल्हारे को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हाल ही में उन्होंने कांग्रेस पार्षदों के नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने यह इस्तीफा संजय उइके कांग्रेस जिला अध्यक्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को सौंप दिया है। सूत्रों के अनुसार यह इस्तीफा हाल ही में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संगठन सृजन की बैठक के दौरान दिया गया। जब इस संबंध में योगराज लिल्हारे से दूरभाष पर चर्चा की गई

तो उन्होंने कैमरे के सामने अधिक कुछ कहने से इनकार कर दिया, लेकिन इस्तीफा देने की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्होंने अपना त्यागपत्र जिला अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष को सौंप दिया है। उन्होंने इस्तीफे का कारण पारिवारिक जिम्मेदारियों और अपने वार्ड को पर्याप्त समय नहीं दे पाने को बताया। उनका कहना है कि आगामी एक वर्ष बाद नगर पालिका चुनाव होने हैं और ऐसे समय में वह अपने वार्डवासियों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे थे, इसलिए उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा देना उचित समझा। सूत्रों की मानें तो इसके पीछे कारण कुछ और भी बताए जा रहे हैं। बताया जाता है कि कांग्रेस के 11 पार्षदों के बीच भी पिछले कुछ समय से मतभेद और अंदरूनी खींचतान चल रही थी। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर भी वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष डहरवाल और योगराज लिल्हारे के बीच नगर पालिका के मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन नहीं किए जाने को लेकर फेसबुक पर तीखी टिप्पणियां देखने को मिली थीं। कुछ दिनों बाद यह विवाद शांत हो गया था, लेकिन अंदरूनी मतभेद बने रहे। सूत्रों के अनुसार कुछ कांग्रेसी पार्षदों का मानना था कि परिषद की बैठकों और नगर पालिका के मुद्दों पर विपक्ष की भूमिका उतनी प्रभावी नहीं रही रही हैं , जितनी अपेक्षित थी। उनका कहना था कि सत्ता पक्ष के खिलाफ जिस तरह से विरोध प्रदर्शन, धरना एवं अन्य आंदोलन होने चाहिए थे, वे पर्याप्त रूप से नहीं हो पाए। इन्हीं कारणों से कांग्रेस पार्षदों के बीच लगातार खींचतान की स्थिति बनी रही। बताया जाता है कि इसी अंदरूनी विवाद के चलते नेता प्रतिपक्ष ने नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। योगराज लिल्हारे ने यह भी कहा कि आने वाले एक-दो दिनों में उनका इस्तीफा स्वीकार हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार उन्होंने मन बना लिया है कि संगठन के कहने पर भी वे नेता प्रतिपक्ष का पद वापस नहीं लेंगे। अब देखना होगा कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद नगर पालिका में कांग्रेस का नया नेता प्रतिपक्ष कौन बनता है और पार्टी इस अंदरूनी विवाद को किस तरह सुलझाती है।

देशी मुर्गे की मदद से करते थे,जंगली मुर्गे का शिकार

मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार, बैहर के खापा रेंज का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ट्रेंड देशी मुर्गे की मदद से जंगली मुर्गे का शिकार करने का एक मामला सामने आया है। जहां इस मामले में कान्हा टाईगर रिजर्व बफरजोन के खापा रेंज की टीम ने 4 आरोपियों गिरफ्तार किया है। जिनके पास से वनविभाग की टीम ने 3 देशी मुर्गे, सहित 1 जंगली मुर्गा और फंदे बरामद किए है। सभी 04 आरोपियों को शुक्रवार को वनविभाग की टीम ने बैहर न्यायालय में पेश किया गया।जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।आरोपियों पर आरोप है कि वह ट्रेंड देशी मुर्गे से जंगली मुर्गे की आवाज निकालकर, उसे फंदे में फंसाकर उसका शिकार करते थे।जिसके बाद वे जंगली मुर्गे को ऊंचे दामो में बेचकर अवैध रुप से धन लाभ अर्जित करते थे। जिन्हें मुखबिर की सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

फंदे में बुलाता था देशी मुर्गा

बताया गया कि शुक्रवार को जंगल मे सुबह गश्त कर रही टीम ने तीन युवकों राजेन्द्र धुर्वे, राम धुर्वे और दीपक परते को पकड़ा। जो जंगली मुर्गे को फंदे में फंसाकर शिकार कर रहे थे।जिनके पास से एक ट्रेंड देशी और जंगली मुर्गा भी बरामद किया गया है। जो जंगली मुर्गे की आवाज निकालकर उसे अपनी ओर आकर्षित करता है, जिसके बाद शिकारी, जंगली मुर्गे

को फंदे में फंसाकर शिकार कर लेते है।जिसकी जानकारी मिलने पर मौजूद आरोपियों को गिरफ्तार कर वन विभाग की टीम ने पूछताछ के लिए कार्यालय लाया, जिनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर उनके खिलाफ न्यायालयीन प्रकरण बनाया गया ।

पूछताछ में आरोपियों ने उगले राज, पारधी गिरोह के सदस्य के भाई को किया गया गिरफ्तार

उक्त मामले में गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होंने वन्यप्राणियों के शिकार में संलिप्त पारधी गिरोह से संबंध रखने वाले दिलीप परते के बारे में बताया।आरोपियों ने बताया कि उन्होंने दिलीप परते से ही जंगली मुर्गों के शिकार के लिए, ट्रेंड देशी मुर्गा और फंदे खरीदे थे। जिसके बाद टीम ने उसके डेरे पर दबिश दी तो दिलीप परते तो भाग गया लेकिन उसका भाई रंजु परते पकड़ा गया।जिसके पास से वन विभाग की टीम ने शिकार के लिए उपयोग किए जाने वाले कई फंदे मिले। इसके खिलाफ भी सम्बंधित धाराओं के तहत प्रकरण तैयार कर न्यायालय में पेश किया गया।

फरार आरोपी की तलाश जारी- चिचखेड़े

टीम प्रभारी व कार्यालय सहायक संचालक मलाजखंड मितेन्द्र चिचखेडे ने बताया कि,आरोपियों से की गई पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि फंदे की मदद से उसने तितर, लावा और बटेर का शिकार किया था। जिसे भी आरोपी बनाकर, सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है और फरार आरोपी दिलीप परते की तलाश की जा रही है। जिसे जल्द ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग न करें- अपर कलेक्टर

होटल-रेस्टारेंट संचालकों को ईंधन के वैकल्पिक साधन अपनाने की सलाह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय में एलपीजी गैस एजेंसियों तथा होटल-रेस्टारेंट संचालकों की बैठक लेकर गैस सिलेंडर के उपयोग के संबंध में चर्चा की। बैठक में संयुक्त कलेक्टर मायाराम कोल, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर.के. ठाकुर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहल सिंह वलाड़ी सहित गैस एजेंसी तथा होटल-रेस्टारेंट संचालक उपस्थित रहे।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री धुर्वे ने होटल एवं रेस्टारेंट संचालकों को निर्देश दिए कि वे लाल रंग के घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग न करें। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार नीले रंग के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर का वितरण वर्तमान में गैस एजेंसियों द्वारा नहीं किया जा रहा है, इसलिए होटल-रेस्टारेंट संचालक एवं केटरर्स ईंधन के अन्य वैकल्पिक साधन अपनाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि भोजन तैयार करने के लिए डीजल से चलने वाली भट्टी, बिजली से चलने वाले इंडक्शन कुकर या लकड़ी के चूल्हों का उपयोग किया जा सकता है। साथ ही ईंधन की खपत कम करने के लिए खाद्य सामग्री बनाने में प्रेशर

कुकर का उपयोग करने और होटल-रेस्टारेंट व शादी-विवाह के मेन्यू में ऐसे व्यंजन कम रखने की सलाह दी, जिन्हें तैयार करने में अधिक ईंधन की आवश्यकता होती है।

बैठक में गैस एजेंसियों के संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे उपभोक्ताओं को उनकी बुकिंग के अनुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएं। जिले में लाल रंग के 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर, डीजल और पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा किसी प्रकार की कमी नहीं है। अपर कलेक्टर ने उपभोक्ताओं से भी अपील की कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार ही गैस सिलेंडर, डीजल और पेट्रोल का उपयोग करें तथा इनका अनावश्यक भंडारण न करें। उन्होंने बताया कि गैस सिलेंडर की डिलीवरी के समय उपभोक्ताओं को ओटीपी बताना अनिवार्य होगा। ओटीपी बताने पर ही गैस एजेंसी द्वारा गैस सिलेंडर दिया जाएगा, अन्यथा सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। गैस एजेंसियों के संचालकों से कहा गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके हाकर्स उपभोक्ताथओं से गैस सिलेंडर की अधिक राशि कतई न लें। जिले में कहीं से भी अधिक दाम पर गैस सिलेंडर दिये जाने की शिकायत नहीं मिलना चाहिए।

अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

बटरमारा में बिना नंबर का ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, पुलिस थाना हट्टा में रखा गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा जिले में अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 13 मार्च 2026 को खनिज अमले द्वारा तहसील किरनापुर के ग्राम बटरमारा में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जांच की गई। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि जांच के दौरान एक महिन्द्रा कंपनी का बिना नंबर का ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध रूप से रेत का उत्खनन करते हुए पाया गया। कार्रवाई करते हुए वाहन को मौके पर ही जब्त कर पुलिस थाना हट्टा की अभिरक्षा में रखा गया है। उन्होंने बताया कि उल्लंघनकर्ताओं द्वारा किया गया यह कृत्य म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 3 का उल्लंघन है। इस संबंध में प्रकरण पंजीबद्ध कर खनिज नियमों के अंतर्गत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये से देना है

लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री सांई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50×55=2750 फुट में बना हाल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेंट संचालित हो रहा है। इस रेस्टोरेंट को मैं आजाद पटेल (किरायेदार) अपने कुछ पारिवारिक कारणों से

15 मार्च तक

31 मार्च को छोड़ रहा हूँ। रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु किराये से लेने हेतु इ छुक व्यक्ति संपर्क करें।

सुविधाएं - पार्किंग, लेट-बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था, रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु पूरा सेटअप उपलब्ध है।

-संपर्क सूत्र-
दीपक शर्मा - 7875129343
आजाद पटेल - 7067934672

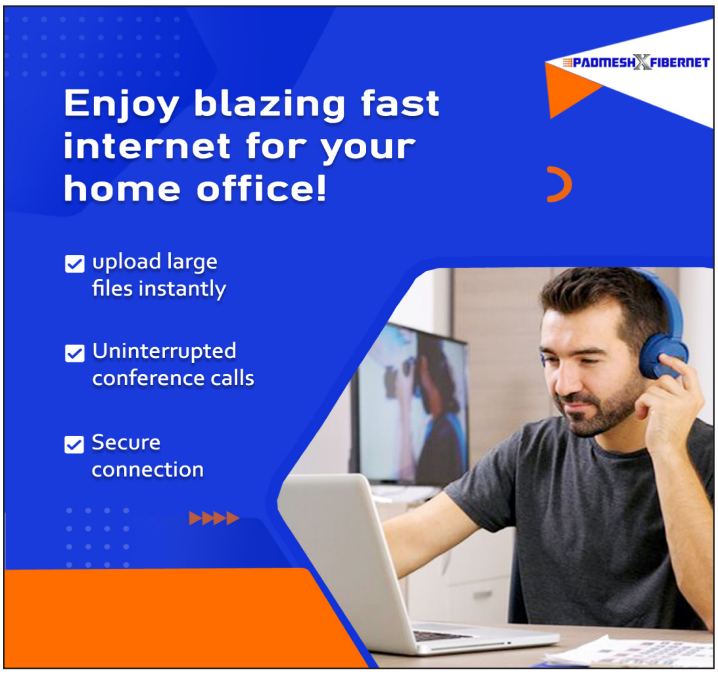

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट